जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

बसन्त पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस
की जयन्ती के पावन अवसर पर

1,000 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात

700 करोड़ रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन हस्तांतरण
300 करोड़ रुपए से अधिक के विद्यार्थियों को उपहार

3.06 लाख छात्राओं को विभिन्न योजनाओं में 126.81 करोड़ रुपए का हस्तांतरण	3.34 लाख छात्राओं को 130 करोड़ रुपए की नि:शुल्क साइकिलों के वितरण का शुभारम्भ	4.40 लाख विद्यार्थियों को ट्रांसपोर्ट वाउचर के पेटे 53 करोड़ रुपए का हस्तांतरण

सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा अभिभावक - शिक्षक बैठक

75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

23 जनवरी, 2026 | प्रात: 11:00 बजे | विश्वविद्यालय कॉमर्स कॉलेज, जयपुर

1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां

युवाओं को दी सौगात

1 लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर

युवा नीति – 2026

- शिक्षा और कौशल विकास से युवाओं के लिए नए क्षेत्रों में अवसर
- स्थानीय शासन और निर्णय प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी
- खेलों के विस्तार, लैंगिक हिंसा की रोकथाम एवं युवा कलाकारों का संवर्धन
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार और बुनियादी अधिकारों तक युवाओं की पहुंच

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना – 2026

- छोटे उद्योग, सेवा आधारित स्टार्टअप या व्यापार की सुविधा
- 1 लाख युवाओं को 10 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण
- 8वीं से 12वीं पास युवा को सेवा व व्यापार में 3.50 लाख रुपए एवं विनिर्माण क्षेत्र में 7.50 लाख रुपए तक का ऋण
- स्नातक, आई.टी.आई. एवं अधिक योग्यताधारक युवा को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपए एवं विनिर्माण के लिए 10 लाख रुपए तक का ऋण

रोजगार नीति – 2026

मार्च 2029 तक 15 लाख रोजगार के अवसर	एआई आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म का निर्माण	सूक्ष्म उद्यम शुरू करने पर ब्याज मुक्त ऋण	राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों की उपलब्धता हेतु ई-जॉब फेयर

राजस्थान संवाद

शिक्षा विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

काम, क्रोध, मद, लोभ सब, नाथ नरक के पंथ। –तुलसीदास

राजस्थान की लुप्त होती लोक कलाएं एवं सरकार द्वारा संरक्षण हेतु उपाय

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में लोककलाएं इसका अभिन्न अंग हैं, जो पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं का जीवंत प्रतिबिंब हैं। कठपुतली, मांडणा, कावड़ चित्रकला जैसी ये कलाएं आधुनिकता की दौड़ में लुप्त होती जा रही हैं। युवा पीढ़ी डिजिटल मनोरंजन की ओर आकर्षित हो रही है, जिससे ये अमूल्य धरोहरें खतरे में पड़ गई हैं। राज्य सरकार इनकी रक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, ताकि ये कलाएं जीवंत बनी रहें। राजस्थान का रेगिस्तानी भूभाग और राजपूताना गौरव हमेशा से कला का केंद्र रहा है। यहां की लोककलाएं न केवल मनोरंजन का साधन थीं, बल्कि सामाजिक संदेश, धार्मिक कथाओं और ऐतिहासिक घटनाओं को जीवंत करने का माध्यम भी रहीं।

कठपुतली कला इसका प्रमुख उदाहरण है, जो राजा–महाराजाओं के काल में दरबारों में प्रस्तुत होती थी। लकड़ी, कपड़े और धागों से बनी ये कठपुतलियां रामायण–महाभारत की कथाएं सुनातीं, लोकगीत गातीं और नैतिक शिक्षा देतीं। जयपुर, उदयपुर और जोधपुर के पर्यटन स्थलों पर आज भी ये दिखाई देती हैं, लेकिन कलाकारों की घटती संख्या चिंता का विषय है। स्थानीय स्तर पर मोबाइल और सोशल मीडिया ने इनका स्थान ले लिया है, जिससे पारंपरिक प्रदर्शन कम हो गए हैं। कठपुतली कलाकार विकास भाट जैसे शिल्पकार बताते हैं कि परिवार चलाना मुश्किल हो गया है, क्योंकि आयोजन सीमित हैं। ये कलाकार अब पर्यटन पर निर्भर हैं, जो मौसमी होने के कारण अनिश्चित है।

मांडणा कला राजस्थान की प्राचीन चित्रकला है, जो दीवारों और फर्श पर चावल के आटे, चूने या गेरू से बनाई जाती है। त्योहारों जैसे दीपावली, होली और विवाहों पर महिलाएं घरों को सजाने के लिए पगल्या, थाम या चैकड़ी जैसे मांडणे बनातीं। ये ज्यामितीय आकृतियां और फूल–पत्तियों के चित्र समृद्धि और मंगल की प्रतीक हैं।आधुनिकता की चमक में प्लास्टिक सजावट ने इसे पीछे धकेल दिया। नई पीढ़ी इन्हें सीखने से कतरा रही है, क्योंकि स्कूलों में आधुनिक विषयों पर जोर है। ग्रामीण महिलाओं में भी यह कौशल लुप्त हो रहा है, क्योंकि वे अब बाहर काम करने लगी हैं।

कावड़ चित्रकला चित्तौड़गढ़ के बस्सी गांव की खासियत है, जहां मांगीलाल मिस्त्री जैसे कारीगर पीढ़ियों से इसे संरक्षित कर रहे हैं। यह लकड़ी का मंदिरनुमा बॉक्स है, जिसमें कई कपाट होते हैं। प्रत्येक कपाट पर रामकथा या अन्य लोककथाओं के चित्र उकेरे जाते हैं, जो कथा वाचन के दौरान धीरे–धीरे खुलते हैं। पर्यटक इनकी ओर आकर्षित होते हैं, लेकिन सस्ते मशीनी उत्पादों ने हस्तशिल्प की मांग घटा दी है। इसी प्रकार फड़ चित्रकला, जो कपड़े पर लोक देवताओं के चित्र बनाकर गाई जाती है, भी विलुप्ति के कगार पर है। ये चित्र भोपा समुदाय द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं, जो पाबूजी या तेजाजी की कथाएं सुनाते हैं। लेकिन रिकॉर्डिंग और टीवी ने इन जीवंत प्रदर्शनों को प्रभावित किया है।

सरकार ने इन कलाओं के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए हैं। राजस्थान सरकार की कला एवं हस्तशिल्प विभाग के तहत राजस्थान ललित कला अकादमी और राजस्थान संगीत नाटक अकादमी सक्रिय हैं। ये हस्तशिल्प मेलों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन करती हैं, जहां कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराया जाता है। कठपुतली कला को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं चल रही हैं, जैसे प्राचीन काल की वीरता गाथाओं को पुनर्जीवित करना

लोकसंगीत और वाद्ययंत्र राजस्थान की आत्मा हैं। पश्चिमी राजस्थान के मांगणियार और लंगा समुदाय अपनी सरंगी, कमायचा और ढोलकी पर लोकगीत गाते हैं, जो उनके इतिहास और भावनाओं को संजोए रखते हैं। ये गीत सूखे, संघर्ष और प्रेम की कहानियां बयां करते हैं। लेकिन शहरीकरण, आधुनिक संगीत और युवाओं का रुझान पॉप–रॉक की ओर होने से ये परंपराएं खतरे में हैं। कई वाद्ययंत्र अब केवल संग्रहालयों में सजावट के लिए बचे हैं। मांगणियार कलाकारों का कहना है कि शादियों और मेलों में अब डीजे पसंद किए जाते हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।

इन कलाओं के लुप्त होने के कारण बहुआयामी हैं। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है कारीगरों को उचित मूल्य नहीं मिलता, बिचौलिए शोषण करते हैं। बाजार में मशीनी नकलें सस्ती उपलब्ध हैं, जो हस्तनिर्मित वस्तुओं की चमक फीकी कर देती हैं। शिक्षा और शहरीकरण ने युवाओं को नौकरियों की ओर मोड़ा, जिससे पारिवारिक परंपराएं टूट रही हैं। पर्यटन पर निर्भरता मौसमी है, और डिजिटल मीडिया ने जीवंत प्रदर्शनों को हाशिए पर धकेल दिया। दस्तावेजीकरण की कमी से ये कलाएं गुमनामी में खो रही हैं। जलवायु परिवर्तन ने भी प्रभाव डाला है, क्योंकि रेगिस्तानी क्षेत्रों में कच्चे माल जैसे प्राकृतिक रंगों की उपलब्धता घट गई है। इसके अलावा, वैश्वीकरण ने विदेशी कलाओं को बढ़ावा दिया, जिससे स्थानीय परंपराएं दब गईं।

सरकार ने इन कलाओं के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए हैं। राजस्थान सरकार की कला एवं हस्तशिल्प विभाग के तहत राजस्थान ललित कला अकादमी और राजस्थान संगीत नाटक अकादमी सक्रिय हैं। ये हस्तशिल्प मेलों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन करती हैं, जहां कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराया जाता है। कठपुतली कला को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं चल रही हैं, जैसे प्राचीन काल की वीरता गाथाओं को पुनर्जीवित करना। उदाहरण के लिए, जयपुर में कठपुतली महोत्सव आयोजित होते हैं, जहां सैकड़ों कलाकार भाग लेते हैं।

एएफसीपी प्रोजेक्ट के तहत एआईआईएस ने पश्चिमी राजस्थान की संगीत परंपराओं का दस्तावेजीकरण किया। युवा संगीतकारों को वरिष्ठ कलाकारों से प्रशिक्षण दिया गया, जिससे छह संगीत शैलियां विलुप्ति से बचीं। केंद्र सरकार का संस्कृति मंत्रालय और कपड़ा मंत्रालय हस्तशिल्प निर्यात को प्रोत्साहित कर रहे हैं। राजस्थान में राजस्थान हस्तशिल्प नीति के अंतर्गत कारीगरों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और ब्रांडिंग दी जाती है। उदाहरणस्वरूप, ब्लू पॉटरी, बगरू प्रिंट और अजरक जैसे हस्तशिल्पों को जीआई टैग मिला है, जो उनकी पहचान मजबूत करता है। जीआई टैग से निर्यात बढ़ा है, और विदेशी बाजारों में राजस्थानी हस्तशिल्प की मांग दोगुनी हो गई।

सरकार द्वारा संरक्षण के अन्य उपायों में डिजिटल दस्तावेजीकरण प्रमुख है। ऑनलाइन पोर्टल और ऐप्स के माध्यम से कलाओं का वीडियो रिकॉर्डिंग, वर्चुअल प्रदर्शन और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म विकसित किए जा रहे हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग ने राजस्थान आर्ट एंड क्राफ्ट ऐप लॉन्च किया, जहां कारीगर अपनी रचनाएं बेच सकते हैं। स्कूलों में पाठ्यक्रम में लोककलाओं को शामिल कर युवाओं को जोड़ा जा रहा है। पर्यटन विभाग होटलों और सर्किटों में कठपुतली शो अनिवार्य कर रहा है। पुरस्कार योजनाएं जैसे राजस्थान गौरव पुरस्कार कलाकारों को सम्मानित करती हैं। करोली जिले जैसे क्षेत्रों में पुरातत्व विभाग स्थानीय कलाओं को संरक्षित करने के लिए केंद्र से हस्तक्षेप मांग रहा है। इसके अलावा, आर्टिसन क्रेडिट कार्ड योजना से कारीगरों को सस्ता ऋण मिल रहा है, जिससे वे उपकरण खरीद पा रहे हैं।

इन प्रयासों से कुछ सफलताएं मिली हैं। कठपुतली अब शिक्षा और जागरूकता अभियानों में प्रयुक्त हो रही है, जैसे पर्यावरण संरक्षण पर नाटक। विदेशी पर्यटक इनकी ओर आकर्षित हैं, जो आय बढ़ा रहे हैं। मांडणा कला को आधुनिक डिजाइन में ढालकर फैशन इंडस्ट्री में जगह मिली है। लेकिन चुनौतियां बरकरार हैं निरंतर फंडिंग, मार्केटिंग और युवा प्रशिक्षण की आवश्यकता है। गैर–सरकारी संगठन जैसे इंटाच भी सहयोग कर रहे हैं, जो ग्रामीण स्तर पर वर्कशॉप चला रहे हैं।

भविष्य में संरक्षण के लिए सुझाव हैं। कारीगरों को डिजाइनरों से जोड़ना जरूरी है, ताकि आधुनिक उत्पाद बनें। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड का उपयोग कर फंडिंग सुनिश्चित करें। इको–टूरिज्म को बढ़ावा दें, जहां पर्यटक गांवों में रहकर कलाओं का अनुभव लें। स्कूल–कॉलेजों में वर्कशॉप अनिवार्य करें, ताकि नई पीढ़ी जुड़े। डिजिटल मार्केटिंग से वैश्विक बाजार खोलें, जैसे यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर लाइव प्रदर्शन। आर्टिसन क्रेडिट कार्ड योजना को विस्तार दें और बीमा सुविधा जोड़ें। स्थानीय बाजारों में हस्तशिल्प स्टॉल अनिवार्य करें। राजस्थान की ये कलाएं केवल सजावट नहीं, बल्कि पहचान हैं। इन्हें बचाना सांस्कृतिक संरक्षण के साथ आर्थिक सशक्तिकरण भी है। यदि ये धरोहरें जीवित रहीं, तो राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा जारी रहेगी।

अविनाश जोशी,
अतिथि संपादक,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार।

वैश्विक भू–राजनीति में भारत की भूमिका

राम शर्मा

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक भू–राजनीति गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है। शीत युद्ध के बाद बनी एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था अब धीरे–धीरे कमजोर पड़ रही है और उसकी जगह बहुध्रुवीय व्यवस्था आकार ले रही है। अमेरिका, चीन, रूस और यूरोपीय संघ जैसे शक्ति केंद्रों के साथ भारत जैसी उभरती ताकतें भी वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इस बदलते परिदृश्य में भारत की भूमिका केवल एक क्षेत्रीय शक्ति तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय संतुलन और संवाद का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनता जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का प्रभाव भी भारत की भूमिका को समझने में महत्वपूर्ण संदर्भ प्रदान करता है।

भारत की विदेश नीति की बुनियाद गुटनिरपेक्षता और स्वतंत्र निर्णय क्षमता पर टिकी रही है। आज इसे रणनीतिक स्वायत्तता कहा जाता है। इसका अर्थ है कि भारत किसी एक महाशक्ति के प्रभाव में आए बिना अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संबंध बनाता है। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका की विदेश नीति में स्पष्ट रूप से अमेरिका फर्स्ट का दृष्टिकोण देखने को मिला। इस नीति ने वैश्विक संस्थाओं, व्यापार समझौतों और पारंपरिक गठबंधनों को भी प्रभावित किया। ऐसे समय में भारत ने अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ाते हुए भी अपनी स्वतंत्रता बनाए रखी, जो उसकी परिपक्व विदेश नीति को दर्शाता है।

वैश्विक भू–राजनीति में भारत की बढ़ती अहमियत का एक बड़ा कारण उसकी आर्थिक और जनसांख्यिकीय ताकत है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी, विशाल उपभोक्ता बाजार और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक निवेश और रणनीतिक साझेदारी के लिए आकर्षक बनाती है। ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका ने चीन के खिलाफ कड़े व्यापारिक कदम उठाए और टैरिफ युद्ध को बढ़ावा दिया। इस व्यापारिक टकराव का अप्रत्यक्ष लाभ भारत को मिला, क्योंकि वैश्विक कंपनियों ने चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर भी देखना शुरू किया। हालांकि, ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों ने भारतीय निर्यात पर कुछ दबाव भी डाला, जिससे भारत को अपने आर्थिक हितों के लिए नए रास्ते तलाशने पड़े।

भारत–अमेरिका संबंध ट्रंप काल में एक नए चरण में प्रवेश करते दिखाई दिए। एक ओर ट्रंप भारत की रणनीतिक अहमियत को स्वीकार करते थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी व्यक्तिगत केमिस्ट्री भी अक्सर चर्चा में रही। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा और बड़े रक्षा समझौते हुए। दूसरी ओर, ट्रंप का सख्त व्यापार रुख, वीजा नीतियों में बदलाव और टैरिफ को लेकर विवाद भारत–अमेरिका संबंधों में तनाव के बिंदु भी बने। इन विरोधाभासों के बीच भारत ने संतुलन बनाए रखा और यह दिखाया कि वह भावनाओं नहीं, बल्कि हितों के आधार पर संबंध तय करता है।

हिंद–प्रशांत क्षेत्र की राजनीति में ट्रंप की नीतियों का असर विशेष रूप से देखा गया। चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए अमेरिका ने हिंद–प्रशांत रणनीति को आगे बढ़ाया, जिसमें भारत की भूमिका केंद्रीय रही। क्वाड जैसे मंचों को सक्रिय करने में ट्रंप प्रशासन की भूमिका रही और भारत ने इसे अपने क्षेत्रीय हितों के अनुकूल पाया। इससे भारत की वैश्विक भूमिका और जिम्मेदारी दोनों बढ़ीं, क्योंकि उसे केवल अपने हित ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के बारे में भी सोचना पड़ा।

चीन के संदर्भ में ट्रंप की नीतियों ने वैश्विक भू–राजनीति को और जटिल बनाया। अमेरिका–चीन टकराव ने दुनिया को नए ध्रुवीकरण की ओर धकेला। भारत ने इस स्थिति में सावधानीपूर्ण रुख अपनाया। उसने अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाया, लेकिन चीन के साथ संवाद के रास्ते भी खुले रखे। सीमा विवाद और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह किसी नए शीत युद्ध का हिस्सा नहीं बनना चाहता। यही संतुलन भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

रूस के साथ भारत के संबंधों पर भी ट्रंप युग की वैश्विक राजनीति का असर पड़ा। ट्रंप प्रशासन का रूस के प्रति रुख कई बार विरोधाभासी रहा, लेकिन पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का दबाव भारत पर भी परोक्ष रूप से महसूस किया गया। इसके बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने पारंपरिक संबंध बनाए रखे, खासकर रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का स्पष्ट उदाहरण है, जिसने उसे वैश्विक मंच पर एक स्वतंत्र आवाज दी।

वैश्विक दक्षिण में भारत की भूमिका ट्रंप काल के दौरान और अधिक महत्वपूर्ण हो गई। अमेरिका के संरक्षणवादी रुख और वैश्विक संस्थाओं से दूरी बनाने की प्रवृत्ति के कारण विकासशील देशों को नए नेतृत्व की तलाश थी। भारत ने इस खाली जगह को भरने की कोशिश की। विकास सहयोग, तकनीकी सहायता और मानवीय मदद के जरिए भारत ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी उपस्थिति मजबूत की। बाद के वर्षों में यह भूमिका और अधिक स्पष्ट होकर सामने आई।

भारत की सॉफ्ट पावर भी उसकी वैश्विक भूमिका को मजबूती देती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था, सांस्कृतिक विविधता और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की परंपरा भारत को अन्य देशों से अलग पहचान देती है। ट्रंप के दौर में जब अमेरिका की छवि कई वैश्विक मुद्दों पर विवादास्पद बनी, तब भारत ने संवाद, सहयोग और बहुपक्षीयता पर जोर देकर खुद को एक संतुलित विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया।

हालांकि, भारत के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पड़ोसी देशों के साथ तनाव, सीमा सुरक्षा, आतंकवाद और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं उसकी विदेश नीति की परीक्षा लेती हैं। इसके साथ ही, घरेलू आर्थिक और सामाजिक मजबूती भी वैश्विक भूमिका की विश्वसनीयता से जुड़ी है। यदि भारत को विश्व मंच पर प्रभावी बने रहना है, तो उसे आंतरिक विकास और समावेशी प्रगति पर निरंतर ध्यान देना होगा।

निष्कर्षतः, वैश्विक भू–राजनीति में भारत की भूमिका आज एक संतुलनकारी और संवादकारी शक्ति की है। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने जहां दुनिया में अनिश्चितता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया, वहीं भारत के लिए अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा कीं। भारत ने इन परिस्थितियों में धैर्य, विवेक और रणनीतिक स्वायत्तता के साथ अपनी राह चुनी। आने वाले समय में यदि भारत इसी संतुलित दृष्टिकोण पर आगे बढ़ता है, तो वह न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और सहयोग में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा"

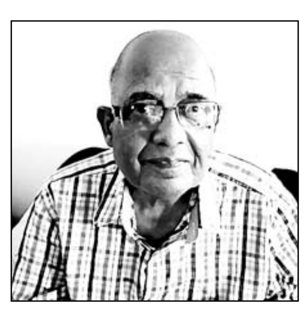

डॉ. जे. के. गर्ग

जन–जन के नायक महान स्वतन्त्रता सेनानी नेता जी कहते थे कि राष्ट्रवाद मानव जाति के उच्चतम आदर्शों सत्यम, शिवम, सुन्दरम से प्रेरित होना चाहिये। उन्होंने हमें अपने जीवन में सदेव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी थी चाहे हमारा सफर कितना ही भयानक, कष्टदायी दुखी और बदतर हो। सुभाष बोस ने हमें संदेश दिया था कि सफलता, हमेशा असफलता के स्तंभ पर खड़ी होती है।जो अपनी ताकत पर भरोसा करते हैं, वो आगे बढ़ते हैं किन्तु उधार की ताकत वाले घायल हो जाते हैं। नेताजी ने बतलाया कि मेरा अनुभव है कि हमेशा आशा की कोई न कोई किरण आती है, जो हमें जीवन से दूर भटकने नहीं देती।

नेताजी बार बार बोलते थे कि अन्याय और अपराध को सहना और गलत के साथ समझौता करना है सबसे बड़े पाप हैं। भारतीयों का कर्तव्य है कि हम अपनी स्वतंत्रता का मोल अपने खून से चुकाएं। एक सैनिक के रूप में आपको हमेशा तीन आदर्शों को संजोना और उन पर जीना होगा ये आदर्श हैं सच्चाई, कर्तव्य और बलिदान। जो सिपाही हमेशा अपने देश के प्रति वफादार रहता है, जो हमेशा अपना जीवन बलिदान करने को तैयार रहता है, वो सिपाही अजेय है। अगर तुम भी अजेय बनना चाहते हो तो इन तीन आदर्शों को अपने हृदय में समाहित कर लो।

आजाद हिन्द फौज के प्रणेता क्रांतिकारी जन नायक सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक के निवासी जानकीनाथ बोस प्रभावती के यहाँ हुआ था। सुभाष का मन अंग्रेजों के अधीन काम करने का नहीं था इसलिए उन्होंने से एक साल के भीतर 22 अप्रैल 1921 को त्यागपत्र दे दिया। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ की सलाह के अनुसार भारत वापस आने पर वे सर्वप्रथम बंबई गये और गांधीजी से मिले। वहाँ 20 जुलाई 1921 को गांधी जी और सुभाष के बीच पहली मुलाकात हुई। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झंडे दिखाये। कोलकाता में सुभाष ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। सुभाष बाबू को इस आयोग का सदस्य बनाया गया। 1930 में जब कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में लाहौर में हुआ तब इस अधिवेशन के अन्दर तय किया गया कि भारत में 26 जनवरी का दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

3 मई 1939 को सुभाष ने कांग्रेस के अन्दर ही फॉरवर्ड ब्लाक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया था उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। उन्होंने भारतवासियों को "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा" का नारा दिया था जो आज भी हमारे मन मस्तिष्क में गूंज रहा है।

21 अक्टूबर 1943 को सुभाष बोस ने आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतन्त्र भारत की अस्थायी सरकार बनायी जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्छेको और आयरलैंड समेत 11 देशों ने मान्यता दी। जापान ने अंडमान व निकोबार द्वीप इस अस्थायी सरकार को दे दिये। सुभाष उन द्वीपों में गये और उनका नया नामकरण किया। 6 जुलाई 1944 को उन्होंने रंगून रेडियो स्टेशन से महात्मा गांधी के नाम एक प्रसारण जारी किया जिसमें उन्होंने इस निर्णायक युद्ध में विजय के लिये उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएँ माँगीं। इस भाषण के दौरान नेताजी ने गांधीजी को राष्ट्रिपता कहा तभी गांधीजी ने भी उन्हे नेताजी कहा, तभी से उन्हें नेताजी कहा जाने लगा। नेताजी ने कहा था कि हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी स्वतंत्रता का मोल अपने खून से चुकाएं। हमें अपने बलिदान और परिश्रम से जो आज़ादी मिले, हमारे अन्दर उसकी रक्षा करने की ताकत होनी चाहिए। 23 अगस्त 1945 को टोक्यो रेडियो ने बताया कि सैगोन में नेताजी एक बड़े बमवर्षक विमान से आ रहे थे कि 18 अगस्त को ताइहोकू हवाई अड्डे के पास उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में उनके साथ सवार जापानी जनरल शोदाई, पायलट तथा कुछ अन्य लोग मारे गये। नेताजी गम्भीर रूप से जल गये थे। उन्हें ताइहोकू सैनिक अस्पताल ले जाया गया जहाँ उन्होंने अंतिम श्वास ली और नेताजी पंच महाभूतों में विलीन हो गये। सितम्बर के मध्य में उनकी अस्थियाँ संचित करके जापान की राजधानी टोक्यो के रेगोंजी मंदिर में रख दी गयी भारतीय महालेखाकार से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार नेताजी की मृत्यु 18 अगस्त 1945 को ताइहोकू के सैनिक अस्पताल में रात्रि ग्यारह बजे हुई थी।

आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने के नेताजी का प्रयास हालांकि प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका था किन्तु उनका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना का विद्रोह इसका जीता जागता प्रमाण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारतीय सेना के बल पर भारत में शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतंत्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। आजाद हिन्द फौज को छोड़कर विश्व–इतिहास में ऐसा कोई भी दृष्टांत नहीं मिलता जहाँ तीस–पैंतीस हजार युद्धबंदियों ने संगठित होकर अपने देश की आजादी के लिए ऐसा प्रबल संघर्ष छेड़ा हो। सुभाष चंद्र बोस के उनके संघर्षों और देश सेवा के जज्बे के कारण ही महात्मा गांधी ने उन्हें देशभक्तों का देशभक्त कहा था। नेताजी मानते थे कि जिस व्यक्ति के अंदर सनक नहीं होती वो कभी महान नहीं बन सकता। लेकिन उसके अंदर, इसके अलावा भी कुछ और होना चाहिए।

आजाद हिंद सरकार के 75 साल पूर्ण होने पर साल 2018 मे पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त के अलावा लाल किले पर तिरंगा फहराया। प्राप्त सूचनाओं के मुताबिक नेताजी के 125 वें जन्मदिवस के उपलक्ष में भारत सरकार 2022 के गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ 24 जनवरी के बजाय 23 जनवरी से करने की योजना बना रही है।जन जन के दुलारे नेताजी का जन्मदिन देश में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। जन जन के दुलारे नेताजी के 23 जनवरी 2025 को राष्ट्र उन के 128वें जन्म दिन पर उनके श्री चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

डॉ. जे. के. गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर।

डीडवाना : मर्यादा महोत्सव में मोहन भागवत ने शिरकत की

आचार्य श्री महाश्रमण ने सत्य की खोज, अहिंसा और करुणा के महत्व पर जोर दिया

डीडवाना, (निसं)। कुचामन जिले के छोटी खाटू में जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 162वें मर्यादा महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और जैन धर्म गुरु आचार्य श्रीमहाश्रमण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डॉ. मोहन भागवत ने आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और मंच से संवाद किया। कार्यक्रम में देशभर से आए श्रद्धालु, तेरापंथ समाज के प्रवासी सदस्य और संघ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिससे कस्बा धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर नजर आया। आचार्य श्री महाश्रमण ने अपने संबोधन में सत्य की खोज, अहिंसा और करुणा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि संतों की वाणी और ग्रंथों के संदेश से जीवन की दिशा बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि जब हम सबको अपना मानकर चलते हैं, तभी मर्यादा और अनुशासन जीवन में उतरता है। उन्होंने कहा हमे अहिंसा पर कायम रहना चाहिए ,लेकिन मजबूरी हो जाए तो फिर शस्त्र उठाना भी जरूरी है।

■ संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मर्यादा, अनुशासन और संतुलन को राष्ट्र प्रगति की नींव बताया

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मर्यादा, अनुशासन और संतुलन को राष्ट्र प्रगति की नींव बताया। उन्होंने कहा कि लिखित और अलिखित नियमों का पालन और नागरिक अनुशासन मजबूत होगा तो अपराध घटेंगे और व्यवस्था सुदृढ़ बनेगी। उन्होंने कहा कि कई समस्याओं का समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि धर्म और नैतिक मूल्यों से होता है। भागवत ने कहा कि आज दुनिया स्वार्थ की सोच पर चल रही है, लेकिन भारत की परंपरा इससे अलग है। भारत केवल अपने हित की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता करता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने बिना स्वार्थ पाकिस्तान की बाढ़, मालदीव और श्रीलंका जैसे देशों की मदद की। कार्यक्रम के बाद डॉ. मोहन भागवत ने संघ कार्यकर्ताओं के एकत्रीकरण में भाग लिया। मंच पर अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन, क्षेत्र कार्यवाह जसवंत खत्री, क्षेत्र प्रचारक निंबाराम सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अंत में आयोजन समिति की ओर से संघ प्रमुख मोहन भागवत का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

कुचामन जिले के छोटी खाटू में जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 162वें मर्यादा महोत्सव में स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और जैन धर्म गुरु आचार्य श्रीमहाश्रमण उपस्थित रहे।

राशिफल

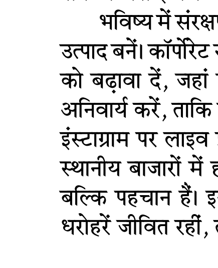

पंडित अनिल शर्मा

राशिफल 23 जनवरी 2026

माघ मास शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2082, पूर्वाभाद्रप्रद नक्षत्र दिन 2.33 तक, परिघ योग दिन 3.59 तक, बवकरण दिन 2.07 तक चन्द्रमा प्रातः 8.34 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति :- सूर्य–मकर, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–मकर, बुध–मकर, गुरु–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतू–सिंह राशि में संचार करेगा।

कुमार योगः- सूर्योदय से दिन 2.33 तक है रवियोग दिन 2.33 से आरम्भ होगा। आज बसंत पंचमी, सरस्वती पूजन, पंचमी पाटोत्सव राधा गोविन्द जयपुर है। आज तक्षक पूजा, रतिकाम महोत्सव, पंचक हैं।

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग–दौड रहेगी।

वृष
आर्थिक–वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा सम्भव है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करे। अटके हुए कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर–परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सम्भव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल आत्मविश्वास बडेगा। आवश्यक ओर महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 172 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

When A Rifleman Fought The... By the time he was done, around 300 Chinese soldiers were dead and he managed to delay the Chinese advance by around 72 hours

Why Are Turkeys Called Turkeys? While a bird native to the Americas was given a name linked to Turkey, this kind of geographic mislabeling was not unusual in the context of the time

ग्रोथ को लेकर आशावादी है उद्योग जगत

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। केंद्रीय बजट 2026-27 से पहले भारत के उद्योग जगत (इंडिया इंक) का रुख देश की आर्थिक दिशा को लेकर सकारात्मक बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चित माहौल के बावजूद, उद्योग जगत के अधिकांश नेताओं ने निरंतर विकास को लेकर भरोसा जताया है। यह भावना फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के प्री-बजट सर्वेक्षण 2026-27 से उभरकर सामने आई है, जिसमें आगामी बजट से पहले, उद्योग की अपेक्षाओं और नीतिगत प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया है।

- **औद्योगिक संगठन फिक्की के प्री बजट सर्वे में 80 प्रतिशत उद्योगपतियों ने भारत की विकास संभावनाओं पर भरोसा जताया।**

सर्वेक्षण व्यापक स्तर पर आशावाद को दर्शाता है। लगभग 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भारत की विकास संभावनाओं पर भरोसा जताया है। करीब आधे उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद (ग्रोस डोमेस्टिक प्रोडक्शन-जीडीपी) की वृद्धि दर 7-8 प्रतिशत के दायरे में बनी रहेगी, जो अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की

(शेष पृष्ठ 4 पर)

ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकियां नाकामयाब रही ग्रीनलैंड प्रकरण में

ट्रंप अपने तमाम नाटकीय उद्घोषों के बावजूद यूरोपीय देशों की एकता को नहीं तोड़ पाए और अन्ततोगत्वा टैरिफ बढ़ाने की धमकी वापस ली

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। कई हफ्तों की तीखी बयानबाजी के बाद, यूरोप के कई देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी से राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प हट गए, यह उनके दूसरे कार्यकाल की विदेश नीति में एक अहम मोड़ को दर्शाता है। इसका कारण व्यापारिक अर्थशास्त्र नहीं, बल्कि भू-राजनीति थी: ग्रीनलैंड और आर्कटिक सुरक्षा पर एक जल्दबाज़ी में तैयार किया गया भविष्य के समझौते का ढांचा, जिसे नाटो के महासचिव मार्क रुटे की मध्यस्थता से तैयार किया गया। यह प्रकरण ट्रम्प की दबाव-आधारित कूटनीति की हदों, यूरोप की सामूहिक शक्ति की मजबूती और उनके अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अंतर्विरोधों को उजागर करता है।

ट्रम्प चाहते हैं कि उनका रुख परिवर्तन रणनीतिक कदम लगें, और यहाँ तक कि वे विजयी लगे। टैरिफ निलंबित कर वे लचीलापन दिखाते हैं, पर ग्रीनलैंड का हवाला देकर वे खुद की सुरक्षा को लेकर जुनूनी, कठोर यथार्थवादी के रूप में पेश करते हैं। लेकिन घटनाक्रम और समयक्रम कुछ

- **ट्रंप अपने प्रथम कार्यकाल से ही यह सनक भरी शिकायत करते रहे हैं कि अमेरिका को नाटो से मिलता ही क्या है, केवल यूरोप की सुरक्षा प्रदान करने का बोझ।**
- **पर, अब ट्रंप को ग्रीनलैंड के मसले पर, नाटो की "शरण" में जाना पड़ा और नाटो के सेक्रेटरी जनरल के माध्यम से एक "फेमवर्क" निकालना पड़ा।**
- **ट्रंप डावोस सम्मेलन में एक घंटे के भाषण से विश्व में अमेरिका के प्रभुत्व को जताना चाहते थे, पर, उनके भाषण में केवल रीति-नीति के विरोधाभासी तर्क ही उजागर हुए।**
- **और अंत में उन्हें मंच से कहना पड़ा, अमेरिका का मकसद सारे प्रकरण में विश्व की सुरक्षा थी, न कि ग्रीनलैंड की खनिज सम्पदा को हड़पना।**
- **इस ग्रीनलैंड प्रकरण ने यह भी उजागर किया, अन्य देशों की एकता व संयम ट्रंप की धमकियों का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं।**

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'एआई जॉब मार्केट को तेजी से बदल रहा है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। वाइट कॉलर कर्मचारियों (मैनेजमैंट या बौद्धिक कार्य करने वाले) के लिए एक बड़ा बदलाव आने वाला है। बिल गेट्स का कहना है कि सरकारें इसके लिए तैयार नहीं हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक ने दावोस में आयोजित अर्थशास्त्रियों के सम्मेलन में चेतावनी दी कि आर्टीफिशियल इन्टेलिजेन्स (एआई) अपेक्षा से कहीं तेज़ी से नौकरी-बाज़ार को नया आकार देने जा रही है, और तैयारी के लिए समय बहुत तेज़ी से कम होता जा रहा है।

- **बिल गेट्स ने दावोस में चेतावनी देते हुए कहा कि यह जरूरत से ज्यादा तेजी से हो रहा है और इसका असर बौद्धिक कार्य वाली नौकरियों पर पड़ेगा।**

बीमारी के इलाज से लेकर शिक्षा तक में एआई की संभावनाओं को स्वीकार करते हुए, गेट्स ने चेताया कि यदि इसे सही ढंग से प्रबंधित (मैनेज्ड) नहीं किया गया, तो कार्यबल, भर्ती के पैटर्न और आर्थिक न्याय पर इसका प्रभाव गंभीर हो सकता है।

उनके अनुसार, इन चुनौतियों की

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मध्य प्रदेश का शहर, धार पुलिस छावनी बना

8,000 पुलिसकर्मी, जिनमें सीआरपीएफ रैपिड एक्शन फोर्स आदि तैनात किये गए

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार शहर में स्थित विवादित भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर में इस शुक्रवार हिंदुओं और मुसलमानों दोनों को प्रार्थना करने की अनुमति दे दी है।

हिंदू समुदाय को शुक्रवार को पड़ रहे हिंदू पर्व बसंत पंचमी के अवसर पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा करने की अनुमति दी गई है, जबकि मुस्लिम समुदाय दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक अपनी शुक्रवार की नमाज़ अदा कर सकेगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि नमाज़ के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की एक सूची जिला प्रशासन को दी जानी चाहिए।

पीठ ने दोनों पक्षों से आपसी सम्मान का ध्यान रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य व जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील भी की।

अदालत एक हिंदू संगठन "हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस" (एच एफ जे) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बसंत पंचमी के दिन हिंदुओं को पूजा का विशेष अधिकार देने की मांग की गई थी।

यह आवेदन 2 जनवरी को एच एफ जे की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दायर किया गया था और इसे तत्काल सुनवाई के लिए अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। याचिका में कहा गया था कि "भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण" का 2003 का आदेश उन परिस्थितियों को संबोधित नहीं करता, जब बसंत पंचमी शुक्रवार की नमाज़ के साथ पड़ती है।

- **मसला था, भोजशाला, ग्यारहवीं शताब्दी के वाग् देवी (सरस्वती देवी) के मंदिर में हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने का न्यायालय द्वारा प्रदत्त अधिकार।**
- **इस स्थल को मुसलमान कमाल मौला की मस्जिद मानते हैं।**
- **न्यायालय द्वारा प्रतिपादित व्यवस्था के अनुसार, हिंदू बसंत पंचमी को प्रातःकाल से सूर्यास्त तक अपनी पूजा-अर्चना कर सकते हैं तथा मुसलमान शुक्रवार के दोपहर एक बजे से तीन बजे तक नमाज़ अदा कर सकते है।**
- **पर, न्यायालय की व्यवस्था में, इस बात का कोई प्रावधान नहीं किया गया कि जब बसंत पंचमी, शुक्रवार को पड़े, जैसा 23 जनवरी को है, तब क्या किया जाए।**
- **प्रशासन पूरी एहतियात बरत रहा है, उन लोगों की लिस्ट मांगी गई है, जो शुक्रवार को वहाँ नमाज़ अदा करने जाना चाहते हैं। पुलिस पैदल और वाहनों में लगातार पैट्रोलिंग कर रही है और सीसीटीवी के मार्फत चौकसी बरत रही है तथा सोशल मीडिया के गतिविधि पर भी निगाह रखे हुए है।**

(शेष पृष्ठ 4 पर)

गिरफ्तार आरोपियों के फोटो-वीडियो अब सोशल मीडिया और मीडिया को नहीं देगी पुलिस

जयपुर। राजस्थान में गिरफ्तार आरोपियों के फोटो और वीडियो अब पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या मीडिया से साझा नहीं करेगी। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के कड़े निर्देशों के बाद पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी पुलिस अधिकारियों को आदेश जारी किए हैं।

एडीजी (क्राइम) हवा सिंह घुमरिया ने जयपुर व जोधपुर के पुलिस आयुक्तों तथा सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा है कि गिरफ्तार आरोपियों के साथ मानवीय, सभ्य और विधिसम्मत व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। आरोपियों को अपमानजनक स्थिति में सार्वजनिक रूप से या मीडिया के सामने पेश नहीं किया जाएगा। आदेश में हाईकोर्ट के 20 जनवरी 2026 के निर्णय का हवाला देते हुए आरोपियों की निजता के अधिकार को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार पुलिस किसी भी आरोपी के फोटो या वीडियो को अपने आधिकारिक अथवा अनौपचारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड नहीं करेगी और न ही मीडिया को उपलब्ध कराएगी।

एसओजी ने सत्य सांई यूनिवर्सिटी सहित पांच ठिकानों पर मारे छापे

पीटीआई भर्ती-2022 में फर्जी डिग्रियों से नौकरी हासिल करने का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती-2022 में फर्जी डिग्रियों के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने मध्यप्रदेश के भोपाल और सीहोर में बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी की टीमों ने बुधवार को श्रीसत्य सांई यूनिवर्सिटी के कैंपस सहित पांच ठिकानों पर छापेमारी कर दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। यह कार्रवाई गुरुवार को भी जारी रही।

एसओजी के अनुसार पीटीआई भर्ती-2022 में चयनित 67 अभ्यर्थियों के पास श्रीसत्यसाईं यूनिवर्सिटी की बीपीएड डिग्री पाई गई है। इनमें से 40 अभ्यर्थियों ने आवेदन के समय किसी अन्य विश्वविद्यालय की डिग्री दर्शाई थी, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के दौरान सत्यसाईं यूनिवर्सिटी की डिग्री प्रस्तुत की। इन सभी 67 अभ्यर्थियों के रिकॉर्ड जब्त कर जांच की जा रही है।

- **एसओजी के अनुसार पीटीआई भर्ती-2022 में चयनित 67 अभ्यर्थियों के पास श्रीसत्यसांई यूनिवर्सिटी की बीपीएड डिग्री पाई गई है। इनमें से 40 अभ्यर्थियों ने आवेदन के समय किसी अन्य विश्वविद्यालय की डिग्री दर्शाई थी, परंतु दस्तावेज सत्यापन के दौरान सत्य सांई यूनिवर्सिटी की डिग्री प्रस्तुत की। इन सभी 67 अभ्यर्थियों के रिकॉर्ड जब्त कर जांच की जा रही है।**
- **एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि फर्जी डिग्री की शिकायतों पर अब तक करीब 300 लोगों के खिलाफ पांच अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं।**

एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि फर्जी डिग्री की शिकायतों पर अब तक करीब 300 लोगों के खिलाफ पांच अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं।

जांच में सामने आया है कि सत्यसाईं यूनिवर्सिटी की ओर से बड़ी संख्या में फर्जी डिग्रियां जारी की गईं। यूनिवर्सिटी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में गंभीर हेराफेरी पाई गई है।इसी कड़ी में एसओजी ने जयपुर कोर्ट से सर्च वारंट लेकर लगभग 40 अधिकारियों की टीम को मध्यप्रदेश भेजा। स्थानीय पुलिस की सहायता से टीमों ने सीहोर स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस, भोपाल के अरेरा कॉलोनी स्थित कपूर हाउस, यूनिवर्सिटी प्रबंधन के सीए के कार्यालय व निवास तथा गांधीनगर स्थित आरकेडीए परिसर में छापेमारी की। फॉरेंसिक अकाउंटिंग और ऑडिटिंग विशेषज्ञों की मदद से यूनिवर्सिटी के एडमिशन, फीस और परीक्षा से जुड़े डाटा की भी जांच की जा रही है।

एसओजी की जांच में खुलासा हुआ है कि कई कॉलेजों ने अधिकृत काउंसलिंग प्रक्रिया के बिना ही बीपीएड कोर्स में प्रवेश दे दिए। कुछ कॉलेजों में बिना मान्यता के कोर्स संचालित किए गए।

ग्रेजुएशन में 50 प्रतिशत से कम अंक वाले अभ्यर्थियों को भी प्रवेश दिया गया और कई मामलों में बैक डेट में डिग्रियां जारी की गईं।

जांच में यह भी सामने आया है कि कई अभ्यर्थी कॉलेज गए बिना ही डिग्री हासिल कर गए। पीटीआई भर्ती में फर्जी डिग्री जारी करने के मामले में राजगढ़ (चूरू) की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी और शिकोहाबाद की जेएस यूनिवर्सिटी की मान्यता पहले ही रद्द की जा चुकी है। अन्य विश्वविद्यालयों की डिग्रियों की जांच एसओजी द्वारा जारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज होंगे सरस्वती वंदन, युवा संवाद और मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक में शामिल

विद्यार्थियों को देंगे निःशुल्क साइकिल और ट्रांसपोर्ट वाउचर समेत कई सौगातें

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर जयपुर के कॉमर्स कॉलेज में सरस्वती वंदन, युवा संवाद और मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) में शिरकत करेंगे। इस दौरान शर्मा विद्यार्थियों को कई सौगातें देंगे। कार्यक्रम में छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण किया जाएगा। साथ ही, विद्यार्थियों को ट्रांसपोर्ट वाउचर सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राशि का हस्तांतरण किया जाएगा। इस दौरान राज्यभर में लाखों विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना की जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों में मेगा पीटीएम का यह आयोजन अब तक का सबसे बड़ा शैक्षिक सहभागिता कार्यक्रम होगा। इसमें अभिभावक अपने बच्चों के शैक्षिणक, सह-शैक्षिणक एवं सर्वांगीण विकास से संबंधित जानकारी शिक्षकों से साझा मंच पर प्राप्त करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हाल ही में, 1 लाख भर्तियों का परीक्षा कैलेण्डर जारी किया गया है, वहीं अब तक 1 लाख से अधिक युवाओं को विभिन्न सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। साथ ही, राज्य सरकार ने युवा नीति-2026, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं रोजगार नीति-2026 भी जारी की है।

भ्रष्ट और अनुशासनहीन लोक सेवकों के विरूद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सख्त कार्रवाई

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अभियोजन स्वीकृति, 17-ए, अनिवार्य सेवानिवृत्ति एवं विभागीय जांच के 24 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए दोषी कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की है।

शर्मा ने लोक सेवकों द्वारा पद एवं शक्तियों का दुरूपयोग कर अनैतिक लाभ प्राप्त करने के दो प्रकरणों में एक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के विरूद्ध धारा-19 भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत अभियोजन स्वीकृति जारी की है। इसी प्रकार सार्वजनिक निर्माण विभाग के 03 अधिकारियों द्वारा संवेदक के साथ मिली-भगत कर सड़क निर्माण कार्य में अवैध लाभ पहुंचाने के आरोप में धारा 13 (1) (डी) एवं धारा 13 (2) के अंतर्गत अभियोजन स्वीकृति जारी की गई है।

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर राजकीय भूमि की निजी व्यक्ति के पक्ष में खातेदारी प्रदान करने की गंभीर शिकायत पर राजस्थान प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी के विरूद्ध धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच के लिए पूर्वानुमोदन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958, के तहत संचालित वृहद शास्ति के प्रकरणों में 4 अधिकारियों द्वारा की गई नियम विरूद्ध कार्यवाही करने पर वार्षिक वेतन वृद्धि रोककर दण्डित किया है। सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 5 जांच प्रकरणों में पेंशन रोके जाने की शास्ति लगाई गई है, जिसमें दो सेवानिवृत्त अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने से राज्य सरकार को कारित भारी आर्थिक हानि एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने के दृष्टिगत शत-प्रतिशत पेंशन रोके जाने का आदेश दिया गया है।

वहीं, सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध 4 प्रकरणों में प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन करते हुए प्रस्ताव राज्यपाल को प्रेषित किए गए हैं।

सीसीए नियम-16 में विभिन्न आरोपित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत पुनरावलोकन याचिकाओं में से 4 याचिकाएं खारिज की गई हैं तथा अनिवार्य सेवानिवृत्ति के एक प्रकरण में अपील को अस्वीकार करते हुए पूर्व निर्णय को यथावत रखा गया है।

सरकार की नीति और योजनाओं की आमजन तक पहुंच के लिए प्रभावी संप्रेषण जरूरी : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कहा कि आमजन तक राज्य सरकार की योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित सूचनाओं के बेहतर संप्रेषण के लिए सभी विभागों को प्रचार-प्रसार के लिए बदलते तरीकों पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि परंपरागत तरीकों के अलावा सोशल मीडिया के नए टूल्स के साथ राज्य सरकार की योजनाओं और नीतियों को आम जनता का प्रभावी तरीके से पहुंचा जा सकता है। वी.श्रीनिवास गुरुवार को सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में सभी विभागों के आला अधिकारियों के साथ आयोजित कार्यशाला रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म और इन्फॉर्म को संबोधित कर रहे थे।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवालय में सभी विभागों के आला-अधिकारियों के साथ आयोजित कार्यशाला ''रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म और इन्फॉर्म'' को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगातार नवाचार करते हुए आमजन तक बेहतर संप्रेषण के साथ सूचनाओं पहुंचाई जा रही है। विभाग द्वारा हाल ही आर्मी डे परेड, रोजगार कैलेंडर और रोड सेफ्टी वीडियो को लाखों लोगों ने देखा ओर शेयर भी किया। राज्य सरकार के निर्देशन में यह कार्यशाला केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एवं राज्य सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

सचिव, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय संजय जाजू ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रभावी संप्रेषण के अनुभवों को साझा करते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयोगों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सूचनाएं आसान शब्दों में, महत्वपूर्ण जानकारी के साथ, विश्वसनीयता और भावनात्मक अपील के साथ संप्रेषित की जानी चाहिए। जाजू ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी विज्ञापन अभियान जीएसटी बचत उत्सव सरल और आसान शब्दों में था, इसलिए आम लोगों को बहुत रास आया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक खबरों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के टूल्स का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए।

पत्र सूचना कार्यालय की महानिदेशक अनुपमा भटनागर में इफेक्टिव गवर्नमेंट कम्युनिकेशन पर प्रस्तुति करने देते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए गए नवाचारों को साझा किया। वहीं प्रिंसिपल डायरेक्टर जनरल, एमएमडब्ल्यू एंड ईएमएमसी बी. नारायणन ने प्लेटफॉर्म स्पेसिफिक कम्युनिकेशन प्रजेंटेशन के जरिए सोशल मीडिया के जरिए आम जनता तक सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को पहुंचाने पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में हुए इंटरएक्टिव सेशन में विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, संयुक्त शासन सचिव सहित अन्य अधिकारियों ने बेहतर कम्युनिकेशन के लिए सुझाव भी रखे और अनुभव भी साझा किए।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के शासन सचिव संदेश नायक ने कहा कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग कार्यशाला में सुझाए तरीकों को अपनाकर राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी योजना बनाकर काम करेगा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने विभाग द्वारा किए गए नवाचारों की संक्षिप्त जानकारी दी और सोशल मीडिया द्वारा किए जा रहे प्रयोगों की जानकारी दी।

खाली प्लॉट की खरीद पर लगाया जीएसटी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बगरू विस्तार फेज द्वितीय में नीलामी के बाद सफल बोलीदाता के पक्ष में डिमांड लेटर जारी करने के दौरान संबंधित प्लॉट पर जीएसटी लगाने पर रीको को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि यदि याचिकाकर्ता जीएसटी राशि को छोड़कर मूल राशि जमा कराता है तो ई-नीलामी को रद्द नहीं किया जाए। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश आशीष गर्ग की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता अक्षत शर्मा ने अदालत को बताया कि रीको ने बगरू विस्तार फेज द्वितीय औद्योगिक क्षेत्र में प्लॉट बेचान के लिए ई-नीलामी आयोजित की थी। जिसमें याचिकाकर्ता ने भाग लिया और सबसे अधिक ऊंची बोली लगाने के बाद उसे सफल घोषित किया गया। वहीं गत 3 सितंबर को उसे शेष राशि जमा कराने का डिमांड नोटिस जारी किया गया। याचिका में कहा गया कि इस डिमांड नोटिस में रीको ने मूल राशि के साथ-साथ जीएसटी राशि भी जमा कराने को कहा।

चयन प्रक्रिया जारी रखने पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य टीबी भर्ती-2021 की चयन प्रक्रिया आगे जारी रखने पर रोक लगा दी है। अदालत ने मामले में आरपीएससी से जवाब तलब किया है। अदालत ने कहा कि याचिका में दिया जाने वाला फैसला भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को प्रभावित करेगा। ऐसे में चयनित अभ्यर्थियों को भी पक्षकार बनाया जाए। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. अमित शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरके माथुर ने बताया कि आरपीएससी ने 27 नवंबर, 2021 को सहायक आचार्य टीबी एंड चेस्ट के पदों पर भर्ती निकाली थी। विज्ञापन के अनुसार यदि अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होती है तो केवल साक्षात्कार के बजाए लिखित परीक्षा भी होगी।

अमित शाह ने किया पतंजलि इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हास्पिटल का लोकार्पण

पतंजलि के सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल में हो सकेंगी हार्ट, ब्रेन व स्पाइन की सर्जरी

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ की ओर से संचालित विश्व के प्रथम इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम तथा योग, आयुर्वेद व आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का वैश्विक केंद्र पतंजलि इमरजेंसी एवं क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया।

उन्होंने स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण से अस्पताल के निरीक्षण के दौरान कहा कि यह हॉस्पिटल विश्व का प्रथम हाइब्रिड अस्पताल बन गया है। देश और दुनिया के अस्पताल अब इसका अनुसरण करेंगे। पतंजलि का यह अस्पताल समस्त

- **स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने कहा ''पतंजलि गैर जरूरी दवा, गैर जरूरी ऑपरेशन व गैर जरूरी टेस्टिंग का विरोधी है।''**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पतंजलि के अस्पताल का लोकार्पण किया।

भारत के नागरिकों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हास्पिटल का निरीक्षण भी किया और इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम की इस पहल को सराहा।

उद्घाटन अवसर पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव ने कहा कि यहाँ हम 90 से 99 प्रतिशत लोगों को योग, आयुर्वेद, नेचुरोपैथी, पंचकर्म, षट्कर्म, पंच महाभूत चिकित्सा, मेडिकेटिड वाटर व फूड, उपवास, उपासना से ठीक करेंगे। कहा कि बीमारियों के मुख्य कारण-स्ट्रेस, इंफ्लामेशन तथा शरीर का अशुद्धिकरण है। पतंजलि में शिरोधारा, अक्षी तर्पण, कर्ण पूर्ण, नस्य, अभ्यंग, शंख प्रक्षालन, कोलोन थैरेपी, 100 से ज्यादा प्रकार की बस्ती आदि से शरीर का शुद्धिकरण करते हैं।

स्वामी रामदेव ने कहा कि हमने इस हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी विभाग में हृदय रोगियों के लिए एंजियोप्लास्टी, बायपास सर्जरी व पेसमेकर की व्यवस्था की है लेकिन हमारा प्रयास है कि 90 से 99 प्रतिशत लोगों को इनकी आवश्यकता न पड़े। यहाँ हम उन्हीं की सर्जरी करेंगे, उन्हीं को पेसमेकर व स्टंट लगायेंगे जो अपने को किसी सूरत में रिकवर नहीं कर पा रहे हैं। हमारा प्रयास रहता है कि हृदयामृत, कार्डियोग्रिट, अर्जुन की छाल, दालचीनी, लौकी के जूस का प्रयोग कर इजेक्शन फ्रेक्शन को बढ़ाया जा सके, हार्ट ब्लॉकेज को प्राकृतिक तरीकों से रिवर्स किया जा सके। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि पतंजलि हॉस्पिटल में 24 घंटे इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेवाएँ संचालित रहेंगी। इसमें 24 घंटे कार्यरत आधुनिक इमरजेंसी विभाग, इमरजेंसी मेडिसिन विभाग, ट्रॉमा केयर यूनिट, हाई-एंड एवं वेंटिलेटर सपोर्ट, क्रिटिकल केयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध रहेंगी। इस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी विभाग के अन्तर्गत कैथ लैब, कोरोनरी एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंट प्रत्यारोपण, पेसमेकर एवं इम्प्लांट, की सुविधा रहेगी जबकि न्यूरो सर्जरी विभाग के अन्तर्गत ब्रेन एवं स्पाइन की सर्जरी भी संचालित की जा सकेंगी। साथ ही अस्थि रोगों के लिए ऑर्थोपेडिक विभाग में जॉइंट रिप्लेसमेंट (घुटना, कूल्हा) एवं फ्रैक्चर एवं ट्रॉमा सर्जरी, जनरल सर्जरी विभाग के अन्तर्गत लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, गॉल ब्लैडर, अपेंडिक्स, लिवर एवं पैंक्रियास सर्जरी, लेज़र सर्जरी एवं डायबिटिक फुट ट्रीटमेंट की सुविधा रहेगी। स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग में सामान्य एवं सी-सेक्शन डिलीवरी के साथ-साथ लेप्रोस्कोपिक एवं ओपन सर्जरी की भी व्यवस्था है। नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस यूनिट में हेमोडायलिसिस सिस्टम भी उपलब्ध है।

खोया पाया

मेरे (श्रीमती ग्रेसी (पी.जे.) मकान 50/168 मानसरोवर जयपुर का Allotment Letter, अदेय प्रमाण पत्र, पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता के पंजीयन नियमितिकरण अदेय प्रमाण-पत्र एवं अन्य प्रपत्र कहीं खो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें 9414261789

मेरे प्लॉट नं.250 अशोक विहार, जगतपुरा जयपुर मूल इकरारनामा विमला देवी से मांगूराम के नाम का कही गुम हो गया मिलने पर संपर्कः पिस्ता देवी 9772978932

प्लॉट नं.- ई-15 कृष्णा कृपा जगतपुरा जयपुर की मुल लीज - डीड पट्टा कही खो गए है मिलने पर सूचित करें। 9413804290

महेश पारीक जी के नाम से एल.आई.सी. का अलॉटमेंट लेटर कहीं गुम हो गया है जिसका एप्लीकेशन नं.-7486 है। मिलने पर निम्न मोबाइल पर सूचित करें। 9414076395

नाम परिवर्तन

मैं रामकृष्ण शर्मा पुत्र श्री बिरदी चंद शर्मा निवासी रामसागर की ढाणी पोस्ट बीलवा तहसील सांगानेर रामपुरा जयपुर-302022 (राज) मेरे डॉक्यूमेंट दसवीं की मार्कशीट में गलती से नाम रामकृष्णा शर्मा हो गया। इसे बदलकर मुझे रामकृष्ण करवाना चाहता हु। मुझे भविष्य मै इसे ही जाना जाएं।

मैने अपना नाम Mohammed Azazuddin & Azazuddin से बदलकर Ajajudeen पुत्र अब्दुल करीम रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। निवासी- 3589, नींदड़ राव जी का रास्ता, तीसरा चौराहा, चांदपोल बाजार, जयपुर

मैं विंध्याचल चौहान पुत्र सेना नंबर 15164290L हवलदार (Gnr) राम दुलार चौहान, ग्राम-बड़नपुर , पो-गुरैनी, तहसील-जखनियाँ, जिला- गाजीपुर, उत्तर प्रदेश , 275205. मेरे बेटे के सेवा अभिलेख में मेरा नाम बिन्ध्याचल चौहान दर्ज है । जबकि मेरा सही नाम विंध्याचल चौहान है । एवम मेरा जन्मतिथि 01-07-1965 है । जो की गलत है । सही जन्म तिथि 01-01-1953 है।

मै जमुंदरी देवी माता सेवा नंबर 15164290L हवलदार (Gnr) राम दुलार चौहान, ग्राम- बड़नपुर, पो- गुरैनी, तहसील- जखनियाँ, जिला- गाजीपुर, उत्तर प्रदेश-275205 मेरे बेटे के सेवा अभिलेख में मेरा नाम जमुनादरी देवी दर्ज है। जोकि ग़लत है। जबकि मेरा सही नाम जमुंदरी देवी है। एवम मेरी जन्मतिथि 01-01-1955 है।

मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम वारिस खान VARIS KHAN है एवं मेरे पासपोर्ट में नाम है। दोनों नाम मेरे ही है अब मुझे VARISH KHAN से ही पुकारा जावे। वारिस खान VARIS KHAN पुत्र अलाउद्दीन, निवासी कानसीर, तहसील व जिला सवाईमाधोपुर

मै दिलशाद अहमद, निवासी 1/130 आजाद नगर घाट की घुनी, जवाहर नगर, जयपुर, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे बेटे (Shezan Ahmed) के डॉक्यूमेंट्स में मेरा नाम गलती से दिलशाद खान लिखा गया है, जबकि मेरा सही नाम Dilshad Ahmed है। जैसा कि राजस्थान गजट में दर्ज है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

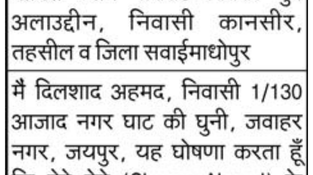

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

NOTICE

Ashwani Garg Passport No. Y3746977 S/o Mr. Trilok Chand Gargand smt. Saroj garg near kapil muni mandir ward no. 10 kalayatdist. Kaithal Haryana/ near mahendra campus ward no 13 kathmandu Nepal. Manju poddar passport no. PA0968353 D/o Sushil kumar poddar And smt. Usha devi poddar ward no. 7 biratnagar morang in Nepal have got marriedAt hotel yak & yeti durbar marg Kathmandu date of marriage Thursday 9 feb 2023 as Per indian traditions since then we have living as husband and wife. We have published This notice for registration of our marriage at embassay of india Kathmandu. If anyone has Any objection to the marriage he/ she can contact +977-9851107021 and embassy of india Kathmandu on cons.kathmandu@mea.gov.in

विवाद्यको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा
जिला कोटपूतली-बहरोड़, (राजस्थान)
कैलाश चन्द बनाम अनिता यादव व अन्य
वाद बाबत तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या 153 सन् 2025

2/1 सुमित्रा पत्नी रामकरण
1. अरूण पुत्र रामकरण
[illegible]

उपखण्ड अधिकारी, पावटा (कोटपूतली-बहरोड़)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1188 चूंकि प्रार्थी श्री DHARMENDRA KUMAR JAIN, 261/150, KUMBHA MARG, NEAR N.R.I. CIRCLE, PRATAP NAGAR, SANGANER, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री 1008 आदिनाथ जैन सेवा समिति, 171/59, KUMBHA MARG, PRATAP NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01/04/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1210 चूंकि प्रार्थी श्री VINAY CHAND KOTHARI, 101/3 JLN MARG JAWAHAR NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास कानमल कोठारी मेमोरियल ट्रस्ट, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02/04/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1209 चूंकि प्रार्थी श्री SISTER LOVITA JOSEPH, 401, SOPHIA GIRIS COLLEGE MIRSHAHALI JAIPUR ROAD AJMER ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास [illegible] सोसायटी जयपुर, ST.ANGELA SOPHIA SCHOOL, OUTSIDE GHAT GATE JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02/04/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी जयपुर)
क्रमांकः- एफ-55 () वि.जोन/ ज.न.नि./2025/3509 दिनांकः- 22.01.26

सार्वजनिक सूचना

भूखंड सं. 3, कल्याण कुंज, झोटवाड़ा जयपुर (शिल्पाचार्य विश्वकर्मा गृह.नि.स.स) का श्रीमती गोमती देवी पत्नी श्री रामगोपाल के नाम से दिनांक 01.05.1986 क्षेत्रफल 500 वर्गगज का मूल आवंटन किया गया था। प्रकरण में मूल आवंटी की मृत्यु [illegible]

आम सूचना

[illegible] अमिता अग्रवाल पत्नी श्री चन्द्रभान गुप्ता के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की पत्नी अर्थात श्रीमती अमिता अग्रवाल पत्नी श्री चन्द्रभान गुप्ता के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि मे अद्योहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरूद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
जयपुर (श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
दिनांक-22/1/26 6/48, मालवीय नगर, जयपुर, मो-9829218044

DEPARTMENT OF VISUAL ARTS, UCSSH
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR
Email: visualartucssh@gmail.com Website: www.mlsu.ac.in

NOTICE INVITING BID

No. UCSSH/VA/MLSU/2026/8642 Date 21.01.2026

Online Tenders are invited on or before 01.02.2026 till 06:00 PM from reputed firms for ***Supply, Installation, and Commissioning of Furniture and Easels For Drawing & Painting.*** Other details can be downloaded from the websites https://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in or www.mlsu.ac.in

NIB Code & UBN NO:	
SUU2526A0058	SUU2526GLOB00130

Head, Department of Visual Arts,UCSSH, MLSU

अशोक गहलोत पेपर लीक व ओएमआर घोटालों की जिम्मेदारी से नहीं बच सकते : राजेन्द्र राठौड़

'गहलोत सरकार के समय भी एसओजी थी, कानून था और स्वयं गहलोत मुख्यमंत्री थे, लेकिन पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति नहीं थी'

- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ट्वीट पर पलटवार करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने निशाना साधा

जयपुर (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ट्वीट पर पलटवार करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि गहलोत का यह बयान स्वयं इस बात की स्वीकारोक्ति है कि उनके शासनकाल में ओएमआर शीट घोटालों से लेकर पेपर लीक तक की गंभीर घटनाएं हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान युवाओं के सपनों और उनके भविष्य की खुलेआम बोली लगाई गई और उन्हें ठगने का काम किया गया।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2018 से 2023 के बीच, जब अशोक गहलोत स्वयं कांग्रेस सरकार के मुखिया थे, तब उनकी नाक के नीचे 19 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दी। उस समय विपक्ष में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी ने सड़क से लेकर सदन तक पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ आंदोलन किए और अंततः जनता ने कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने पेपर लीक के साथ-साथ नेटबंदी का भी रिकॉर्ड बनाया, इसके बावजूद भर्ती परीक्षाओं को पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने में वह पूरी तरह असफल रही।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में सामने आया ओएमआर शीट घोटाला भी उन्हीं भर्तियों से जुड़ा है जो गहलोत सरकार के कार्यकाल में संपन्न हुई थीं। लैब असिस्टेंट भर्ती परीक्षा 3 फरवरी 2019 को, कृषि सुपरवाइजर परीक्षा 3 मार्च 2019 को और महिला सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा 16 जनवरी 2019 को हुई थी। इन तिथियों से साफ है कि यह घोटाला कांग्रेस शासन के दौरान ही हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि एसओजी द्वारा पकड़े गए आरोपी पांच वर्षों तक कर्मचारी चयन बोर्ड में कैसे पदस्थापित रहे, इस पर गहलोत क्यों चुप हैं?

राठौड़ ने कहा कि गहलोत सरकार के समय भी एसओजी थी, कानून था और स्वयं गहलोत मुख्यमंत्री थे, लेकिन पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति का घोर अभाव था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय प्रशासन को पंगु बनाकर रखा गया, जबकि वर्तमान भजनलाल सरकार ने एसओजी को पूरी स्वतंत्रता दे रखी है।

उन्होंने भजनलाल सरकार की सराहना करते हुए कहा कि सरकार बनते ही पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ अभियान चलाया गया, एसआईटी का गठन किया गया, 138 एफआईआर दर्ज की गईं और 394 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

अंत में राठौड़ ने कहा कि गहलोत को भाजपा सरकार पर भ्रामक आरोप लगाने के बजाय अपने शासनकाल की विफलताओं और पेपर माफियाओं को दिए गए संरक्षण की सच्चाई जनता के सामने रखनी चाहिए। उन्होंने दो टूक कहा कि भाजपा सरकार की नीयत साफ है-चाहे पेपर लीक हो या ओएमआर शीट घोटाला, दोषी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा और युवाओं के भविष्य से किसी भी कीमत पर खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

शादी से इनकार पर युवती को मौत के घाट उतारा

जयपुर । शास्त्री नगर इलाके में स्थित नेहरु नगर में एक युवती को अपने मामी -ससुर के बेटे को शादी करने से इनकार करना काफी भारी पड़ गया। एक तरफा प्रेम में पागल युवक ने युवती की चाकू से गोद कर उसकी हत्या कर दी। हत्या की जानकारी मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर भेजा।

पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नेहरु नगर निवासी पूनम (23) के पति की करीब चार पहले बिमारी के चलते मौत हो गई थी। जिसके बाद पीड़िता घरों में बर्तन-पौछा करने अपनी आजीविका चला रहा थी। पूनम के मामी -ससुर का लड़का अनिल पति की मौके बाद से उसके पीछे पड़ा हुआ और आए दिन शादी करने का दबाव बना रहा था। गुरुवार शाम को शादी की बात को लेकर पूनम और अनिल का झगड़ा हो गया। इसी दौरान आवेश में आए अनिल ने चाकू से ताबडतोड़ वार कर पूनम को मौत के घाट उतार दिया और मौके से फरार हो गया।

सार-समाचार

जेकेके में सूफियाना कव्वाली आज

जयपुर । स्वागत जयपुर फाउंडेशन और पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर की सहभागिता में शुक्रवार को गुणीजन संगीत समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम वरिष्ठ कलाविद् एवं कला समीक्षक श्रीगोपाल पुरोहित व वरिष्ठ ध्रुवपद गायक उस्ताद सईददीन खां डागर की स्मृति में जवाहर कला केंद्र के कृष्णायन सभागार में शाम 6:15 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम गुणीजन के रंग सूफियाना कलामों के संग में जयपुर के प्रसिद्ध कव्वाल हमीद साबरी अपने साथियों के साथ मिलकर सूफियाना कलामों का गुलदस्ता सजाएंगे। फाउंडेशन चेयरमैन इकबाल खान ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता राजस्थान उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ.सैयद हबीर्बुरहमान नियाजी करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ.एलसी भारतीय और रत्न व्यवसायी संजय काला और आकाशवाणी की पूर्व सहायक केंद्र निदेशक रेशमा खान भी शिरकत करेंगी इस मौके पर श्रीगोपाल पुरोहित लेखन अवॉर्ड डॉ.सैयद हबीर्बुरहमान नियाजी को और कला अवॉर्ड वरिष्ठ कलाकार हामिद खान कावा और संगीत रचनाकार दीपक माथुर को दिया जाएगा। साथ ही कथक की सेवाओं के लिए कथक नृत्यांगना स्वाति अग्रवाल को भी नवाजा जाएगा।

नीता अंबानी ने की शिरकत

जयपुर । हमारी फाउंडर चेयरपर्सन, नीता अंबानी ने नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के 75वें फाउंडेशन डे में शिरकत की। जो एन.ए.बी. इंडिया के साथ रिलायंस फाउंडेशन दृष्टि की सार्थक पार्टनरशिप के 22 साल पूरे होने का प्रतीक है। यह एक साझा सफर है जो आज तक 22 हजार से ज़्यादा लोगों को देखने की शक्ति देकर उनकी ज़िंदगी बदल रहा है; और उन्हें उम्मीद, सम्मान और आज़ादी से भरी ज़िंदगी जीने के लिए सशक्त बना रहा है।

न्यूट्रिलाइट बायोटिन सी प्लस लॉन्च

जयपुर । आज के तेज़-रफ्तार जीवन में देर रात तक जागने की आदत, बढ़ते तनाव और पोषक तत्वों की कमी वाले आहार के कारण, स्वस्थ दिखने वाले बाल, त्वचा और नाखून भी अपनी प्राकृतिक चमक और मजबूती खो सकते हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ता भीतर से सुंदरता की अवधारणा वाले उत्पादों को अपना रहे हैं, स्वास्थ्य और वेलनेस के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने न्यूट्रिलाइट बायोटिन सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) लॉन्च किया है- जो एक वैज्ञानिक रूप से तैयार न्यूट्रास्युटिकल है जिसमें भीतर से स्वस्थ बालों, त्वचा और नाखूनों को सहारा देने वाले तत्व शामिल हैं। इसे बायोटिन से परे फ़ॉर्मूलेशन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह उत्पाद केवल एकल-घटक सप्लीमेंट तक सीमित न रहकर बायोटिन, विटामिन सी और जिंक जैसे तीन आवश्यक पोषक तत्वों का 100 प्रतिशत अनुशंसित आहार मात्रा (आरडीए) प्रदान करता है, साथ ही बीटा कैरोटीन भी शामिल करता है। यह जानकारी एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने दी है।

मिलने बुलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर । चाकसू थाना इलाके में विवाहिता के इंस्टाग्राम पर अनजान युवक से दोस्ती करना भारी पड़ गया। अनजान युवक ने विवाहिता को झांसे में लेकर अकेले में मिलने बुलाया और डरा -धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया। लेकिन पुलिस ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना पर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि 25 वर्षीय विवाहिता ने मामला दर्ज कराया था कि आरोपी युवक से उसकी कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। जिसके बाद दोनो एक -दूसरे को मैसेज करने लगे। आरोपी इस्टाग्राम फ्रेंड ने पीड़िता को मिलने का झांसा देकर जयपुर बुलाया और उसके अकेलपन का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के चुगंल से मुक्त होने के बाद पीड़िता घर पहुंची और मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी। गुस्साए परिजनों ने पीड़िता को थाने ले जाकर आरोपी इस्टाग्राम दोस्त के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। जिसके बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को दबोच लिया।

स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 6.12 ग्राम अवैध स्मैक तथा तस्करी में प्रयुक्त एक आईफोन-16 प्रो जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि पुलिस कमिश्नर जयपुर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन तथा विशेष पुलिस कमिश्नर (ऑपरेशन्स) राहुल प्रकाश के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त अपराध अभिजीत सिंह ने बताया कि सीएसटी की टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई कर खनिया बंधा गोनेर रोड क्षेत्र से आरोपी रोहित सांसी (22) निवासी ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 6.12 ग्राम अवैध स्मैक तथा तस्करी में प्रयुक्त एक आईफोन-16 प्रो भी बरामद किया है।

मासूम से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

जयपुर । रामनगरिया पुलिस ने 12 साल की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म कर फरार होने वाले शातिर बदमाश को हरियाणा से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। बताया जा रहा है कि आरोपी नाबालिंग बच्ची को सड़क पर अकेला खेलता देख उसका मुंह दबाकर उठा कर ले गया और सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। परिजन जब उस ढूंढते हुए पहुंचे तो आरोपी नाबालिग को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस पुलिस ने आरोपी की तलाश करते हुए उसे हरियाणा से दबोच लिया। डीसीपी (ईस्ट) संजीव नैन ने बताया कि रामनगरिया इलाके में रहने वाली महिला ने मामला दर्ज कराया था कि 23 नवम्बर को सुबह उनकी नाबालिग बेटी कोई चीज खरीदने के लिए घर से निकली थी। रोड पर अकेला पाकर 59 वर्षीय व्यक्ति ने 12 साल की बेटी के साथ रेप किया। परिजनों के ढूंढते हुए कमरे पर पहुंचने पर नाबालिग को छोड़कर आरोपी वहां से भाग निकला। जिसके बाद आरोपी जयपुर छोड़ हरियाणा भाग गया और बार-बार अपना ठिकाना बदल कर फरारी काटता रहा। पुलिस ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना पर पॉस्को एक्ट के तहत आरोपी को हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार कर लिया।

'अब वादे नहीं, सीधे खाते में सम्मान'

जयपुर । जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और राज्य की मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना मिलकर किसानों की आय बढ़ाने की मजबूत ढाल बनी हैं। अब भाजपा सरकार है इसलिए अब किसानों से वादे नहीं बल्कि उनके खातों में सीधे सम्मान पहुंच रहा है। हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर में गुरुवार को आयोजित मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की पांचवीं किश्त किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से हस्तांतरित कर दी है। इससे छोटे और सीमांत किसानों को सीधा आर्थिक संबल मिला है। इससे सिद्ध हो गया है कि भाजपा सरकार किसानों के कल्याण को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार का लक्ष्य है कि किसान आत्मनिर्भर बने और खेती घाटे का सौदा नहीं, बल्कि सम्मानजनक आजीविका बने। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, किसान संगठनों के पदाधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक रीढ़ हैं और उनकी आय बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है।

महिन्द्रा ने लॉन्च की बोलेरो कैंपर और बोलेरो पिक-अप की रैंज

बोलेरो पिक-अप में अब एयर कंडीशनिंग और हीटर की सुविधा मिलेगी

जयपुर । देश के नंबर-1 पिकअप ब्रांड बोलेरो पिकअप की निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लि. ने गुरूवार को बोलेरो कैंपर और बोलेरो पिक-अप रेंज के अपडेटेड वर्ज़न लॉन्च किए। इन नए मॉडलों में आकर्षक नया फ्रंट डिज़ाइन, बेहतर आराम और सुविधा के लिए कई उपयोगी फीचर्स, तथा चुनिंदा वेरिएंट्स में "आईमैक्स" कनेक्टेड टेक्नोलॉजी शामिल की गई है।

जानकारी के मुताबिक नया बोलेरो कैंपर उन्नत "आईमैक्स" टेलीमैटिक्स सॉल्यूशन से लैस है, जो रियल-टाइम वाहन जानकारी प्रदान करता है और बेहतर परिचालन दक्षता एवं स्मार्ट फ्लीट मैनेजमेंट में सहायक है। इसके साथ ही वाहन को नया आकर्षक लुक दिया गया है, जिसमें नए डेकल्स, बॉडी-कलर्ड ओआरवीएम और डोर हैंडल शामिल है। आराम के लिहाज़ से इसमें रियर सीट हेडरेस्ट, एयर कंडीशनिंग और हीटर की सुविधा दी गई है। इसके अलावा ब्लूटूथ कॉलिंग के साथ म्यूज़िक सिस्टम भी उपलब्ध है। सभी वेरिएंट्स में अब स्टैंडर्ड फीचर्स के रूप में रीक्लाइनर ड्राइवर सीट (हेडरेस्ट सहित), चौड़ी को-ड्राइवर सीट, सेंट्रल लॉकिंग, रियर सीट बेल्ट, हीटर और एयर कंडीशनिंग सिस्टम शामिल किए गए हैं, जो हर वेरिएंट में बेहतर ड्राइविंग अनुभव सुनिश्चित करते है। इसी प्रकार नए बोलेरो पिक-अप में नया फ्रंट डिज़ाइन, हेडरेस्ट के साथ रीक्लाइनिंग ड्राइवर सीट और अतिरिक्त आराम के लिए चौड़ी को-ड्राइवर सीट दी गई है। अब इसमें हीटर और एयर कंडीशनिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे हर मौसम में ड्राइविंग अनुभव और अधिक आरामदायक हो गया है।

बोलेरो कैंपर की शुरूआती कीमत 9.85 लाख से 10.49 लाख रुपए तक है, जबकि बोलेरो पिक-अप की कीमत 9.19 लाख रु. से 9.99 लाख रुपए तक रखी गई है।

विद्युत निगमों में तकनीशियन की मुख्य परीक्षा 23 फरवरी को

जयपुर । राजस्थान राज्य के विद्युत निगमों में तकनीशियन-तृतीय (आईटीआई)/ऑपरेटर-तृतीय (आईटीआई)/ प्लांट अटेंडेन्ट-तृतीय (आईटीआई) के कुल 2163 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाईन मुख्य परीक्षा का आयोजन राजस्थान के विभिन्न जिलों के परीक्षा केन्द्रों पर 23 फरवरी को दो पारियों में किया जावेगा।

मुख्य परीक्षा की स्कीम एवं सिलेबस संबंधी सम्पूर्ण जानकारी विद्युत निगमों की वेबसाईट पर अपलोड कर दी गई है। मुख्य परीक्षा की समयावधि 2 घंटे की होगी जिसमें 150 बहुविकल्पीय प्रश्न होगें। गलत उत्तर देने पर निगेटिव मार्किंग का भी प्रावधान है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि पहली बार अभ्यर्थियों का "आधार" से सत्यापन होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की युवाओं को रोजगार प्रदान करने की प्रतिबद्धता अनुसार विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है।

एटीएम मशीन में तोड़फोड़ कर नकदी चुराने का प्रयास

- बदमाशों ने मशीन के सेफ कवर को तोड़ा, नकदी नहीं निकाल पाए

जयपुर । सदर थाना इलाके में एक बदमाश ने एटीएम बूथ में घुसकर कैश चोरी करने का प्रयास किया। बदमाश अपने कपड़ों में औजार छिपाकर लाया था और एटीएम मशीन के सेफ कवर को तोड़ डाला। हालांकि मशीन का ऊपरी शटर क्षितग्रस्त करने के बावजूद वह कैश नहीं निकाल पाया और मौके से फरार हो गया। पूरी वारदात एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना सिविल लाइंस स्थित ऑर्बिट मॉल में लगे केनरा बैंक के एटीएम की है। मामले में बैंक प्रबंधन की ओर से थाना में बुधवार को रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश में जुटी है।

जांच अधिकारी एएसआई हवा सिंह ने बताया कि करणी विहार निवासी अर्चना (51), जो सिविल लाइंस स्थित ऑर्बिट मॉल में केनरा बैंक शाखा की मैनेजर हैं, ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि रविवार को बैंक में अवकाश होने के कारण शाखा बंद थी। सुबह करीब 8:45 बजे एक बदमाश एटीएम बूथ में दाखिल हुआ। बदमाश ने कैश निकालने के बहाने एटीएम मशीन से छेड़छाड़ शुरू की। अपने कपड़ों में छिपाकर लाए औजारों की मदद से उसने मशीन का सेफ कवर और ऊपरी शटर तोड़ दिया, लेकिन नकदी निकालने में सफल नहीं हो सका। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया।

मैनेजर अर्चना ने बताया कि सोमवार सुबह बैंक खुलने पर एटीएम में तोड़फोड़ और चोरी के प्रयास का पता चला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक सबूत जुटाए। एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर बदमाश की पूरी करतूत सामने आई। इसके आधार पर बुधवार शाम को मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की पहचान कर तलाश कर रही है।

फुटपाथ पर पड़ा मिला नवजात शिशु का शव

- मृत बच्चे के शव को फुटपाथ पर रखकर पिता हो गया था शराब के नशे में धुत्त
- पुलिस ने किया मामले का खुलासा

जयपुर (कासं)। लालकोठी थाना इलाके में स्थित रामनिवास बाग के पास एक शराबी पिता अपने नवजात शिशु के शव को फुटपाथ पर रख कर ठेके पर शराब पीने चला गया और नशे में सो गया। फुटपाथ पर शव पड़ा देखकर हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन शुरु की। बताया जा रहा है कि नवजात शिशु के शव पर महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट अस्पताल का टैग लगा मिला। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले का पटाक्षेप किया। बताया जा रहा है कि अलवर के समीप कठूमर निवासी पिता उदय सिंह अपनी पत्नी की डिलवरी करवाने के लिए जयपुर आया था और अपनी पत्नी अनीता को सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां पर अनीता ने मृत बच्चे को जन्म दिया। पिता उदय सिंह अपने अपने एक दोस्त के साथ नवजात के अंतिम संस्कार के लिए आदर्श नगर श्मशान घाट जा रहा था। रास्ते में दोनों ने शराब पी ली और नशे की हालत में नवजात के शव को रामनिवास बाग गेट के पास रखकर वहीं बैठ गए। बाद में नशे के कारण दोनों गार्डन में सो गए और अंतिम संस्कार करना भूल गए। जब लोगों ने खुले में नवजात का शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस जब अस्पताल पहुंची तो पूरा खुलासा हो गया।

रिलायंस डिजिटल की सेल 26 जनवरी तक

मुंबई । रिलायंस डिजिटल ने अपनी बहुपसंदित "डिजिटल इंडिया सेल" की घोषणा की है। इसमें ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेस पर शानदार ऑफर्स दिए गए हैं। यह सेल 26 जनवरी तक चलेगी, जिसमें ग्राहक 26 हजार रुपए तक का इंस्टंट बैंक डिस्काउंट, कंज़्यूमर ड्यूरेबल लोन पर 30 हजार रुपए तक कैशबैक, और पेमेंट पर 5 प्रतिशत अनलिमिटेड डिस्काउंट जैसे सुविधाएं मिलेंगी।

सेल में पॉपुलर आईफोन मॉडल की कीमतों में एमआरपी पर 20 हजार रुपए तका डिस्काउंट, अतिरिक्त बैंक डिस्काउंट और 21 हजार रुपए तक के एक्सचेंज ऑफर्स रहेंगे। आईफोन 15 का 128 जीबी वैरिएंट सिर्फ 49 हजार 990 रुपए से शुरू होगा। इसी प्रकार आईफोन 16 का 128 जीबी वेरिएंट 57 हजार 990 तथा आईफोन 17 का 256 जीबी वेरिएंट 78,900 रूपए से शुरू होगा।

इसी प्रकार एप्पल का मैकबुक एम-2 एयर भी 64,990 रुपए में मिलेगा। जिसमें 4000 रुपए का कैशबैक और 6899 रुपए का माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस भी शामिल है।

इसी प्रकार बड़ी स्क्रीन की टीवी, साउंडबार, होम और किचन अप्लायंसेस, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन समेत अन्य उत्पादों पर भी शानदार ऑफर्स और छूट दी जाएगी।

बदमाश को पकड़ने आई पुलिस गलत घर में घुसी तो हड़कंप मचा

- गलत लोकेशन के कारण हुई भारी गफलत, हालांकि बाद में पुलिस ने पडौसी घर में रह रहे आरोपी को दबोच लिया

जयपुर । जयसिंहपुरा खोर इलाके में बुधवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब एक आरोपी को पकड़ने आई भरतपुर पुलिस की टीम गलती से दूसरे घर में घुस गई। मंकी कैप पहने 4-5 पुलिसकर्मी दीवार और मुख्य गेट कूदकर घर में दाखिल हुए। जिससे परिवार के लोग घबरा गए। घर के एक सदस्य ने उन्हें बदमाश समझकर शोर मचाना शुरू कर दिया। इस पर पुलिसकर्मियों ने खुद को पुलिस बताया।

घटना रात करीब 11:45 बजे जयसिंहपुरा खोर की पंचवटी कॉलोनी की है। भरतपुर पुलिस बिना स्थानीय पुलिस को सूचना दिए लोकेशन के आधार पर आरोपी को पकड़ने पहुंची थी। बाद में सामने वाले मकान में किराए पर रह रहे आरोपी को दबिश देकर पकड़ लिया गया।

थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि पंचवटी कॉलोनी में सरकारी शिक्षक राकेश वर्मा अपने परिवार के साथ रहते हैं। बुधवार रात परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान मंकी कैप पहने चार-पांच लोग दीवार और मुख्य गेट कूदकर घर के अंदर घुस आए।

घर के पोर्च में घूमते हुए उन लोगों को बड़े बेटे ने देख लिया। पूछने पर कोई जवाब नहीं मिला और सभी छिपने लगे। इससे घबराकर बेटे ने शोर मचाया और पूरे परिवार को जगा दिया। अचानक अनजान लोगों के घर में घुसने से परिवार में दहशत फैल गई। घरवालों ने शोर मचाया और डंडों से मारने की बात कही। इस पर उन लोगों ने बताया कि वे पुलिस से हैं और एक अपराधी को पकड़ने आए हैं। लोकेशन के आधार पर गलती से इस घर में आ गए। पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि आरोपी सामने वाले मकान में किराए पर रहता है। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां दबिश देकर फरार आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी पर चेक बाउंस का मामला दर्ज है। थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई भरतपुर जिले के अटल बंध थाना पुलिस द्वारा की गई थी। लोकेशन की गलत जानकारी के कारण पुलिस टीम पड़ोसी के घर में चली गई। डोरबेल नहीं बजने पर दीवार कूदकर अंदर प्रवेश किया गया था। बाद में सही मकान की जानकारी मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

तेज रफ्तार कार ने पिता और पुत्र को कुचला

ठेला लेकर घर लौट रहे पिता की मौत, बेटा गंभीर घायल

जयपुर । सदर थाना इलाके में बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से गोलगप्पे का ठेला लेकर घर लौट रहे पिता-पुत्र हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में पिता की मौत हो गई, जबकि बेटा घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर भागने लगा, लेकिन राहगीरों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

हादसा बनीपार्क क्षेत्र में कबीर मार्ग पर बुधवार रात को हुआ। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पिता-पुत्र को अस्पताल पहुंचाया गया।

थानाधिकारी बृजमोहन कविया ने बताया कि राधाकृष्ण कॉलोनी, निवारू लिंक रोड निवासी हनुमान अपने बेटे अमित के साथ गोलगप्पे का ठेला लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने ठेले को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में हनुमान गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अमित को भी चोटें आईं। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने हनुमान को मृत घोषित कर दिया। घायल अमित को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दुर्घटना थाना (पश्चिम) प्रभारी रामकृपाल मीणा ने बताया कि टक्कर के बाद कार क्षितग्रस्त हो गई। चालक मौके पर वाहन छोड़कर पैदल भागने लगा, लेकिन वहां मौजूद लोगों और वाहन चालकों ने उसे दौड़कर पकड़ लिया। पुलिस ने कार को जब्त कर चालक सुरेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार हनुमान कलेक्ट्रेट के पास गोलगप्पे का ठेला लगाते थे और बुधवार रात बेटे के साथ घर लौट रहे थे। सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

चट्टान ढही, मजदूर व ट्रैक्टर-ट्रॉली दबे

जयपुर । हरमाड़ा थाना इलाके में पत्थर की खदान में अवैध खनन करते वक्त चट्टान ढहने से दो ट्रैक्टर ट्रॉली समेंत एक मजदूर नीचे दब गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद पत्थरों के नीचे दबे मजदूर को बाहर निकाला और पास ही के निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। हेड कांस्टेबल निरजंन ने बताया कि दादर बावड़ी डूंगरी में पत्थर की खदान है। जहां दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पत्थर भरने के लिए खदान पर गई थी। पत्थर भरते समय अचानक खदान ढह गई और करीब 100 फीट ऊंचाई से चट्टानें तेजी से नीचे आकर गिरने लगी। चट्टानों के बड़े पत्थर ढह कर आते देखकर वहां मौजूद ट्रेक्टर-ट्रॉली के दोनों ड्राइवर व दो मजदूर अपनी जान बचाने के लिए भागे। पत्थर के नीचे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक सरदार मल गुर्जर (34) भी दब गया।

पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी विरोध-प्रदर्शन

- सरकार और बैंक प्रबंधन ने मांगे नहीं मानी तो आंदोलन और व्यापक व कड़ा करेंगे : यूएफबीयू

जयपुर (कासं)। यूनाईटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के आव्हान पर गुरूवार को देशभर में बैंक कर्मचारियों व अधिकारियों ने 5 दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू किये जाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

इसी क्रम में जयपुर में यूएफबीयू की स्थानीय इकाई द्वारा शाम 5:30 बजे से 6:30 बजे तक स्टैच्यू सर्किल से भगवान दास रोड तक मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान बैंक कर्मचारियों ने "बैंकों में पाँच दिवसीय सप्ताह लागू करो" की तख्तियाँ लेकर अपनी माँगों को मुखर रूप से रखा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में बढ़ते कार्यभार, स्टाफ की भारी कमी और लगातार बढ़ते दबाव के बावजूद पाँच दिवसीय सप्ताह की माँग वर्षों से लंबित है, जबकि केंद्र सरकार के अधिकांश विभागों एवं कई सार्वजनिक उपक्रमों में यह व्यवस्था पहले से लागू है। यूएफबीयू ने चेतावनी दी कि यदि सरकार एवं बैंक प्रबंधन द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं तीव्र किया जाएगा। राज्य के अन्य केंद्रों पर भी बैंक कर्मचारियों ने अपने-अपने स्थानों पर विरोध प्रदर्शन कर इस माँग के समर्थन में एकजुटता प्रदर्शित की।

यूनाइटेड फोरम के संयोजक महेश मिश्रा ने बताया कि जयपुर में रैली एवं प्रदर्शन में शामिल यूनाइटेड फोरम के विभिन्न घटक जिनमें एआईबीईए के नेता आर. जी. शर्मा, महेश शर्मा, सूरजभान सिंह, टी. सी. झालानी, रविकांत शर्मा, रवि वर्मा, रविदीप चतुर्वेदी, एम. एस. भटेना, आईबीक से रामावतार जाखड़, राजेश जैन, महेश शर्मा, एनसीबीई से विनिल सक्सेना, बेफी संतोष जमट, सूरज प्रकाश व राहुल पांडे ने संबोधित करते हुए अपनी मांग को पुरजोर तरीके से रखा।

जयपुर में यूएफबीयू की स्थानीय इकाई द्वारा शाम 5:30 बजे से 6:30 बजे तक स्टैच्यू सर्किल से भगवान दास रोड तक मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

ARBIT it happens here...

Maternal Health Awareness Day: Advocating for Safer Motherhood

Maternal Health Awareness Day, observed annually on January 23rd in the U.S., is spearheaded by the American College of Obstetricians and Gynecologists (ACOG) alongside partner organizations. The day focuses on raising awareness about maternal mortality, promoting comprehensive prenatal and postpartum care, and addressing persistent disparities in maternal health outcomes. Highlighting that many maternal deaths are preventable, the observance encourages education, policy advocacy, and community support. Recent campaigns emphasize access to quality healthcare and continuous monitoring for a full year after childbirth, ensuring both mothers and infants receive the care needed for a safe and healthy start in life.

#WAR

A Hard Revenge

The Danish Government faces two choices, spend years using trained engineers, to clear them safely or use the people who planted them. They choose option two

German POWS expected Prisoner Camps when they surrendered in 1945. Instead, Denmark hands them sticks and sends them crawling through minefields, their own army planted. Hundreds die clearing beaches, one poke at a time. Here is the revenge nobody talks about.

May 1945 Denmark, Germany surrenders, leaving 1.5 million landmines buried along Denmark's West coast, a defensive perimeter that makes miles of beach unusable and deadly. The Danish Government faces two choices, spend years using trained engineers, to clear them safely or use the people who planted them. They choose option two. 2000 German POWS, many just 15 to 17 years old, who were conscripted in the war's final months, are given minimal training, and sent to crawl through the sand. No metal detectors or protective gears, just teenage boys lying flat, poking sand with sticks, praying they don't hit a trigger, when a mine detonates. Pieces of the boy disappear.

The survivors keep crawling. Danish officers watch from safe distances. The boys clear 45000 mines in the first month's estimated casualties. Hundreds dead, more maimed. Some lose legs, some lose hands, some just vanish in the explosion. The irony is brutal. These teenagers didn't design the minefield strategy. They were children when it was implemented. Now, they are paying for it with their bodies. International law technically prohibited using POW for hazardous work. Denmark argued that these boys were clearing their own military

mines. A form of responsibility. Critics called it revenge, then disguised as justice. The work continued for months. Every cleared beach cost German teenage lives. The boys who survived were physically and psychologically shattered. By late 1945, Denmark's beaches were clear. The cost, an unknown number of teenage German POWs killed doing work. Trained engineers would take years to complete safely. The Danish government never officially apologized. The story remained largely hidden for decades. The lesson, sometimes, the victors' justice is just slower execution. One mine clearing program proved that even after war's end, the dying continues, just with different victims holding the sticks.

When A Rifleman Fought The Chinese For 3 Days, Killed 300

As the final and most ferocious wave of the Chinese assault came, most of his men had either been killed or severely wounded. Subedar Joginder Singh himself was gravely injured but refused to give up. Taking personal control of a light machine gun, he continued to fire upon the enemy, inflicting significant losses. When the ammunition was completely exhausted, he and his remaining soldiers fixed bayonets to their rifles and charged out of their bunkers shouting their battle cry, "Bole So Nihal, Sat Sri Akaal!" In this desperate but valiant last stand, they fought hand-to-hand with the advancing Chinese, bayoneting many before being finally overpowered.

● **Bulbul Joshi**

After the Chinese People's Liberation Army or PLA launched an attack against India in October 1962, India's brave soldiers fought against all adversities to protect the country. Some went much beyond the call of duty to protect India's territorial integrity.

Subedar Joginder Singh fought valiantly when the PLA launched an attack through the Bum La Pass, sparking a battle named after the location; the Chinese soldiers, as they advanced, met with a few more valiant Indian soldiers. These heroes went on to etch their names in the annals of history as they fought against all odds.

The structure is built in the memory of Jaswant Singh Rawat, a rifleman of 4 Garhwal Rifles. This was the spot where the 21-year-old took a heroic stand against the Chinese, creating the impression of a full contingent of Indian soldiers while fighting single-handedly.

Subedar Joginder Singh was born on 26th September 1921 in Mahakalan village, located in the Moga district of Punjab, into an agricultural Saini Sikh family. He was the son of Shri Sher Singh Saini and Smt Bibi Krishnan Kaur. From a young age, he displayed qualities of sincerity, determination, and an eagerness to learn. He went to primary school in village Nathu Ala and to village Daroli for his middle school. He was unable to pursue further studies due to the modest financial condition of his family. Determined to build a meaningful life through service to the nation, he joined the British Indian Army on 28th September 1936 and was enrolled in the 1 Sikh battalion of the Sikh Regiment, a renowned regiment of the Indian Army known for its valour, discipline, and glorious battle traditions. As a young soldier, he saw active combat during World War II on the Burma front, where Indian troops played a decisive role in halting the Japanese advance. Later, following India's independence, he also participated in the Indo-Pak War of 1947-48, fighting bravely in the defence of Srinagar. His battlefield experiences during these operations shaped him into a seasoned and composed soldier, known for his courage under fire.

In his personal life, Subedar Joginder Singh married Ms Bibi Gurdyal Kaur Banga, who hailed from a Saini family of Kothay Rara Singh village near Kot Kapura. The couple was blessed with a son and two daughters, and he remained a devoted husband and father, deeply rooted in family values even while serving in demanding field conditions. A man of perseverance, Subedar Joginder Singh continued his education within the Army by passing several professional examinations and qualifying as a unit instructor, a role that required deep knowledge, leadership, and dedication. His commitment to excellence, uncompromising discipline, and genuine concern for the welfare of his men earned him immense respect among both his peers and subordinates. Known for his integrity and unwavering sense of duty, he became a role model within his regiment, embodying the true spirit of a soldier who lived and served with honour.

#REVISITING '62 WAR

Indo-China War: 23 Oct 1962

A fierce and historic battle was fought at Tongpen La, near Bum La, in the Tawang sector during the 1962 Sino-Indian War. This region, known then as the North East Frontier Agency (NEFA), is today the Indian state of Arunachal Pradesh. As tensions with China escalated and the possibility of war became inevitable, 1 Sikh battalion was urgently mobilized from its peacetime location in Jaipur to the eastern front. The movement to the forward area was arduous and physically demanding. The soldiers had to traverse dense jungles en route to Tenga Valley, negotiate the treacherous mountain paths of Bomdila, descend into Dirang, and climb again towards the frozen expanse of Sela Lake before finally reaching Tawang. Amidst the freezing temperatures and harsh terrain, Subedar Joginder Singh, who was then a platoon commander, stood out for his strength, composure, and unshakeable resolve. A veteran of World War II and the 1947-48 war in Kashmir, he was deeply respected in the battalion for his discipline, tactical skill, and exemplary leadership in combat. Subedar Joginder Singh's platoon was tasked with

> "A fierce and historic battle was fought at Tongpen La, near Bum La, in the Tawang sector during the 1962 Sino-Indian War. This region, known then as the North East Frontier Agency (NEFA), is today the Indian state of Arunachal Pradesh. As tensions with China escalated, 1 Sikh battalion was urgently mobilized.

defending a strategic ridge in the Tongpen La area along the Bum La axis in Tawang.

On 20 October 1962, the Chinese launched their first major offensive at Namka Chu against the 7th Infantry Brigade. Having prepared meticulously for years and equipped with superior weapons and logistics, the Chinese forces swiftly overran the Indian positions and advanced towards Tawang, where Subedar Joginder Singh and his men were holding their ground. As the enemy began to gather across the stream and dig defensive trenches, it became evident that an attack on his post was imminent.

Anticipating the confrontation, Subedar Joginder Singh prepared his men for the battle that lay ahead. At dawn on 23 October 1962, around 5:30 a.m., while the soldiers were preparing tea in the camp kitchen, the Chinese forces launched a sudden and heavy assault on the position. Despite being outnumbered and outgunned, the brave men of 1 Sikh met the attack head-on. Subedar Joginder Singh's platoon fought with exceptional courage, catching the enemy off guard and inflicting heavy casualties. The battle cry "Jo Bole So Nihal, Sat Sri Akaal" echoed through the icy mountains, lifting the spirits of the defenders. The enemy regrouped and launched a second, more determined wave of attack. Undeterred, Subedar Joginder Singh displayed remarkable courage and tactical acumen. Even as casualties mounted and ammunition ran low, he continued to inspire his men, urging them to fight with the spirit of the Khalsa and to defend their motherland with honour. His calm composure under pressure and his words of encouragement kept the platoon's morale unbroken despite overwhelming odds.

As the final and most ferocious wave of the Chinese assault came, most of his men had either been killed or severely wounded. Subedar Joginder Singh himself was gravely injured but refused to give up. Taking personal control of a light machine gun, he continued to fire upon the enemy, inflicting significant losses. When the ammunition was completely exhausted, he and his remaining soldiers fixed bayonets to their rifles and charged out of their bunkers shouting their battle cry, "Bole So Nihal, Sat Sri Akaal!" In this desperate but valiant last stand, they fought hand-to-hand with the advancing Chinese, bayoneting many before being finally overpowered. Ultimately, sheer numbers and superior firepower prevailed, and Subedar Joginder Singh was captured after being severely wounded. Even as a prisoner of war, he upheld his dignity and the honour of his regiment. His indomitable courage, leadership, and refusal to surrender became legendary. For his unparalleled bravery, leadership of the highest order, and supreme sacrifice in the defence of the nation, Subedar Joginder Singh was posthumously awarded the 'Param Vir Chakra,' India's highest wartime gallantry award. In a rare gesture of respect, the Chinese forces later returned his ashes upon learning of the honour conferred upon him.

The Jaswantgarh War Memorial, located in Tawang district of Arunachal Pradesh, welcomes visitors year-round with a compelling tale of valour.

The plaque at the memorial says for 72 gruelling hours, he inflicted heavy casualties on the enemy entirely on his own before making the ultimate sacrifice. He was posthumously awarded the Maha Vir Chakra.

According to the Ministry of Defence, in November 1962, Jaswant Singh Rawat and his two aides, Lance Naik Trilok Singh Negi and Rifleman Gopal Singh Gusain, had volunteered to destroy a Medium Machine Gun that was brought in by the Chinese.

Under the cover of boulders, scraggy bushes and trees, they crawled forward amid heavy enemy fire and reached within 10 to 15 yards of target. While Lance Naik Negi provided covering fire with his Sten gun, Rawat and Gusain hurled grenades on the enemy's Medium Machine Gun and managed to capture it.

In the battle that followed, Rawat refused to give up his post.

He displayed remarkable agility, shifting between bunkers to maintain the illusion of a full-scale Indian battalion. His only helpers were two local Monpa women, Sela and Nura. They provided him with food, supplied ammunition and loaded the guns at different posts to help Rawat create the illusion of a full contingent.

By the time he was done, around 300 Chinese soldiers were dead and he managed to delay the Chinese advance by around 72 hours.

Today, the Rifleman is remembered as Baba Jaswant Singh Rawat. His personal belongings have been kept at Jaswantgarh.

The Sela Pass is named after Sela and the Nurarang falls (Jang Falls) has been named after Nura to honour their sacrifice.

Both locations are located close to Jaswantgarh, which is adorned with a camouflaged temple-like structure to mark the bravery of Rifleman Jaswant Singh Rawat.

rajeshsharma1049@gmail.com

#NAMES

Why Are Turkeys Called Turkeys?

While a bird native to the Americas was given a name linked to Turkey, this kind of geographic mislabeling was not unusual in the context of the time

The name 'turkey' for the large, distinctive bird native to North America has a curious and somewhat confusing history, steeped in a combination of geographical misconceptions, trade routes, and linguistic evolution. The story of why turkeys are called turkeys is a fascinating example of how names can travel across cultures and time, often losing their original meaning along the way.

The Confusion with Turkey, the Country

The first mystery lies in the geographical misstep that led to the bird being named after the country Turkey. The bird we know as a turkey is native to North America, specifically to parts of Mexico and the United States. However, early European settlers and traders had no idea where these birds originated.

In the 16th century, when turkeys were first introduced to Europe, they were often confused with another bird, the guinea fowl, which was imported to Europe through Turkey (the country). The guinea fowl is a native of sub-Saharan Africa and had long been imported to Europe via trade routes that passed through the Ottoman Empire, which included parts of what we now know as Turkey.

As a result of this trade route confusion, Europeans began to associate the bird with Turkey, mistakenly thinking that the guinea fowl had come from there. When North American turkeys were brought back to Europe by Spanish explorers in the early 1500s, they were mistaken for guinea fowl, and so the name 'turkey' was applied to them as well, even though they were completely different species. This misnaming stuck, and thus, the bird we now recognize as the turkey was given the same name.

Turkey and the Name Confusion Across Languages

The confusion surrounding the bird's name wasn't limited to English. The same misassociation spread to other languages, though each culture had its own way of adapting the name.

- In French, the turkey is called 'dindon,' which is believed to be a reference to Dindes, the name for a village in Turkey that became associated with the trade of these birds.
- In Spanish, the word for turkey is 'pavo,' derived from the Latin name for the bird, Meleagris gallopavo. Interestingly, pavo means peacock, but in the case of the turkey, it came to represent the bird after its introduction to Spain.
- In Italian, turkeys are called 'tacchino,' which is also believed to be connected to the Turkish misnomer.

Despite the geographical confusion, the name 'turkey' became the widely accepted term in English and in many other European languages, even though the bird had no actual connection to the country of Turkey.

The Role of Trade Routes and European Exploration

The name turkey is a product of exploration and global trade. As European explorers began to expand their trade networks in the 16th century, they introduced new plants and animals to different parts of the world. The turkey, which was domesticated by Indigenous peoples in North America long before Europeans arrived, was one of the many animals that crossed the ocean during these early voyages. Spanish conquistadors brought turkeys back to Europe after their expeditions in the Americas, and from there, the bird spread across the continent.

While it might seem odd that a bird native to the Americas was given a name linked to Turkey, this kind of geographic mislabeling was not unusual in the context of the time. When traders moved goods across continents, names and labels were often applied based on the routes they took, rather than the bird's actual origin. This mislabeling was further compounded by the lack of accurate knowledge about the distant lands that explorers encountered.

The Native American Connection

It's important to note that turkeys were originally domesticated by Indigenous peoples of North America, particularly the Aztecs in Mexico. In fact, wild turkeys were a common food source for Indigenous groups in North America long before Europeans arrived. After being introduced to Europe, turkeys eventually made their way back to the Americas, where they were raised by European settlers. Despite this historical back-and-forth, the name 'turkey' remained.

Interestingly, while the bird was known as 'wild turkey' in North America, Indigenous groups in the Americas had their own names for the bird in their native languages, like 'Uwa' (Cherokee) and 'Wiyohpiyata' (Lakota). However, by the time Europeans began to widely use the term 'turkey,' the name had become entrenched.

Other Theories and Linguistic Misunderstandings

Aside from the Turkey trade route confusion, there are a few other theories about the origin of the turkey's name. One possible explanation is related to the role of early European settlers who, when encountering the bird, might have been reminded of the Turkish traders they encountered in the Mediterranean, since Ottoman Turks were prominent in trade networks and European politics at the time.

Another theory is that the term 'turkey' might have been used as a metaphor for something foreign or exotic. In the early modern period, people tended to associate anything that was unfamiliar with faraway places. Turkey, as an exotic and relatively mysterious empire, was a fitting name for something new and unusual, like the turkey bird.

THE WALL

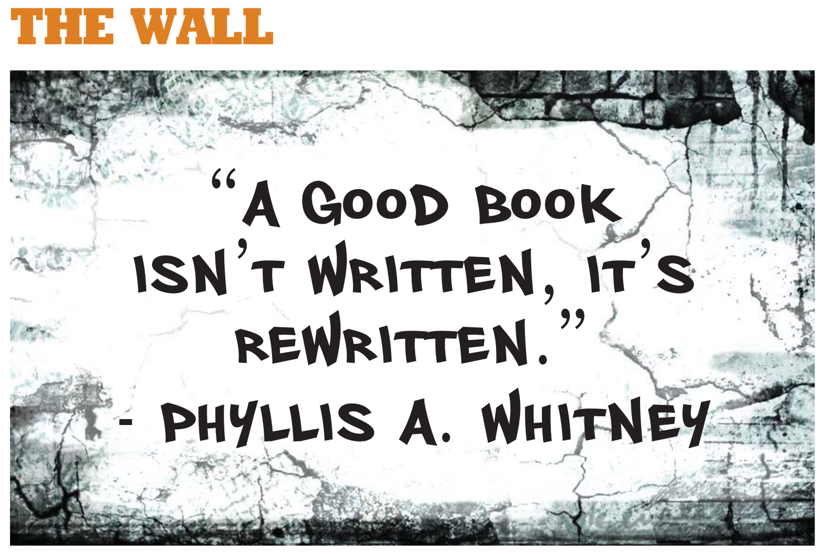

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

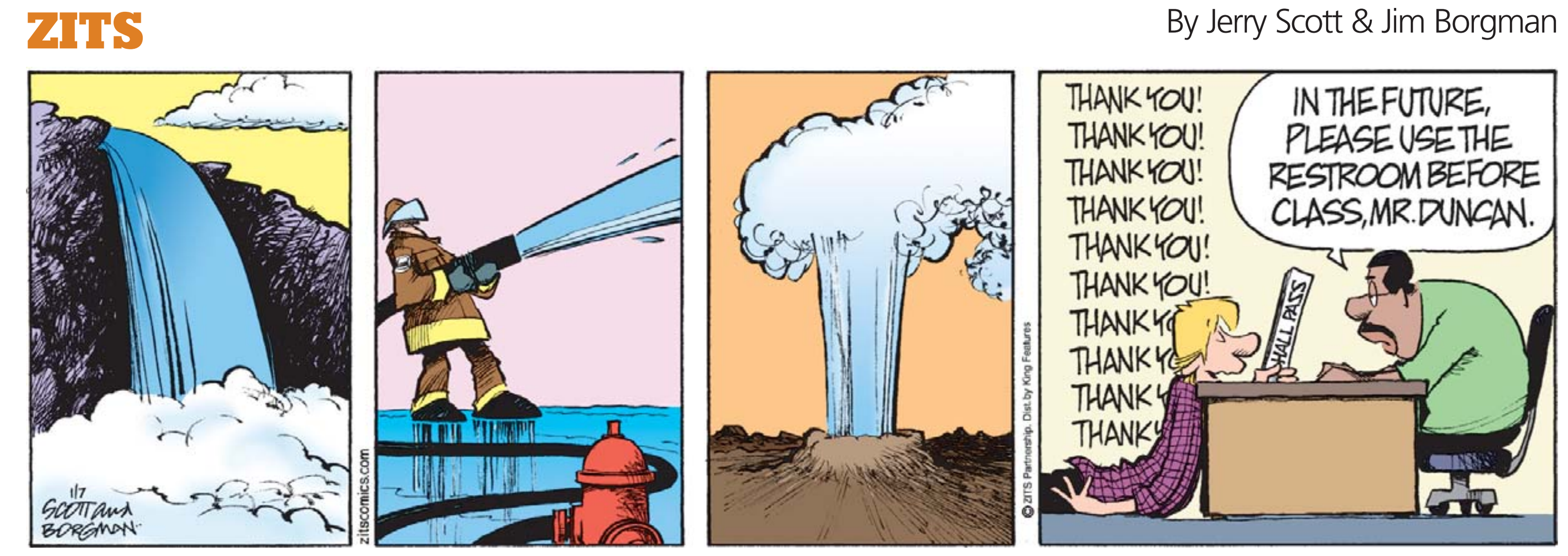

संक्षिप्त

बैठक शनिवार को

कोटपूतली। स्थानीय भगवान श्री परषुराम मंदिर प्रांगण में शनिवार 24 जनवरी को दोपहर 03 बजे ब्राह्मण समाज कोटपूतली की बैठक स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में आयोजित होगी। तहसील ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष नवरत्न शर्मा, नगर ब्राह्मण समाज अध्यक्ष व बैठक संयोजक एड. बजरंग लाल शर्मा ने बताया कि अनन्त विभूषित महामण्डलेष्वर स्वामी प्रखर महाराज विष्वव्यापी आतंकवादका शमन, हिन्दूराष्ट्र निर्माण एवं विष्व शांति हेतु 02 हजार विद्वान ब्राह्मणां द्वारा 43 दिनां के 200 कुण्डीय शत् गायत्री पुरष्चरण महायज्ञ का आयोजन पुष्कर में करने जा रहे हैं। इस हेतु 24 जनवरी को तहसील कोटपूतली व नगर के सभी ब्राह्मणां को मार्गदर्षन देने हेतु कोटपूतली पधार रहे हैं। इस दौरान महायज्ञ व विष्व कल्याण हेतु प्रवचन करेगें तथा 200 कुण्डीय शत् गायत्री पुरष्चरण महायज्ञ हेतु समाज को प्रेरितकरेगें। बैठक में राष्ट्रीय संयोजक मंडल के सदस्य नवीन शर्मा समेत ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे।

बसंत पंचमी आज

मनोहरपूर। बसंत पंचमी पर अबूझ सावा होने के कारण हलवाई, विवाह के गार्डन, बैंड, बाजा, घोड़ी, डीजे व बाजारों में अच्छी चहल पहल देखी जा रही है कहि कहि पर एक ही परिवार में इतने शादी के कार्ड आगए है कि वो सोचने पर मजबूर है कि इन शादियों में किसको कहा पर भेजे! वसंत ऋतु (फरवरी से अप्रैल) "ऋतुओं का राजा" कहलाती है, जो सर्दी के बाद आती है और जीवन में नया उत्साह भरती है, हरियाली, फूलों और सुहावने मौसम के साथ मन को प्रफुल्लित करती है, जिससे प्रकृति और मानव दोनों में ताजगी आती है, लेकिन कफ-संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं का ध्यान रखना भी ज़रूरी है, जैसे हल्के भोजन और व्यायाम से संतुलन बनाना।

बैठक आयोजित

कोटपूतली। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों के ध्येय वाक्य स्वतंत्रता का मंत्र-वन्देमातरम एवं समृद्धि का मंत्र-आत्म निर्भर भारत को लक्षित करके ही सम्पूर्ण गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। जिससे प्रदेश के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति के भाव संचारित हो। अतिरिक्त जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 26 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले द्वितीय चरण के कार्यक्रमों के सम्बन्ध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारी बैठक आयोजित की गई।

खाद्य शिविर आयोजित

टोंक। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत खाद्य कारोबार के लिए लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन शिविर गुरूवार को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर भवन एसबीआई बैंक के सामने टोडारायसिंह में लगाया गया। शिविर में 101 थोक/फुटकर व्यापारियों के आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 55 व्यापारियों को हाथों हाथ लाईसेंस जारी किये गये। शिविर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. मदन लाल गुर्जर व भूतपूर्व नगर पालिका अध्यक्ष टोडारायसिंह सन्त कुमार जैन ने लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन वितरित किये गये साथ ही शिविर में मोटे अनाज की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी गई।

छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

निवाई। जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल अधिकारिता विभाग एवं सिकोइडिकोन संस्थान के माध्यम से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालकों के साथ बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिकोइडिकोन संस्था के माध्यम से नुक्कड़ नाटक द्वारा बालकों को बाल विवाह के प्रति जागरूक किया गया।

सम्मान समारोह 1 फरवरी को

अलवर। राजस्थान मेघवाल समाज संस्था का मेघवाल प्रतिभा सम्मान समारोह 1 फरवरी को पुलिस अन्वेषण भवन मैरिज होम में" होगा। सुमेर सिंह मेघवाल प्रदेश महासचिव राजस्थान मेघवाल समाज संस्था ने बताया सम्मान समारोह में अलवर, बहरोड़-कोटपूतली और खैरथल-तिजारा की 400 से अधिक मेघवाल प्रतिभाओं का सम्मान किया जावेगा।

'खेती-किसानी को उन्नत और समृद्ध बनाने के लिए हरसंभव प्रयास'

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ग्राम उत्थान शिविर शुभारंभ एवं जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

- ग्राम उत्थान शिविर शुभारंभ व विभिन्न योजनाओं के लाभ हस्तांतरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ

दौसा। कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार खेती-किसानी को उन्नत एवं समृद्ध बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इसके लिए किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के साथ आगामी दिनों में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) का आयोजन कर काश्तकार एवं पशुपालकों को आधुनिक तकनीक से रूबरू कराया जाएगा। डॉ. मीणा गुरुवार को यहां जिला परिषद सभागार में ग्राम उत्थान शिविर शुभारंभ एवं किसान सम्मान निधि की पांचवीं किश्त सहित विभिन्न योजनाओं के लाभ हस्तांतरण के जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा हमारा प्रयास है कि किसान को नवीन एवं उन्नत तकनीक की जानकारी मिले। वह उसका फायदा उठाएं और प्रदेश कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़े। इसके लिए गांव से लेकर राज्य स्तर पर 'ग्राम' का महत्वपूर्ण आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 जनवरी से हर गिरदावर सर्किल पर शिविर लगाकर किसानों को कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की योजनाओं के बारे में जागरूक कर लाभान्वित किया जाएगा।

पंच गौरव कार्यक्रम के तहत आयोजित इस महोत्वस में अमरूद उत्पादक काश्तकारों को अमरूदों की विभिन्न वैरायटियों, उनकी पैकेजिंग एवं प्रोसेसिंग तथा आधुनिक तकनीकों से रूबरू कराया गया, ताकि वह अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर सके उन्होंने कहा कि राजीविका के माध्यम से महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराकर उनके उत्पादों की मार्केटिंग एवं प्रोमोशन में मदद की जा रही है।

कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री ने किसान कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार बैलों से खेती को बढ़ावा देने के लिए अनुदान दे रही है।

जन-जागरूकता बैठक आयोजित

चौंमू/कालाडेरा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आ ान पर चौंमू विधायक डॉ. शिखा मील बराला के नेतृत्व में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के अंतर्गत गुरुवार को चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत उदयपुरिया, लोहरवाड़ा, हाड़ौता, भोपावास एवं अणतपुरा-चिमनपुरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जन-जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में मनरेगा योजना से जुड़े मुद्दों, श्रमिकों के अधिकारों, मज़दूरी भुगतान और रोज़गार की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि गरीब और मेहनतकश वर्ग का स्वाभिमान और रोजगार का अधिकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं को केवल नाम बदलने के नाम पर बंद करने के प्रयासों को किसी भी हाल में सफल नहीं होने दिया जाएगा। विधायक ने सभी से अपील की कि वे मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस प्रयास को सफल बनाने में योगदान दें।

कालाडेरा में 30 जनवरी को होगा विराट हिन्दू सम्मेलन

चौंमू/कालाडेरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष और श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में स्थित रामलला के मन्दिर पर धर्म ध्वज स्थापना के उपलक्ष में आगामी 30 जनवरी को कालाडेरा कस्बे में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को कालाडेरा कस्बे में स्थित भगवा चौक, श्री सीताराम जी के मन्दिर में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। पूर्व सरपंच अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि यह आयोजन देश भर में चल रहे हिन्दू सम्मेलनों के क्रम में कालाडेरा में भी आयोजित किया जा रहा है जिसमें सनातन हिन्दू धर्म की एकता और सामाजिक समरसता के विषय को लेकर समाज में कुटुंब प्रबोधन पर्यावरण संरक्षण सहित पंच परिवर्तनों के लिए संत शक्ति द्वारा हिन्दू समाज का आव्हान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर पंडित अमरचंद चतुर्वेदी द्वारा विधिवत रूप से गणेश पूजन कर पीले चावल बांटे गए तथा पोस्टर विमोचन कर जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को टीमें बनाकर उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई।

बैठक में पूर्व सरपंच अशोक कुमार शर्मा, रामगोपाल सहरिया पूर्व उपसंरपच मुकेश पंचोली, बागड़ा, मुकेश सामरिया, श्याम सुंदर प्रधान, राहुल सांखला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कार्यवाह गिरिराज सिंह खंगारोत, कारसेवक ओम प्रकाश जैन, मनोहर कुमावत, प्रदीप मिश्रा, किस्मत शेखावत, नंदू छिपा, नवीन बिंवाल, अर्जुन मीणा, ओम प्रकाश चतुर्वेदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विनोद नरेडा व राजेश टेलर सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अलवर में पहली बार जयपुर टीम ने विभिन्न ऑफिसों में छापा मारा

- कर्मचारी बिना स्वीकृति लगा रहे सीएल, एसपी ऑफिस में 55 कर्मचारी नहीं मिले

अलवर। अलवर में सरकारी विभाग राम हवाले हैं। यहां कर्मचारी डूयूटी से नदारद रहते हैं तो उमरेण पंचायत समिति में तो इतना बुरा हाल है कि अधिकारी की सील लगा कर कर्मचारी ही काम चला रहे है। ऐसा अलवर में पहली बार जयपुर से आई निरीक्षण टीम को देखने को मिला। मामला बुधवार का है जयपुर से आई निरीक्षण टीम ने अलवर के विभिन्न ऑफिसों में छापा मार कि यह कार्रवाई इतनी गुप्त रही कि किसी को खबर तक नहीं हो पाई। मामला देर शाम उमरैण पंचायत पर टीम की छापेमारी के बाद लोगों के संज्ञान में आया, जहां टीम का नेतृत्व कर रहे डिप्टी सेक्रेटरी पूरा स्टाफा सस्पेंड करने की बात कर रहे थे।

डिप्टी सेक्रेटरी सुनील कुमार शर्मा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उमरैण पंचायत समिति का पूरा ऑफिस ही सस्पेंड होगा। उन्होंने कहा कि उमरैण की सबसे खराब स्थिति है। बीडीओ के ऑफिस में तो बिल्कुल ही हालत खराब है,वहां बिना स्वीकृति के लोग ट्ययूर पर जा रहे हैं और सील लगा रहे हैं। ऐसी स्थिति तो मैंने कहीं पर भी नहीं देखी।

सरकारी कार्यालयों में लापरवाही और मनमानी पर नकेल कसने के लिए जयपुर से पहुंची राज्य स्तरीय जांच टीम ने बुधवार को अलवर जिला मुख्यालय और उमरैण पंचायत समिति में अचानक औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अव्यवस्थाओं और गंभीर अनियमितताओं को देखकर टीम हैरान रह गई। डिप्टी सेक्रेटरी सुनील कुमार शर्मा ने उमरैण कार्यालय की कार्यप्रणाली को सबसे खराब बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई।

डिप्टी सेक्रेटरी सुनील कुमार ने बताया कि जिला मुख्यालय में मिनी सचिवालय एसपी ऑफिस और पंचायत समितियों का निरीक्षण किया और लगभग 60 रजिस्टर जब्त किए हैं। इस दौरान राजपत्रित कर्मचारियों में 271 में से 16 कर्मचारी और अराजपत्रित 582 में से 149 कर्मचारी ड्यूटी से गैरहाजिर पाए गए। वहीं इससे भी बुरी हालत तो एसपी ऑफिस में पाई गई, जहां 66 कर्मचारियों में से 55 कर्मचारी मौके पर ड्यूटी पर नहीं मिले। जिस पर टीम ने नाराजगी जताई।

बकाया कमीशन दिलाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

राशन डीलर्स अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौधरी के नेतृत्व में पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

- ज्ञापन में डीलर्स ने बकाया कमीशन का शीघ्र भुगतान कराने के साथ-साथ भविष्य में नियमित व समयबद्ध भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की

पावटा। लंबे समय से बकाया पड़े कमीशन के भुगतान की मांग को लेकर तहसील पावटा के सभी राशन डीलर्स ने राशन डीलर्स अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौधरी के नेतृत्व में पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

राशन डीलर्स अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौधरी ने बताया कि राशन डीलरो को मई, जून व सितंबर से दिसंबर 2025 का 90 रुपए व 39.70 रुपए अप्रैल से दिसम्बर 2025 व अटैचमेंट दुकानों का अप्रैल से दिसम्बर 2025 तक का कमीशन बकाया है। जिसे लेकर जिला रशद कार्यालय में राशन डीलर्स अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौधरी द्वारा पूछे जाने पर एएओ सीताराम द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। जिसका वीडियो भी मौजूद है। राशन डीलर अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौधरी, रतन लाल, सीताराम टेलर, सुरेश मीणा, रमेश स्वामी, सुभाष जाट, रोहिताश गुर्जर, लोकेश चौधरी, पंचू सैनी, प्रदीप शेखावत, रोहिताश स्वामी, मुकेश मीणा, विशंभर दयाल टेलर, रतनलाल अग्रवाल सहित डीलर्स ने कहा कि महीनों से भुगतान लंबित होने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली बिल, दुकान किराया, मशीनों का रख रखाव और कर्मचारियों के भुगतान में भी दिक्कतें आ रही हैं। इसके बावजूद डीलर्स उपभोक्ताओं को समय पर राशन उपलब्ध कराने का कार्य पूरी जिम्मेदारी से कर रहे हैं।

ज्ञापन में डीलर्स ने बकाया कमीशन का शीघ्र भुगतान कराने के साथ-साथ भविष्य में नियमित व समयबद्ध भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलनात्मक कदम उठाने पर मजबूर होंगे। इस दौरान कई राशन डीलर्स मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर अपनी मांगों को रखा। अधिकारियों ने डीलर्स की समस्याओं को उच्च स्तर पर पहुंचाने और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

प्रधान आरक्षक के 7 वें बैच की दीक्षांत परेड का आयोजन

- समारोह में कैबिनेट मंत्री मनसुख मांडविया ने की शिरकत

देवली । गुरुवार को यहां केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल देवली के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, में प्रधान आरक्षक के 7 वें बैच की दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया। इस दीक्षांत समारोह के साथ ही 324 प्रधान आरक्षक राष्ट्र की सुरक्षा के लिए समर्पित हो गए।

इस दीक्षांत समारोह के 7 वे बेच मे 171 महिला प्रधान आरक्षक शामिल रही हैं। तो वही 7 वे बेच मे सैनिक महिलाओं ने कंधे से कंधा मिलाकर अपना कठिन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मनसुख मांडविया (श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) रहे। इससे पहले के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की अगवानी की। समारोह अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को अनुशासन और कर्तव्य की शपथ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र देवली के प्राचार्य नरेंद्र देव आनंद ने दिलाई है। जानकारी के अनुसार यह पूरा बैच स्पोर्ट्स कोटा के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों से चुना गया था।, जिसमें 30 अलग-अलग खेलों के खिलाड़ी शामिल हुऐ थे। प्रशिक्षण के दौरान इन खिलाड़ियों को औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन, विमानन सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, वीआईपी सुरक्षा, नेतृत्व विकास और सॉफ्ट स्किल्स सहित महत्वपूर्ण विषयों का गहन अध्ययन कराया गया है। साथ ही जवानों को शहरी अभियानों, जंगल युद्ध और आधुनिक हथियारों के संचालन का सामरिक प्रशिक्षण देकर हर परिस्थिति के लिए तैयार किया गया है

इस समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षण में अव्वल रहे जवानों को पुरस्कृतभी किया। इस दौरान रिया भाटी को ऑल-राउंड सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। मुस्कान को इनडोर प्रशिक्षण, चिम्पी गोगोई को आउटडोर प्रशिक्षण और आकाश एस को फायरिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पूरी परेड का नेतृत्व परेड कमांडर वंशिका शेखावत ने की।

इस अवसर पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें अपर महानिदेशक विजय प्रकाश, महानिरीक्षक (प्रशिक्षण खंड) वी. खामो, उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) विनय काजला, उप महानिरीक्षक (आसूचना) अजय दहिया और वरिष्ठ समादेष्टा सुधीर कुमार शामिल थे।

रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव को लेकर निकाली कलश यात्रा

गांव श्योसिंहपुरा में आयोजित कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

- कलश यात्रा को छीला वाले बालाजी मंदिर परिसर में आचार्य पंडित रमाशंकर भारद्वाज ने पूजा अर्चना करवाकर रवाना किया

सिरस। गांव श्योसिंहपुरा में अयोध्या में रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव को लेकर गुरुवार को महिलाओं ने विशाल भव्य कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा को छीला वाले बालाजी मंदिर परिसर में आचार्य पंडित रमाशंकर भारद्वाज ने पूजा अर्चना करवाकर रवाना किया। कलश यात्रा में 71 महिलाए कलशों को सिर पर धारण करके चल रही थी। कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके लोगों ने भव्य स्वागत किया।

कलश यात्रा बालाजी मंदिर से रवाना होकर बरोनी सिरस रोड होते हुए नाथों के मोहल्ले में स्थित योगेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। जहां आचार्य अवधेश शर्मा ने वैदिक मंत्रो उच्चारण के साथ योगेश्वर महादेव का कलशों के जल से अभिषेक करवाया। सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान योगेश्वर महादेव जी की आरती की। इसके बाद कलश यात्रा प्रजापत मोहल्ले होते हुए जाटों के मोहल्ले में स्थित श्रीरघुनाथ मंदिर पहुंची। जहां मंदिर में कलश स्थापना के बाद भगवान शिवजी का जलाभिषेक किया गया।

कलश यात्रा के साथ-साथ डीजे पर श्रद्धालु नाचते गाते चल रहे थे। दोपहर बाद मंदिरों में भोग लगाकर प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर नाथूलाल नाथ, रामनिवास नाथ, रामजस मीणा, रतनलाल जाट, श्योजीलाल जाट, शिवचरण योगी, प्रमोशन, रामनिवास जाट, बनवारीलाल योगी, मायाराम योगी, बाबूलाल योगी, नाथू प्रजापत, हरिराम जाट व छीतरलाल जाट सहित कई श्रद्धालु मौजूद। थे।

अलवर में रुक सकती है राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन

अलवर। राज्य सरकार के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर चंबल एक्सप्रेस ट्रेन का हनुमानगढ़ तक विस्तार करने और राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के अलवर में ठहराव की मांग की है। चंबल एक्सप्रेस ट्रेन के मथुरा, गोवर्धन, अलवर, जयपुर, सीकर, गोगामेड़ी होकर हनुमानगढ़ तक विस्तार करने और स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के अलवर जंक्शन पर ठहराव की मांग लंबे समय से चली आ रही है।

परिवार कल्याण समिति अलवर के पूर्व अध्यक्ष भरत सिंह एवं अलवर रेल विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष कमलकांत ने बताया कि अलवर जिले के लोगों की यह सालों पुरानी मांग है। ऐसा होने से अलवर के यात्रियों का बड़ा फायदा हो सकेगा। इसको लेकर पहले भी वन मंत्री को अवगत कराया गया है। अब वन मंत्री ने अलवर के लोगों की मांग को रेलवे मंत्री को भेजा है। चंबल एक्सप्रेस ट्रेन के विस्तार होने से गोवर्धन, खाटूश्याम और गोगामेड़ी जाने वाले यात्रियों का जुड़ाव होगा। उनको अलवर से सहूलियत मिलेगी।

सार-समाचार

डंपिंग यार्ड के विरोध में उतरे लोग

अलवर। थानागाजी नगर पालिका क्षेत्र के भाग डोली वार्ड नंबर 9 स्थित बंजारा बस्ती के पास प्रस्तावित डंपिंग यार्ड और एफएसटीपी प्लांट के विरोध में ग्रामीणों एवं सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन से जुड़े लोगों ने विरोध दर्ज कराया। इस संबंध में बाल आश्रम से रोशनी शर्मा और भाग डोली से निवर्तमान पार्षद राकेश शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में अतिरिक्त जिला कलैक्टर (एडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि बाल आश्रम द्वारा संचालित बंजारा शिक्षण केंद्र से महज 30 मीटर की दूरी पर एफएसटीपी प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। उसी क्षेत्र में डंपिंग यार्ड प्रस्तावित है। इससे न केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी, बल्कि जल और वायु प्रदूषण के कारण गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी उत्पन्न होंगे। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि कचरे का ढेर शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सौहार्द-तीनों के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। उन्होंने डंपिंग यार्ड और एफएसटीपी प्लांट को तत्काल बस्ती से दूर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की।

सांभर में घर-घर जाकर हिंदुओं से एक मंच पर आने का आव्हान

सांभरझील। यहां विराट हिन्दू सम्मेलन के आयोजन के लिए संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपनी तैयारी को और तेज कर दिया है। हिंदू समाज को एक मंच पर लाने के लिए एकजुटता सुनिश्चित हो इसके लिए भी लोगों से संपर्क साधा जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तरफ से मिले निर्देश के बाद लोगों में चेतना जगाने का भी काम शुरू हो गया है। माना जा रहा है इसका प्रमुख उद्देश्य हिंदू संगठन में दृढ़ता के साथ सनातन के प्रति अपनी आस्था को और प्रबल करना है तथा हिंदू संस्कृति की रक्षा करना प्रमुख रूप से शामिल है। सांभर में आयोजन सुनिश्चित किए जाने के लिए चार प्रमुख भागों में रखा गया है। जिसमें माधव बस्ती में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए इसकी जिम्मेदारी भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण स्वामी, राजेश पारीक को दिया जाना बताया जा रहा है। टीम की तरफ से आयोजन में शामिल होने हेतु आमंत्रण देकर अनुरोध किया जा रहा है। इसके लिए आगामी दिनों में श्याम मन्दिर प्रागंण पुराना किला में कार्यक्रम रखा गया है। भोजराज शर्मा की टीम ने घर-घर जाकर आमंत्रित किया।

प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पावटा। खाद्य विभाग के तत्वावधान में क्षेत्र के व्यापारियों व संबंधित कार्मिकों के लिए तोल कांटे (बाट-माप) से जुड़ा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें तहसील पावटा के समस्त राशन डीलरों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर का उद्देश्य व्यापार में प्रयुक्त तोल कांटों की सही जांच, सत्यापन एवं मानकों के अनुरूप उपयोग की जानकारी देना रहा।प्रशिक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने बताया कि कांटे व पोश मशीन को ब्लूटूथ से जोड़ा गया है। पोश मशीन में गेहूं का पूरा वजन होने के बाद ही पोश मशीन से पर्ची निकाली जाएगी। जिससे राशन डीलर तोल में गड़बड़ी नहीं कर सकेगा व उपभोक्ता को पूरा वजन प्राप्त होगा। उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए सही तौल अत्यंत आवश्यक है। गलत तौल पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान है। अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक व मैकेनिकल तोल कांटों की जांच प्रक्रिया, सीलिंग, नवीनीकरण तथा रखरखाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही उपभोक्ताओं के साथ पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में व्यापारी व विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। अंत में खाद्य विभाग ने सभी से नियमों का पालन करने और सही तौल सुनिश्चित करने की अपील की। इस दौरान राशन डीलर अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौधरी, रतन लाल, सीताराम टेलर, सुरेश मीणा, रमेश स्वामी, सुभाष जाट, रोहिताश गुर्जर, लोकेश चौधरी, पंचू सैनी, प्रदीप शेखावत, रोहिताश स्वामी, मुकेश मीणा, विशंभर दयाल टेलर, रतनलाल अग्रवाल सहित डीलर उपस्थित रहे।

घुमन्तु लोगों के लिए लगा शिविर

किशनगढ़ बास। विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय लोगों के लिए गुरुवार नगरपालिका में सहायता शिविर लगाया गया। इस शिविर में 47 आवासीय पट्टे, 44 पहचान पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के 15, पीएम स्वनिधि के पात्र 4 लाभार्थियों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिया गया।नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता गगन गर्ग ने बताया गुरुवार को विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के पात्र व्यक्तियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष सहायता शिविर का आयोजन नगर पालिका में किया गया।शिविर में 47 गाडियां लुहार परिवार को आवासीय पट्टों का लाभ दिया गया। 44 के पहचान पत्र बनाएं गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में 15 व पीएम स्वनिधि के पात्र 4 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।इस दौरान कनिष्ठ अभियंता गगन गर्ग, कनिष्ठ अभियंता रवि कुमार, लेखाकार सुरेश शर्मा, कनिष्ठ सहायक नीतू मंडेला, साहिल सोनी, सुमित कुमार, सुखवंत, नीरज नरूका, सुभाष, भागीरथ आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

अवैध गांजा सहित चार आरोपी गिफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बीते दिन देर रात्रि को उनियारा थाना क्षेत्र में छापेमारी की कार्यवाही करते हुए मादक पदार्थ गांजा की खरीद फरोख्त करते हुए उनियारा के खतौली रोड पर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो मोटरसाइकिल एवं 6.5 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा व 3540 रुपए की राशि जप्त की गई है। पकडे गये गांजा की बाजार कीमत करीब 3 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है। इस कार्यवाही में आरोपी राजेंद्र पुत्र नंदकिशोर शर्मा उम्र 25 साल निवासी मोहनपुरा जिला बूंदी, गोपाल पुत्र घेवर राम उम्र 24 साल निवासी भाचारना जिला जोधपुर, मुकेश पुत्र चुन्नीलाल मीणा उम्र 24 साल निवासी बोरदा एवं विकास पुत्र मोजी राम उम्र 19 साल निवासी नयागांव बोरदा थाना मेहंदवास को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

विद्युत उपभोक्ता पर लगाया 30 हजार रूपये का जुर्माना

दौसा। स्थाई लोक अदालत ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड़ के विरूद्ध दायर एक मामले में परिवाद को अस्वीकार करके खारिज करते हुए निगम उपभोक्ताओं पर 30 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड़, दौसा वृत के अधीक्षण अभियन्ता एम.एल. मीना ने बताया कि विद्युत उपभोक्ता मूलचन्द, प्रभूदयाल एवं रामफूल, निवासी गुगोलाव, तहसील लवाण द्वारा विद्युत निगम के विरूद्ध एक परिवाद दायर किया था, जिसमें परिवादीगण द्वारा निगम के विरूद्ध यह आरोप लगाया गया था कि उनके द्वारा घरेलू एवं कृषि विद्युत कनेक्शन ले रखे थे, जिसके दोनों ट्रांसफॉर्मर एक ही डी.पी. सैट पर स्थापित थे जो कि 17 अगस्त 2025 को भारी बारिश के कारण गिरकर टूट गए। ट्रांसफॉर्मर एवं डी.पी. सैट गिरने व टूटने बाबत प्रार्थना पत्र निगम कार्यालय में दिया गया तो विद्युत निगम द्वारा घरेलू कनेक्शन तो चालू कर दिये गये, परन्तु कृषि कनेक्शन चालू नहीं किया गया। परिवाद में परिवादी द्वारा निगम से 12 लाख 10 हजार रूपये की क्षितपूर्ति की मांग भी की गई। उन्होंने बताया कि, परिवाद में निगम की ओर से पैरवी हेतु निगम अधिवक्ता जितेन्द्र तिवाड़ी को नियुक्त किया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित

भरतपुर। राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक ने गुरुवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए आयोग से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी साझा की। अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के एक करोड़ से अधिक लोगों के वित्तीय कल्याण एवं समग्र विकास के लिए आयोग द्वारा दूर-दराज के गांवों एवं शहरों में जाकर धरातलीय स्तर पर समस्याओं का फीडबैक लिया जा रहा है तथा उनके समाधान हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

चाकसू में पथ संचलन आज

चाकसू। उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर चाकसू द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी घोष के साथ पथ संचलन दिनांक 23 जनवरी 2026 को प्रात: 9.30 बजे निकाला जाएगा।संचलन विद्यालय परिसर टोंक रोड गणेशपुरी बगीची से प्रारंभ होकर कोटखावदा मोड,इंद्रा बाजार से,मुख्य बाजार तहसील चौराहे से होते हुए फांसी बाजार ,फागी मोड, नगर पालिका के सामने से टोंक रोड होते हुए विद्यालय पहुंचेगा ।

हिण्डौन जेल से दिनदहाड़े छत से कूदकर कैदी फरार हुआ

कैदी ने पेड़ का सहारा लिया और ऊंची दीवार लांघकर बाहर कूद गया

हिण्डौन सिटी, (निसं)। उपकारागृह से गुरुवार सुबह एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने जेल की सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। महज दो दिन पहले जेल की सलाखों के पीछे पहुंचे एक विचाराधीन बंदी ने दिनदहाड़े जेल प्रशासन को चकमा दिया और छत के रास्ते कूदकर फरार होने में सफल रहा। इस फरारी के बाद जेल महकमे से लेकर पुलिस प्रशासन तक में हडकंप मच गया है और पूरे इलाके में नाकाबंदी कर कैदी की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना सुबह करीब 11 बजे की है, जब जेल परिसर के चौक में रोजमर्रा की तरह सफाई का कार्य चल रहा था।

जानकारी के अनुसार टोडाभीम के काजीपाड़ा निवासी शकील खान, जिसे हाल ही में 20 जनवरी को जुआ-सट्टे के मामले में जेल भेजा गया था, चौक में झाडू लगा रहा था। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों की नजर बचाकर शकील खान ने गच्चा दिया और फुर्ती से छत पर जा चढ़ा। वहां से उसने पास ही स्थित एक पेड़ का सहारा लिया और ऊंची दीवार लांघकर बाहर कूद गया। जब तक जेल प्रहरियों को भनक लगती, बंदी उनकी नजरों से ओझल हो चुका था।

- महज दो दिन पहले ही जुआ-सट्टे के मामले में जेल में आया था कैदी
- पुलिस और जेल प्रशासन में हड़कम्प मचा, घटनास्थल का मौका मुआयना किया

मामले की गंभीरता को देखते हुए हिण्डौन सिटी के प्रशासनिक और पुलिस अमले ने मोर्चा संभाल लिया है। सूचना मिलते ही एसडीएम हेमराज गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह और डीएसपी मनीष कुमार मीणा तुरंत मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह ने आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि बंदी शकील खान ने पेड़ के सहारे उतरकर भागने का रास्ता चुना। फिलहाल पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर दी गई हैं जो संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जेल जैसी संवेदनशील जगह से एक बंदी का इस तरह भाग निकलना सुरक्षा पर बड़े सवाल खडे करता है।

प्रशासन अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि क्या इस फरारी में बंदी को किसी बाहरी व्यक्ति की मदद मिली थी या फिर यह जेल प्रहरियों की लापरवाही का नतीजा है। फिलहाल पुलिस की प्राथमिकता शकील खान को जल्द से जल्द दोबारा सलाखों के पीछे पहुंचाना है।

अजमेर में संदिग्ध मिलावटी 315 किलो घी जब्त

अजमेर, (कासं)। "शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान" के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा विभाग ने पड़ाव बाजार अजमेर में बड़ी कार्रवाई करते हुए संदिग्ध मिलावटी घी जब्त किया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय जयपुर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर के निर्देशों की अनुपालना में की गई।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संत कंवरराम धर्मशाला के पीछे स्थित एक प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया, जहां मेवाड़ ब्रांड का घी पंद्रह किलोग्राम के टिनों में बिक्री के लिए रखा गया था। घी का विक्रय मूल्य बाजार दर से काफी कम पाया गया, जिससे उसमें मिलावट की आशंका हुई। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत नमूने लेकर शेष लगभग तीन सौ पंद्रह किलोग्राम घी को सीज कर दिया गया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा 22/2025-26

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Lab Equipment for CDFT Jodhpur की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN No.: JAU2526GLOB00184
EPROC ID: 2026_AGUJD_529563_1
राज.संवाद/सी/25/18240 — नियंत्रक (वित्त)

कार्यालय नगर पालिका मण्डल केशवराय पाटन जिला - बून्दी (राज0)
npalika3@gmail.com ph.no. 07438-264346

क्रमांक :- न0पा0के0पा0/2025-26/4068-70 — दिनांक :- 09.01.2026

ई निविदा सूचना संख्या ..../2025-26

नगर पालिका के0पाटन द्वारा कार्यो हेतु पालिका मे पंजीकृत एंव अन्य विभागो में AA,A,B,C, Class श्रैणी के संवेदको से द्विलिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्वति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 15.01.2026 समय प्रातः 10.00 बजें से तथा अपलोड़ करने की दिनांक 30.01.2026 प्रातः 09.00 बजे तक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

W. No.	UBN NO.	Tender cost
1	DLB2526WSOB30616	46.87 Lacs
2	DLB2526WSOB30617	

राज.संवाद/सी/25/18221 — अध्यक्ष, नगर पालिका के0पाटन — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका के0पाटन

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, WATER RESOURCES CIRCLE, JHALAWAR

No.:- S.E./WR./Circle/Jwr/NIT/2025/ 7129-57 — Date:- 13/01/2026

E-NIT No. 02/2025-26

On Behalf of The Governor of Rajasthan, e-tender is invited from interested bidders for the work for Construction of Bitumen Road with VRB for approach to connect Nolai & Nolai ka Kheda under Gagrin MIP Tehsil Pachpahar District Jhalawar" for Completion period of 06 Months (Including Rainy Season) (Estimated Cost Rs. 179,99,919/-) from 16.01.2026 (9:30 AM) to 26.01.2026 (06:00 PM). Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal
www.eproc.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in,
http://sppp.rajasthan.gov.in & www.waterresources. rajasthan.gov.in
NIB Code-WRD2526A0622
UBN -WRD2526WSOB0213

Superintending Engineer, Water Resources Circle, Jhalawar
DIPR/C/842/2026

श्रीगंगानगर : प्राइवेट टांटिया यूनिवर्सिटी की फर्जी वेबसाइट बनाई, आरोपी गिरफ्तार

- पंजाब के सर्वजीत सिंह ने यूनिवर्सिटी की फर्जी वेबसाइट बनाकर छात्रों से ठगी की
- यूनिवर्सिटी प्रशासन का आरोप है कि वेबसाइट बनाने वाले पंजाब के सर्वजीत सिंह ने फर्जी डिग्रियां भी बांटी
- पुलिस का कहना है कि इस गिरोह में कई और लोग शामिल हैं, जिनकी पूछताछ की जा रही है

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहा प्राइवेट टांटिया यूनिवर्सिटी की फर्जी वेबसाइट बनाकर छात्रों से ठगी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन का आरोप है कि वेबसाइट बनाने वाले पंजाब के सर्वजीत सिंह ने फर्जी डिग्रियां भी बांटी हैं। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने इसकी जांच की थी। गुरुवार को श्रीगंगानगर पुलिस ने पंजाब से सर्वजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से मिले लेपटॉप, मोबाइल व संदिग्ध डेटा भी जब्त किया गया है।

सीओ सिटी विशाल जांगिड़ ने बताया कि पिछले साल 2025 में टांटिया यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सदर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि उनकी आधिकारिक वेबसाइट से लगभग एक जैसी फर्जी वेबसाइट बनाई गई है। दोनों साइटों में सिर्फ मामूली स्पेलिंग का अंतर है, जिससे छात्र भ्रमित होकर फर्जी साइट पर चले जाते थे।

फर्जी वेबसाइट पर प्रवेश परीक्षा, एडमिट कार्ड, परीक्षा परिणाम, मार्कशीट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट और अन्य दस्तावेजों की भ्रामक जानकारी डाली जा रही है। आरोपी फर्जी डिप्लोमा और डिग्रियां जारी कर रहे हैं और ऑनलाइन वेरिफिकेशन का झांसा देकर छात्रों से फीस वसूल रहे हैं। इससे यूनिवर्सिटी को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ प्रतिष्ठा को भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान सर्वजीत सिंह उर्फ जॉनी निवासी मुक्तसर साहिब (पंजाब) के रूप में हुई है। वह इस फर्जी वेबसाइट का संचालन कर रहा था। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह में कई और लोग शामिल हैं, जिनकी पूछताछ की जा रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

युवक की हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

- सायबर टीम ने लोकेशन ट्रेस कर पकड़ा, दूसरे राज्य में मजदूरी की आड़ में फरारी काट रहे थे

देशनोक, (निसं)। यहां हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा गंभीर मामलों में वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है।

जानकारी अनुसार घटना 29-30 नवंबर 2025 की रात की है। देशनोक निवासी अशोक कुमार का अपहरण कर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की थी। गंभीर चोटों के कारण उपचार के दौरान अशोक कुमार की मौत हो गई थी। इस संबंध में देशनोक पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पता चला कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। वे गिरफ्तारी से बचने के लिए मुंबई, नई दिल्ली, गुड़गांव, पुणे, अहमदाबाद और गांधीनगर सहित कई शहरों में फरारी काट रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बीकानेर ने 5-5 हजार का इनाम भी घोषित किया था।

थानाधिकारी, पुलिस थाना देशनोक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी सहायता और सायबर सेल के सहयोग से लगातार प्रयास करते हुए आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की। अंततः पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों ओमप्रकाश पुत्र केशुराम निवासी पांचू और नरसीराम पुत्र बचनराम उर्फ रतनाराम निवासी लक्ष्मणनगर) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी कॉर्पोरेट और मजदूरी का काम करने की आड़ में फरारी काट रहे थे। पुलिस ने उनसे गहन पूछताछ शुरू कर दी है और मामले में आगे का अनुसंधान जारी है। इस पूरी कार्रवाई में देशनोक पुलिस थाना टीम और सायबर सेल बीकानेर सहित अन्य पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन 0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/3106 — दिनांकः- 8/1/2086

ई- टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्याः- 59/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 243.13 लाख के 01 कार्य उप जिला अस्पताल पर विधुत कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदको के समकक्ष उपर्युक्त विधुत श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे / एमईएस इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त विधुत श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN-NRH2526WJ0B02181 — (शिम्भू राम जाटव) अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बीकानेर
DIPR/C/829/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड भरतपुर

निविदा सूचना सं. 09/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मय दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड) शर्त सहित सा.नि.वि. विद्युत राजस्थान जयपुर में उपयुक्त विद्युत श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।
निविदा से संबधित विवरण इन्टरनेट साईट www.pwd.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in पर एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

S.No.	NIB No.	UBN No.
1	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20461
2	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20462
3	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20463
4	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20465
5	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20466
6	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20467
7	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20468
8	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20469
9	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20470
10	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20471
11	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20472
12	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20473
13	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20474
14	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20475
15	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20476

DIPR/C/789/2026 — अधिशाषी अभियन्ता, सानिवि विद्युत खण्ड भरतपुर

राजसमन्द में युवक की पीट-पीटकर हत्या

राजसमन्द, (निसं)। जिले के रेलमगरा थाना अन्तर्गत चौकड़ी गांव में गुरुवार दोपहर एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां ट्रक ड्राइवर और ग्रामीणों ने मिलकर कार सवार युवक की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। बीच-बचाव में आए उसके एक दोस्त के साथ भी मारपीट की गई, जबकि तीसरा युवक जान बचाकर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार मदारा गांव निवासी महेंद्र कुमार भील (30) अपने दोस्त पवन सिंह और एक अन्य साथी के साथ कार में सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान चौकड़ी गांव में एक ट्रक ड्राइवर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि ट्रक ड्राइवर ने मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते कुछ ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए और ड्राइवर के साथ मिलकर कार सवार युवकों पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने कार में जमकर तोड़फोड़ की और शीशे तोड़ दिए। इस दौरान महेंद्र कुमार भील की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पवन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि तीसरा युवक जान बचाकर घटनास्थल से भाग गया। घायल पवन सिंह को पहले रेलमगरा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए राजसमंद स्थित आरके अस्पताल रेफर किया गया।

पिकअप से कार टकराई, एक युवक की मौत

- तीन गंभीर घायल, इंदौर से माउंट आबू जा रहे थे चार दोस्त

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में इंदौर निवासी एक युवक की मौत हो गई। यह दुर्घटना सागवाड़ा बायपास पर हडमाला मोड़ के पास बुधवार रात को हुई, जहां एक कार सड़क किनारे खड़ी पिकअप से टकरा गई। हादसे में तीन अन्य दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, इंदौर के रहने वाले चार दोस्त शांतनु यादव, मोहित मौर्य, यश यादव और पवन अपनी कार से इंदौर से माउंट आबू जा रहे थे। बांसवाड़ा-डूंगरपुर नेशनल हाइवे 927 पर सागवाडा बायपास स्थित हडमाला मोड़ पर उनकी कार सड़क किनारे खडी एक पिकअप से जा टकराई। इस भीषण टक्कर में शांतनु यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके तीन दोस्त मोहित मौर्य, यश यादव और पवन गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को सागवाडा अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें आगे रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक शांतनु यादव के शव को सागवाडा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उन्हें सौंप दिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अशोक गहलोत पर हमला बोला

- पूर्व मुख्यमंत्री के पीएसओ की भूमिका पर सभी का ध्यान है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा
- 'कांग्रेस के लोगों को चश्मा बदलवाना चाहिए ताकि उन्हें राजस्थान का विकास दिखे'

सिरोही, जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिरोही में ग्राम उत्थान शिविरों के उद्घाटन समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को करारा जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में आयोजित हुए पेपरों की ओएमआर शीट में बदलाव हुए। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री के घर तक भी जा रही है। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आइना दिखाते हुए कहा कि उनके पीएसओ की भूमिका क्या थी, इस पर सभी का ध्यान है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के लोगों को अपना चश्मा बदलवाना चाहिए, जिससे उन्हें राजस्थान का विकास दिखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राज में कई इलाकों में पलायन के पोस्टर लगते थे और लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता था। इस बारे में हमारी केबिनेट ने कल अशांत क्षेत्र कानून लाने का फैसला किया है। कांग्रेस इस बिल से परेशान है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा झूठ बोलती है और झूठ का रास्ता अपनाती है। एसआईआर के नाम पर कांग्रेस लोगों को बहकाने का काम कर रही है। कांग्रेस सरकार में लगातार पेपरलीक होते थे। हमारी सरकार में कोई भी पेपरलीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तो ऐसे हैं जिन्हें सिर्फ बोलना होता है लेकिन क्या बोलना है, किसके बारे में बोल रहे हैं, उनको यह पता ही नहीं होता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जमाना है, जनता किसी भी तरह की चिंता नहीं करे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने जहां भी घोटाले किए हैं और प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा किया है, किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com

No. :- 7889 — Date :- 19/01/2026

NIB No. RWGCL/50/2025-26

Name of Work : - Supply and installation of IT Equipment's under ERCPCL Jaipur with 3 year Comprehensive Warranty of Balance item

Corrigendum 01

Sr. No.	Reference /Clause No. Page Number Of Bid Document	As Read	Now to be read as
1	Document Download End Date	19.01.2026 at 6:00 PM	27.01.2026 at 6:00 PM
2	Tender Submission End Date	19.01.2026 at 6:00 PM	27.01.2026 at 6:00 PM
3	Physical submission of Tender fee, Processing fee, and Bid Security in the Office of the MD RWGCL, Sinchai Bhawan Jaipur	20.01.2026 at 2:00 PM	28.01.2026 at 2:00 PM
4	Date of opening of Technical bid	20.01.2026 at 03:00 PM	28.01.2026 at 03:00 PM

Note: - All term and conditions will remain same.
NIB no: - ERP2526A0056, UBN no: -ERP2526GLOB00063 — Managing Director, RWGCL Jaipur
Raj.Samwad/C/25/18245

राजस्थान सरकार
कार्यालय निदेशक, पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान जयपुर
(दूरभाष नं. 0141-2820360, email-dirarch@rajasthan.gov.in)
क्रमांक : पु.सं./स्मा./बुक शॉप/आमेर/2026/513 — दिनांक :- 09/01/26

निविदा सूचना

राजकीय संग्रहालय व महल आमेर में पर्यटकों की सुविधार्थ बुक शॉप की उपलब्धता एवं संचालन के लिए इच्छुक और पात्र कंपनी / फर्म/व्यक्तियों/ से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। बोली का विस्तृत विवरण http://museumsrajasthan.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। AMD2526SLOB00097

DIPR/C/803/2026 — निदेशक

नये रेग्यूलेशन का स्वागत

जयपुर। कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों पर प्रभावी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम 2026 13 जनवरी से लागू हो गया है, जिसका राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रुक्टा डेमोक्रेटिक ने स्वागत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य शैक्षिणक परिसरों में जाति, जेंडर सहित सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना और सभी छात्रों व कर्मचारियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है।

संगठन के प्रदेश संयोजक प्रो. रमेश बैरवा ने बताया है कि यदि निष्ठा व निष्पक्षता से लागू किया गया तो यूजीसी का नया रेग्युलेशन उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ते जातिगत, जेंडर आधारित भेदभाव एवं उत्पीड़न की घटनाओं पर इससे कारगर रोक लग पाएगी। रुक्टा डेमोक्रेटिक गत कई वर्षों से उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न पर रोक के नियमों को कठोरता से लागू करने की मांग उठाता रहा है। 2026 का यह नियम यूजीसी के वर्ष 2012 की समता संवर्धन के विनियम का अद्यतन रूप है। वर्ष 2012 का विनियम सिर्फ छात्रों के साथ होने वाले भेदभाव पर लागू था लेकिन 2026 का यह नया रेग्युलेशन सिर्फ विद्यार्थी ही नहीं शिक्षक एवं अशैक्षिणक स्टाफ पर भी लागू है।

1.1 Abridged NIB
OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, BARI
File no. 731 — Date: 15/01/2026

NOTICE INVITING BID
NIT NO 04/2025-26
NIB No. WSC2526A1330 YEAR 2025-26

Bids for Construction of NRM works- Recharge shaft, anicut Renovation and anicut nirman karya (01 Package) of total estimated value INR 54.18 lacs under PMKSY-2.0 Block Baseri Distt. Dholpur are invited from interested bidders up to Date 26-01-2026 time at 06.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)
UBN: WSC2526WSOB02326

(Smt km anisa) EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOMENT & SOIL CONSERVATION, P.S. BARI
DIPR/C/1113/2026

1.1 Abridged NIB
OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, BARI
File no. 722 — Date: 15/01/2026

NOTICE INVITING BID
NIT NO 03/2025-26
NIB No. WSC2526A1329 YEAR 2025-26

Bids for Construction of NRM works- PT with safety wall, talaab renovation and ECD (01 Package) of total estimated value INR 48.75 lacs under PMKSY-2.0 Block Bari Distt. Dholpur are invited from interested bidders up to Date 26-01-2026 time at 06.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)
UBN: WSC2526WSOB02324

(Smt km anisa) EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOMENT & SOIL CONSERVATION, P.S. BARI
DIPR/C/1111/2026

11वीं के छात्र ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र के खेमपुर गांव में 11वीं कक्षा के एक छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव घर से कुछ दूरी पर खेत में एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोवड़ा थाने के हेड कांनिस्टेबल ने बताया कि खेमपुर निवासी एक व्यक्ति ने मामला दर्ज कराया है।

दुष्कर्म प्रकरण में दलित अधिकार केंद्र सक्रिय

मांगलियावास, (निसं)। पीसांगन थाना क्षेत्र में दलित समाज की नाबालिग बालिका के साथ हुए दुष्कर्म के गंभीर मामले को लेकर दलित अधिकार केंद्र ने संज्ञान लेते हुए सक्रिय भूमिका निभाई है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर दलित अधिकार केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत मीमरौठ ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना, नई दिल्ली को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप करते हुए पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की है।

दलित अधिकार केंद्र की ओर से पुलिस के उच्च अधिकारियों को भी घटना की जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच कराने तथा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि मामला दर्ज हुए लगभग पंद्रह दिन बीत जाने के बावजूद अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। पत्र में बताया गया है कि आरोपी शरीफ शेख प्रभावशाली व्यक्ति बताया जा रहा है, जिसके कारण पीड़ित परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है। इसे देखते हुए दलित अधिकार केंद्र ने अजमेर पुलिस महानिरीक्षक तथा राज्य सरकार के गृह मंत्री को भी पत्र प्रेषित कर केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच करने तथा पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :-MEW/2025-26/1847 — दिनांकः- 16.01.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या 53/2025-26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 54.76 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	Date 17.01.26 से 27.01.26 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 28.01.26 को 11:00AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :-ANN2526A0203

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	ANN2526WSOB00260	2	ANN2526WSOB00261
3	ANN2526WSOB00262		

राज.संवाद/सी/25/18258 — अधिशाषी अभियन्ता, नगर निगम अजमेर

कृषि महाविद्यालय, नौगांवा, जिला-अलवर
(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)
क्रमांक :- प.( )/स्टोर/ई-बिड/कृ.महा.न/2026/ — दिनांक :-

ई-बिड सूचना

कृषि महाविद्यालय नौगांवा, अलवर में विभिन्न प्रकार के प्रयोगशाला उपकरणों की आपूर्ति की ई-बिड प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं sppp.rajasthan.gov.in and www.sknau.ac.in पर देखा जा सकता है। पूर्ण रूप से भरी हुई निविदाए दिनांक 30.01.2026 अपराहानः 05.00 बजे तक Upload करवाई जा सकती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 31.01.2026 को सुबह 11.00 बजे टैण्डर समिति द्वारा खोली जावेगी।
UBN: SKN2526GLOB00381
NIB: SKN2526A0348
राज.संवाद/सी/25/18241 — अधिष्ठाता

अजमेर के दौलतखेड़ा विद्यालय में प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों से झाड़ू लगवाने का आरोप

- सरकारी आदेशों का खुला उल्लंघन, शिक्षा विभाग करेगा कार्रवाई
- प्रतिदिन अलग-अलग बच्चों को झाड़ू लगवाने का आरोप

मांगलियावास, (निसं)। अजमेर जिले के मांगलियावास के पास ग्राम पंचायत दौलतखेड़ा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रभावी प्रार्थना सभा से संबंधित राज्य सरकार के आदेशों का खुला उल्लंघन किए जाने का मामला सामने आया है। विद्यालय में प्रार्थना सभा के समय बच्चों से झाड़ू लगवाए जाने का आरोप है, जिससे वे प्रार्थना और नैतिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों में प्रभावी प्रार्थना सभा आयोजित करने तथा उसमें राष्ट्रीय और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन दौलतखेड़ा विद्यालय में इन नियमों की अनदेखी की जा रही है। प्रतिदिन अलग-अलग बच्चों की ड्यूटी झाड़ू लगाने के लिए लगाई गई है। इसी दौरान हाल के दिनों में यह देखा गया कि कुछ बच्चे प्रार्थना सभा में बैठे थे, जबकि कुछ बच्चे उसी समय सफाई कार्य में लगे हुए थे।

इस संबंध में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुरक्षा मीणा ने बताया कि विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नहीं होने के कारण छात्रों से सफाई करवाई जाती है और यह एक ग्रामीण विद्यालय है।

वहीं, अतिरिक्त खंड शिक्षा अधिकारी हंसराज चौधरी ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि प्रार्थना सभा को प्रभावी बनाना आवश्यक है। जो बच्चे प्रार्थना सभा से वंचित रहते हैं, वे नैतिक शिक्षा से भी वंचित रह जाते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रशासन को इस संबंध में नोटिस जारी कर पाबंद किया जाएगा तथा प्रधानाचार्य से प्रार्थना के दौरान बरती जा रही लापरवाही का स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

RajCOMP Info Services Limited (RISL)
C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur
RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

NIB No./ Date/ Unique bid no.	Particulars	Estimated Cost	Start of sale / Last date
5946 Dated 20/01/2026 RIS2526SLOB00070	RFP for renewal of ATS, Subscription and Maintenance of existing IBM Engineered Machines at RSDC.	Rs. 13.25 Cr / Rs. 26.50 Lakh	20.01.2026 / 04.02.2026

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाईट पर सम्पर्क करें - http://risl.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://doitc.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in
Raj.Samwad/C/25/18260 — Additional Director

राजस्थान स्टेट पॉवर फाइनेन्स एण्ड फाइनेन्शियल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड
Rajashtan State Power Finance and Financial Services Corporation Limited
(A Government of Rajasthan Undertaking), CIN:U65923 RJ 2012 SGC 041087,
Registered Office: 1st Floor, Rajasthan State Textbook Board, 2-2A,
Jhalana Dungri, Jaipur 302004, Email : rspfcl@rajasthan.gov.in,
Tel. No.: +91-141-2708611, Fax-2708611 Website : http://rspfcl.rajasthan.gov.in

F. No. :- F1(e)(2)RSPF&FSCL/MP/2026/62 — Dated :- 21/01/2026

SHORT TERM NOTICE INVITING BID
E-Bid Notice

Bids for hiring the services of 5 Multi-Tasking Staff (MTS) and 4 Data Entry Operators of estimated value ₹ 38.00 lakh are invited from interested/eligible bidders for the period of 2 years. The last time and date of submission of bid is up to 10:30 AM on 28.01.2026. Other particulars and details of bids are available on the procurement portal **(http://sppp.rajasthan.gov.in), (https://eproc.rajasthan.gov.in)** and the website of the Corporation **(http://rspfcl.rajasthan.gov.in).**

NIB No:-01/2026
UBN No. :- FCL2526SLOB00002
Raj.Samwad/C/25/18244 — General Manager (Finance)

किसान सशक्त होता है तो गाँव, प्रदेश व देश प्रगति करता है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सिरोही में किसान सम्मान निधि हस्तानांतरण किया व ग्राम उत्थान शिविर का शुभारंभ किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को सिरोही में किसान सम्मान निधि के हस्तान्तरण एवं ग्राम उत्थान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोगाराम कुमावत, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी मौजूद थे।

जयपुर/सिरोही/जालोर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान भारत की आत्मा है। जब किसान सशक्त होता है तो गांव, प्रदेश और देश प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि हम संकल्प पत्र में किए गए वादों को लगातार पूरा कर रहे हैं तथा हमारी सरकार किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिरोही में कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कृषि प्रदर्शनी में सहकारिता, पशुपालन, एफपीओ एवं प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी और एग्री स्टार्टअप सहित अन्य स्टालों का अवलोकन किया।**

कि 23 जनवरी (बसंत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्कल पर ग्राम उत्थान शिविरों को आयोजन किया जाएगा।

शर्मा गुरूवार को सिरोही में किसान सम्मान निधि के हस्तानान्तरण एवं ग्राम उत्थान शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन दो वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विरासत एवं दशकों से लंबित मांग को पूरा कर अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रदेश के एक करोड़ से अधिक किसान, महिला एवं श्रमिक लाभार्थियों को 1 हजार 590 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में भेजी। उन्होंने 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की पांचवीं किस्त के रूप में प्रदेश के 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में 653 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी की, साथ ही 5 लाख किसानों को फसल खराबे पर 327 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा दिया गया।

शर्मा ने समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए 10 हजार से अधिक किसानों को 240 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई तथा मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत 4 लाख पशुपालकों को 50 करोड़ की राशि भेजी गई। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने रसोई गैस सब्सिडी योजना के 30 लाख से अधिक लाभार्थियों को 75 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्रदान की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के 20 हजार लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपये की राशि दी गई। मुख्यमंत्री ने एक लाख निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। इस दौरान 40 करोड़ रुपये के कृषि उपकरणों का वितरण भी किया गया।

पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष में सिरोही को विकास के लिए अनेक सौगातें दी हैं।

इस दौरान ग्राम उत्थान शिविरों का लघु वीडियो फिल्म के माध्यम से शुभारंभ किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कृषि प्रदर्शनी में सहकारिता, पशुपालन, एफपीओ एवं प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी एवं एग्री-स्टार्टअप सहित, अन्य स्टॉल्स का अवलोकन किया।

कार्यक्रम में रामलला प्रतिमा का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने राजस्थान के मूल निवासी एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवंगत राज के. पुरोहित को पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, सांसद लुम्बाराम चौधरी, विधायक समाराम गरासिया, पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, जीवाराम चौधरी, शोभा चौहान, छगनसिंह राजपुरोहित, हमीर सिंह भायल सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित थे।

डोडा सड़क हादसे में दस जवान शहीद

जम्मू, 22 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में सेना के एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से 10 जवानों की मौत हो गयी और 11 अन्य घायल हो गए।

यहां अधिकारियों ने बताया कि सेना का कैस्पर वाहन भद्रवाह-चंबा सड़क पर थानाला के ऊपरी इलाके खन्नीटॉप के पास फिसलन भरी सड़क के कारण, करीब 300 फीट गहरी खाई में गिर गया। यह टीम एक टीम ऑपरेशन

- **सैन्य दल एक कार्यवाही के लिए जा रहा था खन्नी टॉप के पास सेना का वाहन 300 फीट गहरी खाई में गिर गया।**

के लिए जा रही थी। यह हादसा इतना भयावह था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिला प्रशासन के अनुसार, वाहन में सेना के कुल 21 जवान सवार थे, जिनमें से 10 की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 10 जवानों को ऊधमपुर के कमांड अस्पताल में तत्काल उपचार के लिए एयरलिफ्ट किया गया है, जबकि मामूली रूप से घायल एक जवान का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उपराज्यपाल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट होकर उनके साथ खड़ा है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस हृदय विदारक त्रासदी पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने इस घटना को पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ी त्रासदी बताते हुए प्रशासन को घायलों के उपचार में कोई कसर न छोड़ने के निर्देश दिए।

केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकर गहरा सदमा लगा है।

मुम्बई, पुणे सहित 15 मेयर पद महिलाओं के लिए आरक्षित

राज्य सरकार ने 29 प्रमुख महानगर पालिकाओं के मेयर पद के लिए आरक्षण योजना घोषित की

मुंबई, 22 जनवरी। महाराष्ट्र की राजनीति में स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। राज्य की 29 प्रमुख महानगरपालिकाओं के महापौर पद के लिए आरक्षण की घोषणा कर दी गई है। इस बार के आरक्षण समीकरणों ने राज्य की 15 महानगरपालिकाओं की कमान महिलाओं के हाथों में सौंप दी है। मुंबई, पुणे, नागपुर और नवी मुंबई जैसे हाई-प्रोफाइल शहरों में अब सामान्य महिला वर्ग की महापौर चुनी जाएंगी।

29 में से 12 सीटें एसटी, एससी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर एससी कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार किसी महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं।

- **आरक्षण की घोषणा होते ही महाराष्ट्र की राजनीति में खलबली मच गई। शिवसेना (यूबीटी) ने इस व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की और प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह जताया।**

आरक्षण की घोषणा होते ही राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर ने मुंबई महानगरपालिका के आरक्षण पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने सवाल उठाया कि ओबीसी आरक्षण के निर्धारण के समय मुंबई महापालिका की पर्ची क्यों नहीं डाली गई?

उन्होंने प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह व्यक्त किया है।

दूसरी ओर, नगर विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने इन आपत्तियों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरक्षण की प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के तहत अपनाई गई है और इसमें किसी भी प्रकार का पक्षपात नहीं हुआ है।

इस आरक्षण घोषणा के साथ ही, सभी राजनीतिक दलों ने महिला उम्मीदवारों की तलाश और चुनावी फील्डिंग सजानी शुरू कर दी है। विशेष रूप से मुंबई और पुणे जैसे शहरों में महिला पार्षदों का कद अब राजनीति में और बढ़ने वाला है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को "ज़ैड" सुरक्षा, तेजस्वी की सुरक्षा घटाई

बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य के नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था में भारी बदलाव किए हैं

पटना, 22 जनवरी। बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य के कई दिग्गज विधायकों की सुरक्षा श्रेणी में बड़ा बदलाव किया है। राज्य स्तरीय सुरक्षा समीक्षा समिति की ताजा रिपोर्ट और खुफिया इनपुट्स के आधार पर लिए गए इस फैसले में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को बड़ा झटका लगा है। सरकार ने तेजस्वी की सुरक्षा घटा दी है, वहीं भाजपा और केन्द्र सरकार के कई मंत्रियों का सुरक्षा घेरा पहले से अधिक मजबूत कर दिया गया है।

सुरक्षा समिति की सिफारिश के बाद बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा कम कर दी

- **भाजपा व जद यू के कई वरिष्ठ नेताओं को ज़ैड सुरक्षा दी गई है, वहीं विपक्ष के कई नेताओं की सुरक्षा घटा दी गई है।**

गई है। अब तक उन्हें 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही थी, जिसे घटाकर अब 'वाय प्लस' कर दिया गया है। इसके साथ ही, तीन अन्य वरिष्ठ नेताओं मदन मोहन झा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी और राजेश राम की सुरक्षा पूरी तरह से वापस ले ली गई है। एक ओर जहाँ विपक्ष की सुरक्षा में कटौती हुई है, वहीं सत्ता पक्ष के कई रसूखदार चेहरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और बिहार सरकार के मंत्रियों को अब और भी कड़े सुरक्षा घेरे में रखा जाएगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केन्द्रीय मंत्री लल्लन सिंह, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को अब जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इन्हें वाई से बढ़ाकर वाई प्लस और फिर सुरक्षा मानकों के अनुरूप अपग्रेड किया गया है।

ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकियां नाकामयाब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ही कहानी कहते हैं। यह सोच-समझकर उठाया कदम नहीं, बल्कि मजबूरी में किया गया फैसला था।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प का दांव उनकी चरम तक जाने की चिरपरिचित शैली का उदाहरण था। अमेरिका के ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की बात उन्होंने सार्वजनिक रूप से उछाली, कभी अस्पष्ट, कभी भड़काने वाले अंदाज़ में उन्होंने अटलांटिक पार संबंधों में अनिश्चितता पैदा कर दी। भले ही बाद में उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अमेरिका बल प्रयोग नहीं करेगा, लेकिन उनका यह दावा कि "ग्रीनलैंड की रक्षा केवल अमेरिका ही कर सकता है", डेनमार्क और यूरोप की संप्रभुता पर अमेरिकी वर्चस्व की एकतरफा घोषणा जैसा था।

यूरोप की प्रतिक्रिया आक्रोश से भरी थी, पर वे इसका हल चाहते थे। डेनमार्क ने ट्रंप के विचार को सिरे से खारिज कर दिया, यूरोपीय संघ ने चुपचाप लेकिन सख़्ती से कदम उठाया तथा वॉशिंगटन के साथ व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को रोक दिया। नाटो सहयोगी इस सिद्धांत पर एकजुट हो गए कि आर्कटिक सुरक्षा किसी एक शक्ति द्वारा तय नहीं की जा सकती, चाहे वह कितनी ही प्रभावशाली क्यों न हो। यूरोप को झुकाने के लिए दी गई ट्रम्प की टैरिफ धमकियाँ भी इस एकता को तोड़ने में नाकाम रहीं।

नतीजतन कूटनीति के नाम पर उन्हें यू-टर्न लेना पड़ा। वास्तविक समझौते के बजाय भविष्य के समझौते का ढांचा घोषित करके ट्रम्प ने प्रभावी रूप से मानक नीचे कर दिया। टैरिफ इसलिए निलंबित नहीं हुए कि यूरोप ने ग्रीनलैंड पर कोई रियायत दी, बल्कि इसलिए कि टकराव एक बंद गली में पहुँच चुका था। इस ढांचे ने ट्रम्प को प्रगति का दावा करने का अवसर दिया वो भी बिना स्वामित्व, सैन्य ठिकानों या औपचारिक नियंत्रण के, सिर्फ नाटो के मौजूदा ढांचे के तहत अस्पष्ट सहयोग के साथ।

दावोस में ट्रम्प का एक घंटे का भाषण प्रभुत्व दिखाने के लिए था, लेकिन उसने उनके रुख के अंतर्विरोधों को और उजागर कर दिया। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिकी भूमिका का हवाला देकर डेनमार्क को "कृतघ्न" कहा और आज के दावों को सही ठहराने के लिए ऐतिहासिक शिकायतों का हवाला दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड को सिर्फ सुरक्षा के लिए चाहता है, खनिजों के लिए नहीं, जबकि उनकी सरकार अन्य जगहों पर संसाधन-राष्ट्रवाद का समर्थन करती रही है।

सबसे उल्लेखनीय यह कि उन्होंने फिर दोहराया कि अमेरिका को नाटो से "कुछ भी नहीं मिलता", सिवाय यूरोप की रक्षा का बोझ उठाने के। यह तर्क, जो उनके पहले कार्यकाल में भी था। पर अब और भी खोखला लगता है। अगर नाटो से अमेरिका को कुछ नहीं मिलता, तो आर्कटिक सुरक्षा पर उसके महासचिव के जरिए बातचीत क्यों? नाटो-प्रायोजित ढांचे की ज़रूरत ही क्यों?

क्योंकि एकतरफावाद के पास कोई रास्ता नहीं बचा था।

ट्रम्प ने संबोधन दावोस के श्रोताओं में "दोस्तों" और "कुछ छिपे दुश्मनों" पर मज़ाक किया। लेकिन हँसी के पीछे असहजता छिपी थी। यूरोपीय नेताओं ने किसी माहिर सौदेबाज़ को नहीं, बल्कि ऐसे राष्ट्रपति को देखा, जिसे सामूहिक प्रतिरोध मज़बूत होते ही धमकियों से पीछे हटना पड़ा।

ग्रीनलैंड प्रकरण में ट्रम्प की मिसाइल रक्षा को लेकर फिर से उभरी दीवानगा, खासकर उनके प्रस्तावित गोल्डन डोम एंटी-मिसाइल शील्ड पर भी रोशनी डालता है। रूस के निकट होना, रडार की क्षमता और आर्कटिक पहुँच, ग्रीनलैंड की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति इस सोच में फिट बैठती है। लेकिन यहाँ भी ट्रम्प ने हद से ज़्यादा दांव खेला।

ग्रीनलैंड को लगभग पूरी तरह अमेरिकी सुरक्षा दृष्टिकोण से परिभाषित करके ट्रम्प ने डेनमार्क, यूरोपीय यूनियन और यहाँ तक कि ग्रीनलैंड की स्वायत्त सरकार के हितों को भी हाशिये पर डाल दिया। यह रवैया उनके घरेलू समर्थकों को भा सकता है, लेकिन विदेशों में वैधता को कमज़ोर करता है। आर्कटिक की सुरक्षा संरचनाएँ स्वभावतः बहुपक्षीय हैं, इसके विपरीत दिखावा करना केवल विरोध को मज़बूत करता है।

असल में, ट्रम्प ने रणनीतिक चिंता को क्षेत्रीय दबाव में बदलने की कोशिश की और पाया कि सहयोगियों की भी अपनी सीमाएँ होती हैं।

ट्रम्प बेनकाब हुए हैं? लेंकिन न तो घातक रूप से और न ही अपरिवर्तनीय रूप से। ट्रम्प तीन तरह से बेनकाब हुए हैं।

पहला, वे एक ऐसे ब्लफ़र के रूप में उजागर हुए हैं जिनकी धमकियों को विश्वसनीय बनाए रखने के लिए लगातार बढ़ती आक्रामकता चाहिए। जब टैरिफ अस्थिर हो गए और कूटनीतिक अलगाव का खतरा मंडराने लगा, तो उन्हें ठोस जीत के बजाय प्रतीकात्मक ढांचे पर संतोष करना पड़ा।

दूसरा, वे उन संस्थानों पर निर्भर दिखे, जिन्हें वे सार्वजनिक रूप से तिरस्कृत करते हैं। वर्षों तक नाटो की आलोचना के बाद उसी पर उनकी निर्भरता एक संरचनात्मक सच्चाई को उजागर करती है: अमेरिकी शक्ति गठबंधनों के जरिए बढ़ती है, उनके बिना नहीं।

तीसरा, संप्रभुता के मामलों में लेन-देन आधारित कूटनीति की सीमाएँ उजागर हुईं। यूरोप व्यापार शर्तों पर बातचीत कर सकता है, पर दबाव में क्षेत्र नहीं सौंपेगा।

फिर भी, ट्रम्प ने जीवित रहने की राजनीतिक प्रवृत्ति भी दिखाई। स्थायी टूट से पहले पीछे हटकर उन्होंने एक गहरे अटलांटिक संकट से बचाव कर लिया। उनका समर्थक वर्ग इसे चुनौती के रूप में सुनेगा; बाज़ार स्थिरता के रूप में, सहयोगी एक चेतावनी, लेकिन साथ में राहते के रूप में।

ग्रीनलैंड पर यू-टर्न सिर्फ आर्कटिक की ज़मीन के बारे में नहीं है बल्कि यह ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल की एक व्यापक सच्चाई को दर्शाता है कि बयानबाज़ी और वास्तविकता के बीच की खाई सिमट रही है। दुनिया अब ज़्यादा तैयार, ज़्यादा संगठित है और पहले की तुलना में इसे ज्यादा डराया नहीं जा सकता।

खासतौर पर यूरोप ने सीख लिया है कि संयम और एकता का मेल दबाव को निष्प्रभावी कर सकता है। ट्रम्प भले ही झटकों और तमाशे से एजेंडा तय करते रहें, लेकिन नतीजे अब अधिकतर बातचीत से, कमज़ोर होकर या टलकर सामने आएँगे।

इस अर्थ में, यह प्रकरण हार से ज़्यादा एक खुलासा है। यह दिखाता है कि ट्रम्प कैसे काम करते हैं और वे कितनी दूर तक जा सकते हैं। ग्रीनलैंड ताकत का प्रदर्शन होना था, लेकिन अंततः यह सीमाओं का अध्ययन बन गया।

और उस राष्ट्रपति के लिए, जो असीमित दबाव की धारणा पर फलता-फूलता है, इससे ज़्यादा असहज खुलासा शायद कोई और नहीं।

मध्य प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिंदू समुदाय भोजशाला, 11वीं शताब्दी के इस स्मारक, को वाग्देवी (देवी सरस्वती) को समर्पित मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है।

2003 के ए एस आई आदेश के अनुसार, मुसलमानों को इस स्थल पर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जुमा की नमाज़ अदा करने की अनुमति है, जबकि हिंदुओं को बसंत पंचमी पर पारंपरिक अनुष्ठान करने और प्रत्येक मंगलवार को विशेष प्रवेश का अधिकार दिया गया है।

लेकिन, इस आदेश में उन वर्षों के लिए कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है, जब बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ती हो। और 23 जनवरी ऐसा केवल चौथा अवसर है, इससे पहले यह संयोग 2006, 2013 और 2016 में हुआ था।

बसंत पंचमी से पहले धार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

मध्य प्रदेश के इस जिले में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स सहित लगभग 8,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

पुलिस पैदल और वाहन गश्त कर रही है और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी जा रही है।

इसके अलावा, पूरे शहर में सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

आयरन फैक्ट्री में भयानक विस्फोट, 6 मजदूरों की मौत

बलौदाबाजार, 22 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में स्थित एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस घटना में कम से कम 6 मजदूरों की मौत हो गई है और 10 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं।

ये घटना भाटापारा क्षेत्र में स्थित प्राइवेट इस्पात स्पंज आयरन फैक्ट्री में

- **छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में हुए हादसे में भयानक विस्फोट के बाद फैक्ट्री में आग लग गई। हादसे में दस मजदूरों के घायल होने की भी खबर है।**

हुई है। आज (गुरुवार) सुबह लगभग 10 बजे फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद फैक्ट्री में आग की लपटें उठने लगीं। कुछ ही देर में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई और कई मजदूर इस आग में झुलस गए। फैक्ट्री के स्पंज आयरन प्लांट के कोल कीलन में विस्फोट से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में आग लगने से चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, विस्फोट इतना भयानक था कि आसपास काम कर रहे लोगों को संभलने तक का मौका तक नहीं मिला।

गवर्नर व राज्य सरकार के मतभेद पहले कभी-कभी सार्वजनिक होते थे

पर, अब, यह लगभग रोजमर्रा की घटना हो गई है

- **प.बंगाल की राज्यपाल पद्मजा नायडू ने 1965 में विधानसभा से वाक् आउट किया तथा 1957 में राजस्थान के तत्कालिक राज्यपाल ने सरकार द्वारा उनको विधानसभा में पढ़ने के लिए दिए गए भाषण के कुछ अंश नहीं पढ़े थे।**
- **पर, यह बात अब अनहोनी नहीं रह गई। हाल ही में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चन्द गहलोत ने विधानसभा से "वाक् आउट" किया, बिना अपना भाषण पढे। उनकी मांग थी कि राज्यपाल के भाषण से उन ग्यारह अनुच्छेदों को हटा देना चाहिए, जो केन्द्रीय सरकार की निंदा कर रहे हैं।**
- **इस घटना के दो दिन पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी ऐसा ही "वाक् आउट" किया। उन्होंने भाषण में मौजूद "अशुद्धियोंक व अप्रमाणित दावे" पर आपत्ति जताई। ऐसी ही घटना केरल में बीस जनवरी को हुई, जब राज्यपाल राजेन्द्र आरलेकर ने, मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत सरकारी नीति प्रतिपादित करने वाले भाषण में केन्द्रीय सरकार की निंदा करने वाले अंश पढ़ने से इंकार कर दिया तथा उक्त भाषण में कुछ अंश अपनी ओर से जोड़ दिए। वर्ष 2024 में केरल के तत्कालीन गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान ने भी ऐसा ही किया था। वर्ष 2021-2022 में बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनकड़ ने भी अपने भाषण में, जो राज्य सरकार ने उन्हें पढ़ने के लिए दिया था, केवल एक वाक्य पढ़कर अपनी जिम्मेवारी पूरी की थी।**
- **इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नबम रेबिया के मामले में स्पष्ट व्यवस्था दी थी कि राज्यपाल अपनी सोच व मत का इस्तेमाल नहीं कर सकते ऐसे मामले में, उन्हें वो ही भाषण पढ़ना चाहिए जो राज्य मंत्रिमंडल तैयार करके देता है।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल ऐसे किरदार निभाते नज़र आ रहे हैं, जिन्हें परंपरागत रूप से विपक्षी नेताओं से जोड़ा जाता रहा है। इन घटनाक्रमों पर नज़र डालिए, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत आज राज्य विधान परिषद के संयुक्त सत्र को संबोधित किए बिना ही विधानसभा से बाहर चले गए। उनकी मांग थी कि मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत अभिभाषण के पाठ में शामिल केन्द्र सरकार की आलोचना करने वाले ग्यारह पैराग्राफ हटाए जाएँ।

दो दिन पहले, तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने भी मंत्रिमंडल द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण में "तथ्यात्मक त्रुटियों और अप्रमाणित दावों" का हवाला देते हुए, बिना संबोधन दिए सदन से वॉकआउट किया था। इसी प्रकार 20 जनवरी को ही केरल के राज्यपाल राजेन्द्र आर्लेकर ने मंत्रिमंडल-स्वीकृत नीति भाषण के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से केन्द्र सरकार की आलोचना करने वाले अंशों, को नहीं पढ़ा और कथित तौर पर पिनारायी विजयन सरकार की मंजूरी के बिना, कुछ बिंदु जोड़ दिए।

हालाँकि शुरुआती वर्षों में निर्वाचित सरकारों और राज्यपालों के बीच छोटे-मोटे टकराव होते थे, लेकिन हाल के वर्षों में ऐसे टकराव लगातार बढ़ते जा रहे हैं। 2024 में आरिफ मोहम्मद खान ने 61 पन्नों के अभिभाषण में से केवल पहला और आख़िरी अनुच्छेद ही पढ़ा था। पश्चिम बंगाल में, 2021-22 के दौरान राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने विधानसभा में अपने भाषण बार-बार बीच में ही समाप्त कर दिए थे, एक बार तो उन्होंने 25 पन्नों के भाषण की जगह केवल एक वाक्य ही पढ़ा।

ऐसे पुराने उदाहरण भी मौजूद हैं,1965 में पश्चिम बंगाल की राज्यपाल पद्मजा नायडू विधानसभा से वॉकआउट कर गई थीं। वर्ष 1967 में राजस्थान के एक राज्यपाल ने अपने भाषण के कुछ हिस्से छोड़ दिए थे।

जहाँ विपक्ष द्वारा किये गये वॉकआउट राजनीतिक संकेत माने जाते हैं, वहीं राज्यपालों द्वारा उठाया गया ऐसा कदम संवैधानिक विचलन (कॉन्स्टीट्यूशनल रप्चर्स) के रूप में देखा जा सकता है। संवैधानिक विशेषज्ञों को चिंता है कि राज्यपालों का यह रवैया, जो कभी बहुत कम नज़र आता था, अब धीरे-धीरे एक स्वीकृत चलन और आम घटना बनता जा रहा है।

इसलिए सवाल उठता है: क्या राज्यपाल विधानसभा में दिए जाने वाले भाषणों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं? इस संदर्भ में अक्सर 2016 के नबाम रेबिया मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जाता है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि राज्यपाल अपने संवैधानिक दायित्वों का उपयोग कर निर्वाचित सरकारों को दरकिनार नहीं कर सकते। अदालत ने यह भी कहा था कि राज्यपाल अपने विवेक का प्रयोग नहीं कर सकते और उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के अनुसार ही कार्य करना चाहिए।

'एआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तात्कालिकता समन्वित नीतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मांग करती है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच, गेट्स ने भारत-अमेरिका साझेदारी को बदलते वैश्विक परिदृश्य में कुछ गिने-चुने भरोसेमंद आधारों में से एक बताया।

उन्होंने बताया, मुझे लगता है कि "अमेरिका और भारत के बीच मज़बूत संबंध की तर्कसंगतता अंततः हावी होगी।"

उन्होंने भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा एआई को तेज़ी से अपनाने की क्षमता को इसकी प्रमुख ताकत बताया।

ग्रोथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुनियादी मजबूती में विश्वास को दर्शाता है।

साथ ही, उद्योग जगत सरकार के राजकोषीय समेकन (फिस्कल कन्सॉलिडेशन) के मार्ग के साथ भी सहमत दिखाई देता है। लगभग 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी के 4.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि विकास को समर्थन देने वाले उपायों के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन पर भी भरोसा कायम है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

प्रिय सायना, आपका करियर इस बात का सबूत है कि महानता एक बार में एक दिन, धैर्य, साहस और लगातार कोशिशों से बनती है।

- सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, सायना नेहवाल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

इगा स्वियाटेक

पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक गुरुवार को महिला एकल के मुकाबले में चेक गणराज्य की मैरी बोजकोवा को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में जगहा बना ली। आज यहां एक घंटा 19 मिनट तक चले मुकाबले में नंबर दो सीड स्वियाटेक ने बोजकोवा पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। इस जीत से वह लगातार सातवें साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में पहुंच गईं। इस नतीजे के साथ स्वियाटेक ओपन एरा में एक ही दशक के पहले 24 महिला एकल ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में राउंड ऑफ 32 में पहुचने वाली पहली डब्ल्यूटीए टूर खिलाड़ी बन गईं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम ने 2009 तक न्यूजीलैंड का दौरा किया। इस दौरे में तीन टेस्ट, पांच वनडे और दो टी20 मैच शामिल थे। न्यूजीलैंड ने दोनों टी20 सीरीज जीतीं।

भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलेगा बांग्लादेश

ढाका, 22 जनवरी। बंगलादेश ने भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलने का फैसला किया। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), बंगलादेशी क्रिकेटरों और सरकार के खेल सलाहकार के बीच ढाका में गुरुवार को बैठक के बाद यह फैसला सामने आया है। वे भारत में विश्वकप मैच नहीं खेलना चाहते हैं और अपने कार्यक्रम को श्रीलंका में कराना चाहते है। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा, ''हम श्रीलंका में खेलने की अपनी योजना के साथ आईसीसी के पास जायेंगे। उन्होंने हमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन एक वैश्विक संस्था सही में ऐसा नहीं कर सकती। आईसीसी 20 करोड़ लोगों को विश्वकप मैच देखने से वंचित करेगी। यह उनका अपना नुकसान है। आईसीसी श्रीलंका को सह मेजबान बता रहा है लेकिन वह सह मेजबान नहीं है। यह एक हाईब्रिड मॉडल है। मैंने आईसीसी बैठक में कुछ बातें सुनी थी जो चौंकाने वाली थीं।''

सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा हम उम्मीद करते है कि आईसीसी हमें श्रीलंका में खेलने का मौका देगा। हमारी सरकार ने भारत न जाने का यह फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बंगलादेश की भारत से उसके टी-20 विश्व कप मैच शिफ्ट करने की मांग कल खारिज कर दी थी। आईसीसी ने बीसीबी से बंगलादेश सरकार को यह बताने के लिए कहा था कि अगर बंगलादेश टी-20 विश्व कप में अपने मैच खेलने के लिए भारत जाने से इनकार करता रहता है, तो टूर्नामेंट में उसकी जगह किसी दूसरी टीम को ले लिया जाएगा। इस फैसले के बाद वोटिंग हुई, जिसमें आईसीसी बोर्ड के ज्यादातर सदस्य रिप्लेसमेंट के पक्ष में थे।

बीसीसीआई के आईपीएल टीम कोलकाता नाईट राइडर्स को मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने के निर्देश के बाद बंगलादेश ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए यह मांग की थी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने लगातार सरकार की सुरक्षा चिंताओं को ही अपना आधार बनाया है और भारत में खिलाड़ियों की जान को खतरा बताया है।

बीसीबी ने कई दफा आईसीसी से गुजारिश की थी कि उनके मैचों का आयोजन श्रीलंका में कराया जाए। पिछले सप्ताह हुई बैठक के दौरान तो बांग्लादेशी बोर्ड ने एक अजीबोगरीब प्रस्ताव तक दे डाला। उन्होंने मांग की कि बंगलादेश को ग्रुप-सी से निकालकर ग्रुप-बी में भेज दिया जाए और आयरलैंड की जगह उन्हें दे दी जाए, क्योंकि आयरलैंड को अपने ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले श्रीलंका में ही खेलने हैं। हालांकि, आईसीसी ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया था और इससे पहले आए इसी तरह के अन्य सुझावों को भी कोई तवज्जो नहीं दी।

भारत में नहीं खेलने से बंगलादेश को वित्तीय नुकसान भी होगा। बीसीबी को आईसीसी से मिलने वाली पांच लाख अमेरिकी डॉलर की तैयारी फीस नहीं मिलेगी। साथ ही खिलाड़ी भी इनामी राशि से वंचित रहेंगे, जो न्यूनतम तौर पर पूरी टीम में बंटने वाले दो लाख अमेरिकी डॉलर हो सकते थे और मैच जीतने की सूरत में यह रकम और बढ़ सकती थी।

भारत 2-0 की बढ़त बनाने के इरादे के साथ उतरेगा

रायपुर, 22 जनवरी। भारत के अभिषेक शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में 35 गेंदों में 84 रन बनाकर पहले से ही सुर्खियों में हैं, और सभी की निगाहें फिर से उन पर होंगी जब दोनों टीमें शुक्रवार को शाम 7:00 बजे शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भिड़ेंगी। भारत को हालांकि न्यूज़ीलैंड के पलटवार से सावधान रहना होगा जिसने वनडे सीरीज में पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए अगले दोनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। भारत ने नागपुर में सीरीज के पहले मैच में 48 रन से जीत हासिल की, और 238/7 का बड़ा स्कोर बनाया। अभिषेक की शानदार पारी, जिसमें आठ ऊंचे छक्के शामिल थे, ने लय बनाई, जबकि रिंकू सिंह की 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की पारी ने भारत को 230 के पार पहुंचाया।

सूर्यकुमार यादव (22 गेंदों में 32) और हार्दिक पांड्या (16 गेंदों में 25) ने अहम सपोर्ट दिया। बॉल से वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने एक-एक विकेट लेकर न्यूज़ीलैंड को प्रेशर में रखा और उन्हें 190/7 पर रोक दिया।

भारत रायपुर में अक्षर पटेल के बिना खेल सकता है, क्योंकि नागपुर में कैच-एंड-बॉलिंग करते हुए उनकी उंगली में चोट लग गई थी। अगर भारत पेसर चुनता है तो उनकी जगह हर्षित राणा या अगर वे स्पिन-हैवी लाइनअप के साथ जाते हैं तो रवि बिश्नोई को लेने की उम्मीद है।

239 रन के बड़े टारगेट का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड को टॉप पर संघर्ष करना पड़ा क्योंकि शुरुआती विकेट गिरने से वे तुरंत प्रेशर में आ गए। ग्लेन फिलिप्स ने 40 गेंदों पर शानदार 78 रन बनाकर काउंटर अटैक किया, जिसमें मार्क चैपमैन (39) और डेरिल मिशेल (28) ने उनका साथ दिया।

काइल जैमीसन और जैकब डफी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि ईश सोढ़ी और मिशेल सेंटनर ने एक-एक विकेट लिया। हार के बावजूद, न्यूज़ीलैंड ने लड़ाई दिखाई और रायपुर में अपने टॉप-ऑर्डर की दिक्कतों और डेथ बॉलिंग की चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगा। टी20 में आमने-सामने, भारत 26 मुकाबलों में न्यूज़ीलैंड से 13-10 से आगे है, जिसमें तीन मैच टाई रहे। हालिया फ़ॉर्म भारत के पक्ष में है, जिसने अपने पिछले पाँच टी20 में से चार जीते हैं, जिसमें सीरीज का पहला मैच भी शामिल है। वहीं, न्यूज़ीलैंड ने अपने पिछले पाँच टी20 में तीन जीत और दो हार दर्ज की हैं।

रायपुर की पिच बैट्समैन और बॉलर्स दोनों के लिए एक बैलेंस्ड मुकाबला देती है, लेकिन लक्ष्य का पीछा करना हमेशा से मुश्किल रहा है। मैदान की बड़ी बाउंड्री (75-80 मीटर) बड़ी हिटिंग को मुश्किल बनाती हैं, जबकि स्पिनरों के अहम रोल निभाने की संभावना है।

रात के खेल में ओस की उम्मीद के साथ, दूसरी इनिंग में बैटिंग थोड़ी आसान हो सकती है। शुक्रवार को मौसम धूप वाला रहने और हल्की हवाएं चलने और तापमान 28 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है, जो क्रिकेट के लिए लगभग आइडियल कंडीशन देगा।

हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला : नजरुल

ढाका, 22 जनवरी। बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को कहा कि आईसीसी ने उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी 20 विश्व कप में हिस्सा लेने के संबंध में उचित न्याय नहीं दिया। कल, आईसीसी ने बंगलादेश की भारत से श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपील को खारिज कर दिया, और इसके बजाय बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को उनकी भागीदारी पर फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया। आईसीसी ने स्कॉटलैंड को भी स्टैंडबाय पर रखा है, अगर बंगलादेश आखिरकार टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत जाने को तैयार नहीं होता है। नजरुल, जिन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ बैठक की थी, ने पत्रकारों से कहा कि वे अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं।आसिफ ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि हाल के दिनों में भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि वहां (सुरक्षा के लिहाज से) चीजें बदल गई हैं। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें न्याय देगा।

राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप

टीम रामबाग और जिंदल बेदला ने जीते मैच

जयपुर, 22 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत खेले जा रहे राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप (06 गोल) के लिए पीपीसी ग्राउंड पर दो रोमांचक मुकाबले हुए। पहला मुकाबला टीम रामबाग और टीम अरावली के बीच हुआ, जिसमें टीम रामबाग विजेता रही। रामबाग ने अरावली को 8-4 के स्कोर से शिकस्त देकर मैच जीत लिया। वहीं, दूसरा मुकाबला टीम आरपीसी/थंडरबोल्ट और टीम जिंदल बेदला के बीच खेला गया। इस मैच में जिंदल बेदला ने 13 - 3.5 स्कोर के बड़े अंतर से आरपीसी/थंडरबोल्ट को हराकर मैच जीत लिया। पहले मुकाबले में विजेता टीम रामबाग से आरके सिद्धांत सिंह ने 3 गोल किए। ध्रुवपाल गोदारा और अलेजो अरामबुरु ने 2-2 गोल हासिल किए। टीम के लिए योगेंद्र सिंह शेखावत ने 1 गोल किया। इसी प्रकार, अरावली से देवेंद्र सिंह ने 3 गोल और जुआन मार्टिन ने 1 गोल किया। टीम से जयवीर सिंह गोहिल और कुलदीप सिंह राठौड़ भी खेले। दूसरे मुकाबले में विजेता टीम जिंदल बेदला से सिद्धांत शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल किए। वहीं, फिल सैलर ने 4 गोल हासिल किए। टीम के अन्य खिलाड़ी राव हिम्मत सिंह बेदला और वेंकटेश जिंदल ने 2-2 गोल अर्जित किए। दूसरी टीम आरपीसी/थंडरबोल्ट की ओर से अनंत राजपुरोहित ने 1 गोल किया। टीम से एलन शॉन माइकल, मृत्युंजय सिंह चौहान और कैप्टन प्रिंसपाल सिंह भी खेले। यहां, टीम को 2.5 स्कोर का एडवांटेज मिला। पीपीसी ग्राउंड पर शाम 4 बजे पूल बी की चारों टीमों के बीच पैनल्टी शूट आउट भी खेला गया। जिसमें वी पोलो और ऑप्टिमस अचीवर्स टीम विजेता रही। अब सेमिफाइनल 24 जनवरी को जिंदल बेदला और वी पोलो टीम के बीच तथा रामबाग और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच खेला जाएगा। इसके अतिरिक्त, 24 जनवरी को रघु सिन्हा माला माथुर एग्जिबिशन मैच भी होगा। राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप का फाइनल रविवार, 25 जनवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे खेला जाएगा।

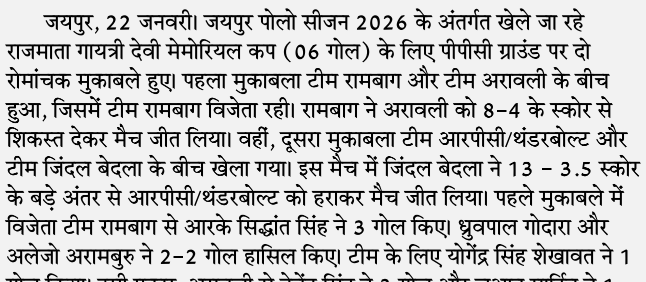

राजस्थान ने उत्तराखंड को पारी व 119 रनों से हराया

जयपुर 22 जनवरी, इंदौर में खेली जा रही राज सिंह डूंगरपुर अंडर 14 ट्रॉफी के राजस्थान - उत्तराखंड मैच के दूसरे दिन राजस्थान ने उत्तराखंड को पारी व 119 रनो से जीती राजस्थान पहली पारी 363 आल आउट। टीम के लिए आयुष रविंद्र 142, अनमोल शर्मा 74, अभिमन्यु चौधरी 57, गौरव पुनिया 42 रन। उत्तराखंड के गेंदबाज पार्थ शर्मा 60/3, उत्तराखंड पहली पारी 132 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज भावेश बघेल 21/4, गौरव पुनिया 29/3, अनमोल शर्मा, अभिमन्यु चौधरी 1-1 विकेट। उत्तराखंड दूसरी पारी 112 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाजगौरव पुनिया 13/6, अभिमन्यु चौधरी 44/3व पंकज 1 विकेट। राजस्थान - हिमाचल रणजी मैच (पहले दिन का स्कोर), राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आज से जयपुर में शुरू हुए राजस्थान - हिमाचल रणजी मैच के पहले दिन का स्कोर : -हिमाचल पारी 314/4, टीम के लिए पुखराज मान 118, अंकुश बैंस 72, ऍन आर गेंगटा नाबाद 66, इंनेश महाजन 40 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 59/2, खलील अहमद, दीपक हुड्डा प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

500वीं जीत के साथ पी.वी. सिंधु क्वार्टरफाइनल में

जकार्ता, 22 जनवरी। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने इंडिया ओपन की निराशा को पीछे छोड़ते हुए गुरुवार को इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

इण्डिया ओपन के पहले दौर में बाहर हुई सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजेरफेल्ट को 21-19, 21-18 से हराया। सिंधु का यह शानदार प्रदर्शन तब आया जब लक्ष्य सेन ने अपने पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड के प्रतिद्वंद्वी को हराया और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की।

सिंधु, जिन्हें पहले राउंड में जापान की अनसीडेड मनामी सुइज़ू ने कड़ी टक्कर दी थी, लाइन होजमार्क के खिलाफ पूरी तरह से कंट्रोल में दिखीं, और डेनिश शटलर को 43 मिनट में हराया। यह अब तक के छह मुकाबलों में डेनिश खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु की यह पांचवीं जीत थी। गुरुवार को इस जीत के साथ, सिंधु अपने करियर में 500 मैच जीतने वाली छठी महिला सिंगल्स शटलर और ऐसा करने वाली पहली भारतीय भी बन गईं। बीडब्ल्यूएफ टूर पर, सिंधु का जीत-हार का रिकॉर्ड 456-227 है।

यह 2026 में तीन टूर्नामेंट में सिंधु का दूसरा क्वार्टर फाइनल था, इससे पहले वह मलेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। ऐसा लगता है कि सिंधु ने पिछले हफ्ते इंडिया ओपन में पहले राउंड में बाहर होने की निराशा को पीछे छोड़कर इंडोनेशिया में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

ल्यूक राइट इंग्लैंड के नेशनल सिलेक्टर के पद से हटेंगे

लंदन, 22 जनवरी। इंग्लैंड पुरुष टीम के नेशनल सिलेक्टर ल्यूक राइट अगले महीने शुरू होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद अपने पद से हट जाएंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पुष्टि की है कि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राइट, जिन्हें नवंबर 2022 में इस पद पर नियुक्त किया गया था, तीन साल से कुछ ज़्यादा समय बाद यह नौकरी छोड़ देंगे।

इस पद पर अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान, इंग्लैंड का आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। वे 2023 और 2025 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, और क्रिकेट विश्व कप 2023 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गए। वे 2024 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे, लेकिन आखिरकार चैंपियन बने भारत से आसानी से हार गए।

इस्तीफे का मुख्य कारण अपने परिवार से दूर रहना बताते हुए, राइट ने भविष्य में अपने लिए क्या होगा, इसका इंतज़ार किया। राइट ने कहा, ''पिछले तीन सालों में इंग्लैंड पुरुष टीम के सिलेक्टर के रूप में सेवा करना मेरे लिए सच्चा सम्मान और सौभाग्य की बात रही है।'' ''इस भूमिका में काफी यात्रा करनी पड़ती है और घर से दूर रहना पड़ता है, और एक युवा परिवार के साथ, मुझे लगता है कि अब यह ज़िम्मेदारी अगले व्यक्ति को सौंपने का सही समय है। अब मैं बहुत दिलचस्पी और उत्साह के साथ देख रहा हूँ कि भविष्य में क्रिकेट से जुड़ी कौन सी भूमिकाएँ मेरे लिए होंगी।''

श्रीराम बालाजी दूसरे राउंड में, युकी भांबरी का मिश्रित युगल में अभियान समाप्त

मेलबर्न, 22 जनवरी। ओलंपियन एन श्रीराम बालाजी गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुषों के युगल मुकाबले के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं, जबकि हार के साथ युकी भांबरी का मिश्रित युगल में अभियान समाप्त हो गया। आज यहां खेले गये मुकाबले में बालाजी और उनके ऑस्ट्रियाई जोड़ीदार नील ओबरलीटनेर ने फ्रांस के पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट और ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। बालाजी-ओबरलीटनेर की जोड़ी ने दो घंटे और 43 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7(7)-6(4), 3-6, 7(10)-6(8) से जीत दर्ज की। पिछले हफ्ते बैंकॉक में नॉनथबुरी चैलेंजर जीतने के बाद, बालाजी और ओबरलीटनेर ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली। उन्होंने हर्बर्ट की सर्विस तोड़कर पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाई।

बाबर आजम बीबीएल फाइनल के बाकी मैचों में नहीं खेलेंगे

सिडनी, 22 जनवरी। बाबर आजम बीबीएल फ़ाइनल के बाकी मैचों में नहीं खेलेंगे, सिडनी सिक्सर्स ने घोषणा की है कि उन्हें नेशनल टीम कैंप के लिए पाकिस्तान लौटना होगा। सिक्सर्स ने गुरुवार को यह घोषणा की, एससीजी में होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ अपने चैलेंजर फ़ाइनल से ठीक 24 घंटे पहले, जिसमें जीतने वाली टीम रविवार को पर्थ में बीबीएल फ़ाइनल में पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ खेलेगी।

बाबर शुरू में पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध थे और उन्हें जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान की तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। ऑस्ट्रेलिया 29 जनवरी से शुरू होने वाली तीन टी20 में पाकिस्तान के साथ खेलेगा, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के सभी स्क्वाड सदस्य जो अभी भी बीबीएल में शामिल हैं, वे फ़ाइनल के बाद तक अपनी बीबीएल टीमों के साथ रहेंगे, बाकी स्क्वाड 24 जनवरी को प्री-टूर कैंप के लिए यूएई के लिए उड़ान भरेगा। बयान में कहा गया है, ''सिडनी सिक्सर्स को आज सूचित किया गया है कि सिक्सर्स के ओपनर बाबर आजम को आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों की तैयारी शुरू होने के कारण अपने राष्ट्रीय टीम के साथियों के साथ कैंप में शामिल होने के लिए पाकिस्तान लौटना होगा।नतीजतन, बाबर तुरंत ऑस्ट्रेलिया से रवाना होंगे और बीबीएल/15 फ़ाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।''

पूर्व भारतीय डिफेंडर और ईस्ट बंगाल के कप्तान इलियास पाशा का निधन

कोलकाता, 22 जनवरी। पूर्व भारतीय डिफेंडर और ईस्ट बंगाल के कप्तान इलियास पाशा का गुरुवार को लंबी बीमारी के बाद यहां निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां और दो बेटे हैं। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने खबर की पुष्टि की और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। एक समर्पित और मृदुभाषी फुटबॉलर, इलियास पाशा ने मैदान के उस क्षेत्र में एक विशिष्ट करियर बनाया, जिसमें लचीलेपन और संयम की आवश्यकता होती है - रक्षा। मुख्य रूप से राइट विंग-बैक के रूप में खेलते हुए, वह अपने त्रुटिहीन समय-ज्ञान, शांत स्वभाव और खेल को चतुराई से पढ़ने की क्षमता के लिए जाने जाते थे।

विंटेज एंड क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का 27वां संस्करण 24 और 25 को ताज जयमहल पैलेस में आयोजित होगा

राजस्थान के विभिन्न शहरों से लगभग 100 कारें शामिल होंगी

जयपुर, 22 जनवरी। राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब जयपुर की 27वीं विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन और ड्राइव प्रस्तुत करने जा रहा है। राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब द्वारा पहला इवेंट 29 वर्ष पहले 1996 में आयोजित किया गया था। पहला इवेंट खासा कोठी में केवल 10 कारों के साथ आयोजित किया गया था और तब से न केवल कारों की संख्या में वृद्धि हुई है बल्कि कारों की क्वॉलिटी और रेस्टोरेशन स्टेंडर्ड के साथ एक लंबा सफर तय किया है। इस वर्ष एक बार फिर हमें जयपुर और भारत के अन्य शहरों जैसे दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई से 100 से अधिक विंटेज और क्लासिक कारों के आने की उम्मीद है।

आरएएससीसी के सचिव, अविजित सिंह बदनौर ने बताया कि यह भव्य शो एक एग्जीबिशन के साथ शुरू होगा। जिसका उद्घाटन शनिवार, 24 जनवरी 2026 को दोपहर 2 बजे ताज जय महल पैलेस में मुख्य अतिथि राजस्थान की उप मुख्यमंत्री, दीया कुमारी और विशिष्ट अतिथि पर्यटन विभाग, राजस्थान, कमिश्नर, रुक्मणी रियाड़, आईएएस करेंगी। कार शो विंटेज और क्लासिक कार प्रेमियों और बड़े पैमाने पर जनता के लिए इन खूबसूरत कारों को देखने और सराहने के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा। चीफ जज कोलकाता के वर्धन कनोरिया के साथ जयपुर के अधिराज सिंह होंगे।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली कुछ विशिष्ट कारों में शामिल होंगी- 1929 बुगाटी, जिसके मालिक नई दिल्ली के दिलजीत टाइटस हैं; 1957 बेंटली 1, नई दिल्ली के उदय बहादुर की; 1950 जगुआर 120 और 1973 की पोंटिएक फायरबर्ड, जो मुंबई के गौतम हरि सिंघानिया के संग्रह का हिस्सा हैं।

इसके अतिरिक्त, जयपुर के प्रमुख कलेक्टर्स के संग्रह भी प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें कमल एंड कंपनी, जेम पैलेस, घनी ऑटोज़, लक्ष्मी रमण जी, अविजीत सिंह बदनौर आदि शामिल हैं। यह ड्राइव रविवार, 25 जनवरी को प्रात: 11 बजे ताज जय महल पैलेस से रवाना की जाएगी। इसे राजस्थान के उप मुख्यमंत्री तथा परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री, डॉ. प्रेमचंद बैरवा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। लोगों को देखने और आनंद लेने के लिए यह कारें जयपुर की सड़कों पर चलाई जाएंगी।

इसका रूट गवर्नमेंट हॉस्टल, एमआई रोड, पांच बत्ती, स्टेच्यू सर्कल, अंबेडकर सर्कल, जनपथ टर्न से चोम्मू सर्कल होगा और अंत में ड्राइव प्रतिभागियों के लंच के लिए ताज जय महल पैलेस में वापसी करेगी। जिसके बाद, दोपहर 3.30 बजे पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में खेल एवं युवा मामलों के मंत्री, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ तथा टाइटस एंड कंपनी और टाइटस म्यूज़ियम के संस्थापक, दिलजीत टाइटस द्वारा पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

गिल दूसरी गेंद पर शून्य पर लुढ़के, पार्थ के पंजे से सौराष्ट्र ने हासिल की बढ़त

राजकोट, 22 जनवरी। पंजाब की ओर से खेल रहे भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल गुरुवार को घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ खराब प्रदर्शन करते हुए दूसरी ही गेंद पर पगबाधा होकर पवेलियन लौट गये। जय गोहिल (82) की जुझारू पारी और पार्थ रिपीट पार्थ भट्ट (पांच विकेट) की अगुवाई में सौराष्ट्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 172 रन बनाने के बाद पंजाब को 139 समेटते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय दूसरी पारी में तीन विकेट पर 24 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 57 रनों की हो गई है। आज यहां सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवरों में 172 का स्कोर बनाया। सौराष्ट्र के लिए जय गोहिल ने 117 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 82 रनों की पारी खेली। उनके अलावा प्रेरक मांकड़ (32), हार्विक देसाई (13) और हेत्विक कोटक (12) रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। पंजाब के लिए हरप्रीत बराड़ ने 38 रन देकर छह विकेट लिये। जसिंदर सिंह को दो विकेट मिले। प्रेरित दत्ता और सनवीर सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब को पार्थ भट की अगुवाई में सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना पड़ा। पंजाब की पूरी टीम 40.1 ओवर में 139 के स्कोर पर सिमट गई। प्रभसिमरन सिंह ने सर्वाधिक 44 रन बनाये। अनमोलप्रीत सिंह (35), उदय सहारन (23), हरप्रीत बराड़ (12) और प्रेरित दत्ता 11 रन बनाकर आउट हुये। शुभमन गिल सहित छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। इसी के साथ सौराष्ट्र को पहली पारी के आधार पर 33 रनों की बढ़त हासिल हुई। सौराष्ट्र के लिए पार्थ भट ने 33 रन देकर पांच विकेट लिये। धर्मेंद्रसिंह जडेजा और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। जयदेव उनादकट ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

दिन का खेल समाप्त होने के समय सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में 24 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये थे। हार्विक देसाई (छह) और चिराग जानी (पांच) को हरप्रीत बराड़ ने आउट किया।वहीं पहली पारी में सौराष्ट्र के 82 रन बनाने वाले जय गोहिल को जसिंदर सिंह ने आठ रन पर बोल्ड आउट कर पवेलियन भेज दिया। स्टंप्स के धर्मेंद्रसिंह जडेजा नाबाद पांच क्रीज पर मौजूद थे। सौराष्ट्र की कुल बढ़त 57 रन की हो गई।

आईजीपीएल लीजेंड गोल्फर्स और लिएंडर पेस ने ग्रासरूट मेंटरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया

नई दिल्ली, 22 जनवरी। इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू), प्रोफेशनल गोल्फर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीजीएआई), और द गोल्फ फाउंडेशन (टीजीएफ) के साथ मिलकर आज गोल्फ ग्रोथ इनिशिएटिव लॉन्च किया, जो भारतीय गोल्फर्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ऐतिहासिक प्रोग्राम है। टेनिस लीजेंड लिएंडर पेस की मौजूदगी में दिल्ली गोल्फ क्लब में लॉन्च किए गए इस इनिशिएटिव से खेल के विकास में एक बड़ा बदलाव आएगा, जिससे गोल्फ सीधे स्कूलों और खेल के मैदानों तक पहुंचेगा ताकि भारत के हर कोने से टैलेंट को निखारा जा सके और उन्हें उच्चतम स्तर पर जीतने के लिए तैयार किया जा सके। यह महत्वाकांक्षी प्रोग्राम पूरे गोल्फिंग इकोसिस्टम को एक साथ लाता है, जिसमें सीनियर गोल्फ लीजेंड जीव मिल्खा सिंह, ज्योति रंधावा, शिव कपूर, गगनजीत भुल्लर, एसएसपी चौरसिया और गौरव घई द्वारा मेंटरिंग शामिल है, ताकि खेल को बड़ा और बेहतर बनाया जा सके।

सीआईआई-एयू इन्वटेशन गोल्फ कप का छठा संस्करण 24 को, 100 से अधिक प्रतिभागी लेंगे भाग

जयपुर, 22 जनवरी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-एयू इनविटेशन गोल्फ कप का छठा संस्करण 24 जनवरी को रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में लेफ्टिनेंट जनरल, साउथ वेस्टर्न कमान, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मनजिंदर सिंह; महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे, अमिताभ; आयकर विभाग, जांच, अवधेश कुमार सहित कई ब्यूरोक्रेट्स, खिलाड़ी, इंडस्ट्री के सदस्य, आदि जैसे विभिन्न पृष्ठभूमियों से 100 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे। टूर्नामेंट में करीब 12 महिला खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगी। सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन, गौरव रूंगटा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी।

उन्होंने आगे बताया कि इस वर्ष टूर्नामेंट विभिन्न हैंडीकैप श्रेणियों जैसे पुरुष, महिला, वेटरन, 60 आदि स्टेबल फोर्ड फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसके अतिरिक्त, टूर्नामेंट को और अधिक रोमांचक व दिलचस्प बनाने के लिए कई अन्य विशेष श्रेणियां जैसे कि पार 4 पर दो शॉट के बाद क्लोज़ेस्ट टू द पिन; 9वें जैसे पार 4 होल पर सीआईआई मार्कर के सबसे क्लोजेस्ट ड्राइव; पार 3 होल पर सीआईआई ज़ोन; होल 2 पर मॉन्स्टर पुट आदि शामिल हैं। सीआईआई राजस्थान स्टेट काउंसिल के उपाध्यक्ष, रजनीश भंडारी ने बताया कि यह कप खेल और कॉरपोरेट्स को एक साथ लाने और एक स्वस्थ व फिट जीवन शैली अपनाने के लिए बढ़ावा देने की एक पहल है। सीआईआई की सीएसआर गतिविधि के एक हिस्से के रूप में, सीआईआई और एयू बैंक द्वारा सभी 175 कैडीज को लंच बॉक्सेस भी वितरित किए जाएंगे।

इस अवसर पर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रेसिडेंट, सौरभ तांबी ने कहा कि खेल केवल एक सह-पाठ्यक्रम गतिविधि नहीं हैं, बल्कि वे हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

रामबाग गोल्फ क्लब के मानद सचिव, समृद्ध शर्मा ने सीआईआई और रामबाग गोल्फ क्लब के बीच इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खेल मानव विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और बदलाव की नींव भी रखते हैं। इस अवसर पर सीआईआई राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख नितिन गुप्ता और सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन, विशाल बैद भी उपस्थित रहे।

Hero
Hero WORLD'S NUMBER 1
MOTORCYCLE & SCOOTER COMPANY
FOR 25 YEARS IN A ROW
WELCOME THE
BLOCKBUSTER RANGE OF
Destini 125
एक्स-शोरूम कीमत ₹73000~ से शुरू
ब्याज दर 6.99%^ से शुरू
ई.एम.आई. ₹1999/-^ से शुरू
डाउन पेमेंट ₹8999/-^ से शुरू
0 प्रोसेसिंग फीस
एडवांस ई.एम.आई.
डॉक्यूमेंटेशन चार्ज
इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक
HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
Hero GoodLife
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #Based on internal testing of 110cc scooters and on the testing report of govt Certified agency. ~Ex-Showroom Price of Destini110 in Rajasthan. ^T&C apply.
TOLL FREE NO.
1800 266 0018
अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरु: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सराफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232.